196

हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

HV-8||

7 मार्च, 1995

खण्ड 1, अंक 2

अधिकृत विवरण

विषय सूची

मंगलवार, 7 मार्च, 1995

	पृष्ठ संख्या
तारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(2) 1
नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर	(2) 22
अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(2) 29
अध्यक्ष द्वारा ओब्जर्वेशन	(2) 72
स्थगन प्रस्ताव का ध्यानाकर्षण प्रस्ताव में परिवर्तन	(2) 72
वक्तव्य—	
मुख्य मन्त्री द्वारा उपरोक्त ध्यानाकर्षण प्रस्ताव सम्बन्धी	(2) 77
प्वायंट ऑफ आर्डर तथा उस पर अध्यक्ष द्वारा रूलिंग	(2) 97
वक्तव्य (पुनरारम्भ)	(2) 98
वाक आउट	(2) 99
नियम 121 के अधीन प्रस्ताव	(2) 99
ध्यानाकर्षण सूचनाएं	(2) 101
वर्ष 1994-95 के अनुपूरक अनुमान प्रस्तुत करना	(2) 102
एस्टीमेट्स कमेटी की रिपोर्ट प्रस्तुत करना	(2) 102
राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा	(2) 103
बैठक का समय बढ़ाना	(2) 119
राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(2) 119
अनेक्शचर 'ए'	(2) 123

मूल्य : 268.00

हरियाणा विधान सभा

मंगलवार, 7 मार्च, 1995

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर-1, चण्डीगढ़ में प्रातः 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (चौधरी ईश्वर सिंह) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर

श्री अध्यक्ष : आनरेबल मैम्बर्ज अब सवाल होंगे।

*1007 **Dr. Ram Parkash** :—Will the Minister for Industries be pleased to State, whether there is any proposal under consideration of the Government to sell the Public Undertakings, i. e. the Haryana Breweries Limited, Murthal, Telebird Unit, Faridabad, Haryana Concast, Hisar etc. or to transfer their shares to other companies/ persons ; if so, the details thereof ?

Industries Minister (Shri A. C. Chaudhry) : Yes Sir, The information is laid on the table of the house.

'INFORMATION'

Haryana Television, Limited, Faridabad

The High Level Committee Constituted by the State Govt. for disposal of Haryana Television Ltd. (HTVL), Faridabad had recommended on 8-7-88 to sell the Shares of the Company. Further a sub-committee under the Chairmanship of Financial Commissioner & Secretary, Finance Department was constituted to invite the offers and negotiate the sale and make recommendations to the State Govt. The Sub-Committee decided to release the advertisement in the various leading newspapers for inviting offers for sale of Shares of HTVL. No offer was received in response to the advertisement. This was obviously because the liabilities of the Company were much more than the assets. The Sub-Committee then decided to have negotiations with Syndicate Bank and other Financial Institutions to reduce their interest amount so as to attract prospective buyers. After having discussions/negotiations with the Syndicate Bank and other Financial Institutions, the sub-committee decided to release another advertisement in leading newspapers calling fresh offers for purchase of Shares of HTVL. In response to the 2nd advertisement two offers were received from the following companies :—

1. M/s Sunflag Textiles Ltd., Faridabad.
2. M/s Ranjan Solvis (Pvt.) Ltd., New Delhi.

[Shri A.C. Chaudhry]

After examination of the offer of the above mentioned two companies the State Govt. vide Letter No. 30/3/89-4IBI dated 9-1-1991 decided to sell the Shares of Haryana Television Ltd., Faridabad to Sh. S. D. Bhardwaj of M/s Sunflag Textiles Limited, Faridabad.

Haryana Breweries Ltd., Murthal

Haryana Concast Ltd., Hisar

Regarding Haryana Breweries Ltd., Murthal and Haryana Concast Ltd., Hisar, it is stated that since these companies were not doing well, a decision was taken by the State Govt. to privatise them. M/s SBI Capital Markets Ltd. were engaged as Consultant/Advisor for the purpose. Bids were invited through Advertisements in the leading newspapers in India and abroad. On the basis of recommendations of SBI Capital Markets Ltd., a decision has been taken by the State Govt. to divest equity share holding of Haryana State Industrial Development Corporation (HSIDC) and State Govt. in the two companies in favour of the successful bidders. Accordingly on 12-7-1994 an agreement has been entered into between the HSIDC, State Govt. and Shaw Wallace Group for transfer of 51% of the total share holding (i.e. 11, 19,435 equity shares of Rs. 10/- each held by HSIDC and 1,11,450 equity shares held by State Govt.) alongwith managment control of Haryana Breweries Limited. On receipt of full purchase consideration the said equity shares alongwith managment control in Haryana Breweries Ltd. has been transferred in favour of Shaw Wallace Group on 27-7-1994.

In the case of Haryana Concast Ltd., M/s Jindal Equipment Leasing & Consultancy Services Ltd., (JELCO) failed to fulifil its obligations and the Corporation/State Govt. accepted the offer of the Second Bidder namely M/s M.S. Shoes (East) Ltd. who agreed to purchase the entire shares of Haryana Concast Limited at the rate of Rs. 12/- per equity shares (the same price as was offered by (JELCO). M. S. Shoes (Group) has deposited the entire purchase consideration of Rs. 7,56,66,789/- with the Corporation and the management-control as well as equity shares are being transferred in favour of private party shortly.

डा० राम प्रकाश : मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि ये तीनों अन्डर टेकिंग्ज कब स्थापित की गई और ये कितने समय तक मुनाफे पर और कब से घाटे में चली, इनकी वर्षवार देनदारी क्या थी ? दूसरे इनकी कैपिटल इन्वैस्टमेंट कितनी थी, कितने में बेचा गया और बेचते समय क्या कोई ऐसी धारा रखी गई कि कर्मचारियों की छंटनी न हो, इस बात का भी ध्यान रखा गया या नहीं ?

श्री ए० सी० चौधरी : स्पीकर साहब, जिन तीन गवर्नमेंट अन्डरटेकिंग्ज का जिक्र किया गया है उनमें बाकायदा इस बात का ध्यान रखा गया है, चाहे सरकार को घाटा भी होता रहा लेकिन वहां वर्करों को बराबर काम पर रखा गया है ताकि प्रीडैक्टी-विटी सकर न करें. इसका भी ध्यान रखा गया। लेकिन यह भी मानना होगा कि जहां

तक सरकार के दायित्व का ताल्लुक है, डिवैल्पमैंट के कास्ट पर किसी चीज को नहीं रखा जा सकता, इसीलिए हमें मजबूरन इनको बेचने का फैसला करना पड़ा । बेचते समय दाकायदा पूरे प्रोसिजर को एडोप्ट किया गया । इस बात का पूरा ध्यान रखा गया कि वर्कर्ज बेरोजगार न हों । जिन-जिन को दिया, वर्कर्ज की लायबिलिटीज और असैटस के साथ दिया है । जहां तक इस बात का ताल्लुक है कि कब-कब लगी और घाटा कैसे हुआ, हरियाणा कास्टकास्ट प्रोजैक्ट नवम्बर 1973 में लांचड हुआ था और 1975 से कमीशन हुआ । यह शुरू से ही लगातार घाटे में रहा । 1988-89 मे 35.74 लाख और 1989-90 में 25.90 लाख रुपए का घाटा हुआ । आखिर में 1993-94 में 193 लाख रुपए घाटा हुआ । मजबूरन हमें इनको बेचने का फैसला करना पड़ा । बेचने के बारे में हमसे पहले ही सरकार ने भी इनका रिव्यू किया था और वह भी इसी मत की थी कि इनको आनिहिलेट कर दिया जाए । इसी तरीके से हरियाणा ब्रिवरीज 14-9-70 को फलोट की गई और 1974 से इसमें प्रोडक्शन स्टार्ट हुआ । इसमें कोई ज्यादा घाटा नहीं हुआ । शुरू से 5-6 लाख से 10 लाख रुपए तक की रेंज में यह हर साल फायदा देती रही लेकिन हालात इस तरह के बने और हमें ऐसा लगा कि अब लोगों का प्रोहिबिशन की तरफ रुझान है, इसलिए यह सरकार द्वारा न चलाई जाए । इस बात को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया । दूसरा सबसे बड़ा यह कारण था कि बीयर की डिस्टीलेशन के लिए हमने यह प्रोजैक्ट लगाया था । आज प्राइवेट एन्टरप्रन्योर्ज काफी आ गए हैं और कम्पीटीशन में कई ऐसे फैसले करने पड़ते हैं जो हमारे लिए क्रिटिसिज्म का माध्यम होते हैं । इसीलिए उसको भी आनिहिलेट करने का फैसला करना पड़ा । इसी प्रकार से हरियाणा टैलीविजन शुरू से ही घाटे में रहा । यह पार्टनरशिप कन्सर्न थी । जो पार्टनर था वह अपना शेयर बेच गया । एक स्थिति ऐसी आई कि 10 रुपए का शेयर बाकी दूसरी कम्पनीज के शेयर, जो 100, 200, 300, 400 और हजार रुपए तक जाते हैं, इसकी शेयर वैल्यू जब 50 पैसे कर दी गई तो सरकार ने यह मुनासिब समझा कि वर्कर्ज को सेफटी दी जाए, प्रोडक्शन कायम रहे और इन तीनों यूनिटस को आनिहिलेट करें । इसको बेचने का फैसला पिछली सरकार ने किया था, हमने तो उसे सिर्फ लागू किया है । इस संबंध में पिछली सरकार का जायज चिंतन था, इसलिए हमने उसको क्रियान्वित किया ।

श्री सतबीर सिंह कादियान : अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि मूरथल की ब्रिवरीज में 1990-91, 1991-92 और 1992-93 में कितना प्रोफिट हुआ और इस कम्पनी के कितने शेयर डिसइन्वेस्टमैंट किए हैं ?

श्री ए0 सी0 चौधरी : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि 51% शेयरज हमने दिए हैं । जहां तक इन्वैस्टमैंट और प्रोफिट का ताल्लुक है, मैं माननीय मैम्बर को बताना चाहूंगा कि हरियाणा ब्रिवरीज की 1991-92 में 17.85, 1992-93 में 25.17 तथा 1993-94 में 15.70 लाख

[श्री ए० सी० चौधरी]

रुपए का प्रोविजनल प्रोफिट हुआ । अगर इस प्रोफिट को इन्वेस्टमैंट के समक्ष रखें तो यह इन्वेस्टमैंट के कमैन्सुरेट नहीं है । करोड़ों रुपए की इन्वेस्टमैंट करके अगर 5–7 लाख रुपए की ऐवरेज इन्कम हो तो इसको रखने का कोई फायदा नहीं । पिछली सरकार का यह कन्सैप्ट था कि सरकार का काम हकूमत करना और लोगों को सुख–सुविधा प्रदान करना है, इसलिए हमने उन्हीं की बात को माना है और कार्य किया है ।

डा० राम प्रकाश : अध्यक्ष महोदय, मेरे सवाल के दूसरे हिस्से का जवाब नहीं आया है । मैंने माननीय मंत्री जी से जानना चाहा था कि इनका कैपिटल इन्वैस्टमैंट कितना था ? इतने सालों में कितना घाटा हुआ ? जिस जमीन पर ये लगे हुए हैं उनकी कीमत कितनी है ? मेरे विचार से इनकी जमीन इससे ज्यादा कीमत की बैठ जाती है । मैं इनकी इस बात का स्वागत करता हूं कि सरकार शराब–बन्दी के हक में है । इसके साथ ही मैं यह भी जानना चाहूंगा कि क्या कोई और कन्सर्न भी घाटे में हैं जिसको सरकार बेचने या बन्द करने बारे विचार कर रही है ?

श्री ए० सी० चौधरी : 5 में से 3 कन्सर्नज का जिक्र तो यहां पर चल रहा है । इसके अतिरिक्त हरियाणा मैचूस तथा हरियाणा टैनरीज दो कन्सर्न्ज हैं जो इस समय नान फन्कशनल हैं इसलिए इनमें किसी प्रकार के घाटे का कोई सवाल नहीं है । जहां तक हरियाणा ब्रिवरीज का ताल्लुक है, 215 लाख रुपए का इनिशियल कैपिटल था और यह 1970 में शुरू की गई थी, इसका ऐथोराईज्ड कैपिटल 525 लाख का है जिसमें से 242 शेयर कैपिटल है । कुल मिलाकर देखा गया और विचार किया गया है कि इसको चलाने का कोई फायदा नहीं है । इसी तरह से हरियाणा टेलिविजन 1975 में कमीशन किया गया था और इनिशियल कास्ट 25 लाख रुपए थी इसका पेड–अप कैपिटल 19.4 लाख रुपए बर्कआउट हुआ है । यह शुरू से ही घाटे में चल रहा था और इस हालत में इसको चलाना सम्भव नहीं था/इसलिए मजबूरन हमें इसको बन्द करना पड़ा क्योंकि जितनी इसकी कैपिटल इन्वैस्टमैंट है, उससे कई गुणा ज्यादा इसकी लायबिलिटीज हो गई थी । इनको चलाने से अल्टीमेटली हमें घाटा ही था और यह खदशा ही नहीं बल्कि विश्वास था कि यदि इन्हें चलाना पड़ा तो स्टेट डिवेल्पमैंट कास्ट पर ही चलाना पड़ेगा, इसलिए इनको बेचने बारे फैसला करना पड़ा ।

P. H.C. MADLAUDA

*1016. **Shri Krishan Lal** :—Will the Minister for health be pleased to state whether it is a fact that the construction work of Primary Health Centre at Village Madlauda, District Panipat has been stopped; if so, the reasons therefor together with the time by which it is likely to be restarted/completed ?

स्वास्थ्य मंत्री (बहिन करतार देवी) : हां । ठेकेदार कार्य छोड़ गया था । परन्तु अब कार्य पूर्ण हो चुका है तथा दिनांक 9-11-1994 को भवन टेक ओवर कर लिया गया है ।

श्री कृष्ण लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मन्त्री महोदया से जानना चाहता हूं कि इस भवन पर जो टोटल पैसा खर्च होना है ? उसमें से कितना पैसा खर्च हुआ है और कितना पैसा अभी और खर्च होना है ? इसके साथ ही बहिन जी ने बताया है कि वह भवन 9-11-1994 को टेक ओवर कर लिया गया है । मैं आपके माध्यम से बहिन जी से जानना चाहूंगा कि बारिश के दिनों में यह बिल्डिंग झील बन जाती है, उसमें पानी भर जाता है जिससे मरीजों को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ता है। क्या इसकी भरत करवा कर ठीक करवाएंगे, यदि हां तो यह काम कब तक पूर्ण हो जाएगा ?

बहिन करतार देवी : अध्यक्ष महोदय, मैं अपने माननीय साथी को बताना चाहूंगी कि इस भवन की स्वीकृति 1985-86 में दी गई थी । जून, 1987 में इसका कार्य लोक निर्माण विभाग द्वारा किसी ठेकेदार के माध्यम से शुरू करवाया गया था और जुलाई, 1989 से दिसम्बर, 1991 तक इसका काम बन्द रहा क्योंकि कुछ डिस्पैंसरी की बिल्डिंग बननी थी और कुछ रिहायशी भवन बनाये जाने थे जिनमें से 3.05 लाख रुपये भवन निर्माण पर तथा 3.52 लाख रुपये रिहायशी भवन पर खर्च हुए । जहां तक माननीय सदस्य ने यह बिल्डिंग झील में बनाने की बात कही है, स्पीकर सर, इस बारे में तो इन्हें अपनी पार्टी के नेताओं से ही पूछना चाहिए क्योंकि यह इन्हीं के टाईम पर बननी शुरू हुई थी । फिर भी झील को भरने के लिए और पैसा चाहिए तथा चारदीवारी के लिए भी पैसा चाहिए । इन कामों के लिए नये बजट में पैसे का प्रावधान करने का प्रयास किया जाएगा ।

श्री कृष्ण लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि जब टैण्डर काल किए गए थे तो क्या उस वक्त चारदीवारी को बनाने का प्रावधान नहीं रखा गया था ?

बहिन करतार देवी : स्पीकर साहब, आर0 डीज0 को पी0 एच0 सीज0 में बदलने का निर्णय लिया गया था । जिस वक्त यह निर्णय लिया गया था उस वक्त यह प्रोविजन था कि कुछ एडीशनल बिल्डिंग बनाकर काम चला लिया जाएगा जिस स्थान पर यह बिल्डिंग बनाई गई है, वह लगभग 4 एकड़ जमीन है और बहुत ही नीचे एरिये में है । इस बिल्डिंग के पीछे से एक नाला भी जाता है जिस वक्त इस बिल्डिंग को बनाने की प्रपोजल थी, उस समय चारदीवारी बनानी प्रस्तावित नहीं थी लेकिन अब चार दीवारी बनानी प्रस्तावित है । उस बिल्डिंग को बचाने के लिए वहां पर चारदीवारी बनाना बहुत जरूरी है और उस जगह की फिलिंग करना भी जरूरी है ताकि बरसात का पानी खड़ा न हो । नए बजट में हम इस तरफ पूरा ध्यान देने की कोशिश करेंगे

श्री अध्यक्ष : आप यह बताएं कि यह काम कब तक पूरा हो जाएगा ?

बहिन करतार देवी : सर, यह तो धन की उपलब्धता पर निर्भर करता है ।

श्री कृष्ण लाल : अध्यक्ष महोदय, यह बिल्डिंग ऐसी है कि बारिश के दिनों में वहां पर मरीज आ-जा नहीं सकते हैं ।

श्री अध्यक्ष : आप पहले आने जाने के रास्ते तो बनवाएं ।

बहिन करतार देवी : ठीक है जी ।

साथी लहरी सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के के गुडा और टाटका में दो गांव हैं जिनमें पी0एच0सीज0 चल रही है । उन पी0एच0सीज0 की बिल्डिंग कब बनानी शुरू करेंगे और वे कब तक पूरी हो जाएंगी ?

बहिन करतार देवी : अध्यक्ष महोदय, इसका मेन प्रश्न से कोई सम्बन्ध नहीं है लेकिन मैं इनको बता देती हूं कि बजट में धन की उपलब्धता के बाद ही विचार किया जाएगा । वैसे, पिछले बजट में पी0एच0सीज0 के लिए जितने पैसों का प्रावधान था, हमने उससे ज्यादा ही खर्च किया है । अगले बजट में उन दो पी0एच0सीज0 का ध्यान रखेंगे ।

श्री अध्यक्ष : आप हमें यह बताएं कि जहां-जहां पर पत्थर रखे गए हैं, वहां काम कब शुरू कर देंगे ?

बहिन करतार देवी : स्पीकर साहब, सारी स्टेट में नार्मज के हिसाब से हमने जितने पी0एच0 सीज खोलने थे, वे खोल चुके हैं, यह अलग बात है कि उनके लिए सरकारी भवन नहीं बने हैं । सरकारी भवनों के लिए जितने पैसे मिलते हैं, उसी आधार पर हम पी0एच0सी0 की बिल्डिंग बनाते हैं । आबादी के हिसाब से सारी स्टेट में 394 की बजाए 398 पी0एच0सीज0 कार्यरत हैं लेकिन इस बारे में मैं एग्जैक्ट जवाब कैसे दे सकती हूं ? यह सारी बात धन की उपलब्धी पर निर्भर करती है । कभी लास्ट टाईम पर कट लग जाता है, कभी एमरजैन्सी लग जाती है । जैसे बिजली के लिए भुगतान करना है या और कुछ करना है । हमारी यह कोशिश होगी कि जहां-जहां पर इस प्रकार की आधार शिलाएं रखी हुई हैं, उनको हम प्रायरिटी बेसिज पर बनाने का प्रयास करेंगे ।

श्री सूरज भान कामल : अध्यक्ष महोदय, जुलाना के अन्दर एक कम्यूनिटी हैल्थ सैन्टर है, इसको बने हुए 50 साल हो गए हैं । इसकी कोई भी बिल्डिंग नहीं है लेकिन इसकी 25 बैड्ज की कैपेसिटी दिखा रखी है, जबकि इसमें 10 बैड्ज भी नहीं आ सकते । अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी से आपके माध्यम से पूछना चाहूंगा कि क्या

उस बिल्डिंग को बनाने का विचार है, और अगर हां, तो कब तक बनवा दिया जाएगा ?

बहिन करतार देवी : अध्यक्ष महोदय, वहां पर 25 बैडज का प्रावधान है। यह पुरानी ब्लाक स्तर की पी०एच०सी० थी, इसकी पूरी बिल्डिंग न बना करके इसके साथ कुछ एडीशनज बनाने की सरकार की योजना है। हमारी पूरी कोशिश है कि अब हम जो बजट पास करेंगे और उसमें जो प्रावधान होगा, उसके हिसाब से उसको पैसा दे दिया जाएगा।

श्रीमती चन्द्रावती : स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से पूछना चाहूंगी कि नकीपुर में काफी दिनों से कोई डाक्टर क्यों नहीं है ? कुछ डाक्टर ऐसा लिखकर भेज देते हैं कि फलां जगहें ऐसी हैं जो पी०एच०सी० के नायक ही नहीं है इस बारे में तो यह कहूंगी कि ऐसे डाक्टर्ज को सर्विस में रखना ही नहीं चाहिए जो दूर-दराज के अस्पताल हैं उनमें डाक्टरों को जरूर भेजना चाहिए। अगर डाक्टर्ज नहीं जाते हैं तो उनको इनसैंटिव देकर भेजना चाहिए। लेकिन सर, जहां तक मुझे याद है, अब तक नकीपुर में कोई डाक्टर नहीं गया है ?

बहिन करतार देवी : स्पीकर सर, मैं तो इसे प्रांत का दुर्भाग्य ही कहूंगी कि आज जो बच्चे गांव से संबंध रखते हैं और बाद में डाक्टर बन जाते हैं, वे भी गांवों में जाना पसन्द नहीं करते। अगर उनकी नियुक्ति गांव में कर दी जाती है तो वे नौकरी करने के बजाए उसे छोड़ना पसन्द करते हैं, इसलिए इनकी बात ठीक है। हम उनके खिलाफ कोई कार्यवाही तभी कर सकते हैं जब वे कहीं पर ज्वायन करें। वे तो ज्वायन ही नहीं करते हैं। वैसे हम दोनों तरह की भर्ती करते रहते हैं। हमारा पब्लिक सर्विस कमीशन भी डाक्टर्ज की लगातार भर्ती करता रहता है। उसके बाद उनकी भर्ती में जो गैप रहता है, उसको ऐडहाक भर्ती करके पूरा करते रहते हैं ताकि दूर-दराज के देहाती इलाकों में डाक्टर्ज को भेजा जा सके। फिर भी यह बात सच है कि दूर-दराज के कई अस्पतालों में हमारे आदेश करने के बावजूद भी डाक्टर्ज वहां ज्वायन करना पसन्द नहीं करते।

श्री जिले सिंह जाखड़ : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि जमालपुर में लोगों ने सी०एच०सी० के लिए 40 लाख रुपया इकट्ठा करके पूरी बिल्डिंग बनाई है तो फिर वहां पर पूरे डाक्टर और दवाईयां क्यों नहीं हैं ? जिस डाक्टर को सरकार ने वहां पर भेजा हुआ है, वह महीने में एक बार आता है और आकर अपनी हाजिरी लगाकर चला जाता है। लोगों ने अपना पेट काटकर, चन्दा इकट्ठा करके, इतना पैसा खर्च करके, वह बिल्डिंग बना रखी है। वह बिल्डिंग उन्होंने इस लिहाज से बनायी थी ताकि उनके बच्चों का, महिलाओं का तथा अन्य मरीजों का ईलाज हो सके। मैं इनसे यह आश्वासन चाहूंगा कि क्या भविष्य में ये ऐसी देहात की सी०एच०सीज० में डाक्टर्ज का अरेंजमैन्ट करने की कोशिश करेंगी जहां पर बिल्डिंग्ज बनी हुई हैं ?

बहिन करतार देवी : अध्यक्ष महोदय, जमालपुर में पी०एच०सी० की सैंक्शन दी गयी थी, इसी आधार पर लोगों ने वहां पर बिल्डिंग बनायी थी। लेकिन जब मुख्यमंत्री जी उसका उद्घाटन करने गए थे तो इन्होंने वहां पर लोगों की हिम्मत को देखते हुए उसी दिन उस सी०एच०सी० का दर्जा बढ़ाने की घोषणा की थी। सर, वहां पर नार्म्ज के मुताबिक हर सुविधा दी जाएगी, ऐसा प्रावधान रखा गया है। ऐसा नहीं है कि वहां पर डाक्टर्ज नहीं हैं। वहां पर इस समय दो डाक्टर्ज हैं, लेकिन पांच डाक्टर्ज होने चाहिएं थे, और वे भी स्पेशलिस्ट्स होने चाहिए थे लेकिन जो समस्या है, वह मैं पहले ही सदन के ध्यान में ला चुकी हूं। फिर भी मैं यह विश्वास दिला सकती हूं कि आप वहां पर जिस किसी भी डाक्टर या स्पेशलिस्ट्स को चाहेंगे, मैं कल ही उसका आदेश कर दूंगी। वहां अन्य दूसरा स्टाफ जो चाहिए, वह सब बराबर है।

श्री अजमत खां : स्पीकर सर, मेरे हल्के के उटावड़ व नांगल गांवों में 1986 से पी०एच० सी० सैंक्शन की हुई थी लेकिन आज तक वहां पर बिल्डिंग नहीं बनी है तो फिर डाक्टर्ज वहां कैसे ठहरेंगे। उस छोटी सी जगह पर एक फोर्थ क्लास का कर्मचारी बैठने जाता है। वहां पर डाक्टर लगाने के बावजूद भी नहीं जाते। स्पीकर सर, उन पी०एच०सीज० में बिल्डिंग बनाने के लिए एक पैसा भी नहीं दिया गया। तो जहां पर ऐसी बिल्डिंग नहीं है, क्या वहां पर सरकार बिल्डिंग बनाने का इरादा रखती है ?

बहिन करतार देवी : स्पीकर सर, माननीय भाई ने जो संकेत किया है, वह तो वही बात है कि देहात के एरिये में डाक्टर्ज नहीं ठहरते लेकिन जहां तक बिल्डिंग बनाने का सवाल है, मेवात एरिये की तरफ तो सरकार द्वारा विशेष ध्यान दिया जाता है। उटावड़ की पी०एच०सी० के लिए सैद्धांतिक स्वीकृति जारी हो चुकी है और अगले वर्ष भवन बनाने के लिए प्रावधान रखा हुआ है।

प्रो० छत्तर सिंह चौहान : स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदया का ध्यान दिलाना चाहूंगा कि 5 नवंबर, 1994 को माननीय मुख्यमंत्री महोदय और इनका सारा हैल्थ डिपार्टमैंट भिवानी जिले के मानहेरू गांव में गया था और जैसे वादे करने की इनकी आदत है, इन्होंने वहां वादा किया कि बौंद की पी०एच०सी० को सी० एच०सी० में अपग्रेड किया जाएगा। सी०एच०सी० बनने की बात तो दूर रही, वहां पी०एच०सी० में भी कोई डाक्टर नहीं है। मैं मुख्यमंत्री महोदय से प्रार्थना करूंगा कि ऐसे पत्थर रखें या वायदे करें जिन्हें पूरा कर सकें। मैं बहिन जी का भी ध्यान दिलाना चाहूंगा कि 1994 में ये बौंद गई थीं और आश्वासन दिया था कि पी०एच०सी० को सी०एच०सी० में अपग्रेड कर देंगे।

श्री अध्यक्ष : आप प्रश्न पूछिए।

प्रो० छतर सिंह चौहान: स्पीकर सर, मैं मंत्री महोदया से जानना चाहूंगा कि भिवानी जिले में नथीपुर, बींद, धनाणा ये जितनी भी पी०एच०सीज० हैं, इनमें डाक्टर नहीं है, क्या वहां डाक्टरों का प्रबन्ध किया जाएगा ? इसके साथ-2 मैं यह भी जानना चाहूंगा कि क्या सरकार बींद को सी०एच०सी० बनाने का इरादा रखती है ?

बहिन करतार देवी: स्पीकर सर, हर पी०एच०सी० को सी०एच०सी० में अपग्रेड किए जाने के बारे में पोजीशन बताना संभव नहीं है। जहां तक मैम्बर साहेबान का यह प्रश्न है कि मुख्यमंत्री जी ने वादा किया था और उसको पूरा नहीं किया। मैं इस बारे में बताना चाहूंगी कि मुख्यमंत्री महोदय ने स्पेसिफिक बात कही थी। हालांकि हम मानहेरु को सी०एच०सी० बना चुके हैं और जनता की मांग को देखते हुए बींद कलां पी०एच०सी० से सी०एच०सी० अगले वित्त वर्ष में चालू हो जाएगी। अभी तक अप्रैल आया नहीं है। सैद्धांतिक स्वीकृति हमने जारी कर दी है कि इसको सी०एच०सी० अपग्रेड किया जाए।

श्री राम कुमार कटवाल: स्पीकर सर, डिस्ट्रिक्ट हैडक्वार्टर के अस्पताल फांसी के कटघरे बन कर रह गए हैं। मेरी पुत्रवधू के 20 तारीख को लड़का पैदा हुआ और उससे रिश्वत मांगी गई। बहिन जी 26 तारीख को जींद गई तो मैंने इनको बताया। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष: यह सवाल इस सप्लीमैंट्री से संबंधित नहीं है। कटवाल साहब आप बैठिए।

श्री राम कुमार कटवाल: स्पीकर सर, राजौंद में 1956 में पी०एच०सी० बनी थी और एक अलेवा में पी०एच०सी० स्कूल के बाहर बनी हुई है, लेकिन उसकी आज तक छत नहीं डल सकी है।

श्री अध्यक्ष: आप सवाल पूछिए।

श्री राम कुमार कटवाल: स्पीकर सर, मेरा सवाल यही है कि इसकी छत कब तक डल जाएगी, इस बारे में मंत्री महोदया आश्वासन दें ?

श्री अध्यक्ष: कटवाल साहब, आप बैठ जाइए।

स० जसविन्द्र सिंह: स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदया से जानना चाहूंगा कि पेहोवा में ऐक्सरे मशीन पिछले काफी समय से खराब पड़ी है। पिछले सत्र में भी मैंने जानना चाहा था कि पेहोवा में कब तक नई मशीन दे दी जाएगी ?

बहिन करतार देवी: स्पीकर सर, सवाल पी0 एच0 सी0 के बारे में था। इस बारे में आदरणीय सदस्य अलग से नोटिस दे दें, जवाब दे दिया जाएगा।

श्री धीरपाल सिंह : स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदया से जानना चाहूंगा कि मुख्यमंत्री जी और उनकी कैबिनेट के दूसरे सदस्य एक अप्रैल के बारे में आश्वासन देते हैं, इसके पीछे राज क्या है?

मुख्यमंत्री (चौधरी भजन लाल) : अध्यक्ष महोदय, हम इनको एक अप्रैल को अप्रैल फूल नहीं बनाना चाहते। एक अप्रैल का मतलब है नया साल शुरू हो जाएगा, नया बजट आ जाएगा ताकि आगे उस पैसे से काम कर सकें।

तारांकित प्रश्न संख्या 1002

(यह प्रश्न पूछा नहीं गया क्योंकि इस समय माननीय सदस्य श्री जयसिंह राणा सदन में उपस्थित नहीं थे।)

Canal Water

*1027. **Prof. Chattar Singh Chauhan:** Will the Minister for Irrigation be pleased to state the total cusec of water supplied to each canal of district Bhiwani during the period from July, 1991 to date ?

Irrigation Minister (Ch. Jagdish Nehra) : 11,01,285 cusecs days water was supplied to the canals of District Bhiwani.

प्रो0 छत्तर सिंह चौहान : अध्यक्ष महोदय, माननीय मन्त्री महोदय ने मेरे सवाल के जवाब में बताया है कि जिला भिवानी की नहरों को 11,01,285 क्यूसिक डेज पानी दिया गया। मैं आपके माध्यम से यह जानना चाहता हूं कि भिवानी जिला की बींद डिस्ट्रीब्यूटरी, दादरी फीडर, जुई कैनाल, तिवानी, भिवानी सब-ब्रांच व लोहारू कैनाल में अलग-अलग कितना-कितना पानी दिया गया क्योंकि भिवानी की जितनी भी नहरें हैं, वे सारी की सारी पानी की बजाये मिट्टी से अंटी पड़ी हैं। जरा डिटेल में बता दें। अध्यक्ष महोदय, मुख्य मन्त्री महोदय ने नवम्बर के महीने में यह आश्वासन दिया था कि भिवानी जिले की सभी नहरों की डी-सिलटिंग करवा दी जाएगी लेकिन आज तक वहां पर एक पैसा भी इस काम के लिये सरकार की ओर से खर्च नहीं किया गया। तकरीबन सभी नहरों में मिट्टी भरी पड़ी है। वे मिट्टी को भी शायद पानी ही समझ रहे हैं। इसलिए मैं इनसे देवसर, जुई कैनाल, सुन्दर ब्रांच व दूसरी नहरों के बारे में पूछना चाहता हूं कि उनमें अब कितना-कितना क्यूसिक डेज पानी चल रहा है ?

चौधरी जगदीश नेहरा : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने अलग-अलग नहरों के बारे में पूछा है, मैं बता देता हूं। इस समय जुई फीडर की 570 क्यूसिक्स की कपैसिटी है और इसमें करीब करीब इतना ही पानी चल रहा है। मिलाथल की 300 क्यूसिक्स

की कपैसिटी है और उसमें 330 क्यूसिक्स पानी चल रहा है। सुन्दर ब्रांच की कपैसिटी है 570 क्यूसिक्स और उसमें इतना ही पानी चल रहा है। भिवानी सब ब्रांच की 564 क्यूसिक्स की कपैसिटी है और उसमें इतना ही पानी चल रहा है। इसी तरह से सिवानी ब्रांच, देवसर माईनर है। लोहारू कैनाल है उसकी कपैसिटी है 1400 क्यूसिक्स की और उसमें 600-600 करके दो ग्रुपों में पानी चल रहा है। अब मैं खरीफ 1991 की पोजीशन बताता हूं। खरीफ 1991 में जुई कैनाल में 39223 क्यूसिक्स पानी चला और मीताथल में 177799 क्यूसिक्स पानी चला। इसी तरह से सुन्दर ब्रांच में 20516 क्यूसिक्स पानी चला। भिवानी सब ब्रांच में 22223, सिवानी ब्रांच में 13740 क्यूसिक्स पानी चला। लोहारू डिस्ट्रीब्यूटरी में 31728 क्यूसिक्स पानी चला। इसी तरह से रबी 1991-92 में जुई कैनाल में 27087 क्यूसिक्स, मीताथल फीडर में 16203 क्यूसिक्स, सुन्दर ब्रांच में 23186 और भिवानी सब ब्रांच में 25831 क्यूसिक्स पानी चला। सिवानी फीडर में 12039 क्यूसिक्स पानी चला। लोहारू में रबी 1992 में 31747 क्यूसिक्स पानी चला। इसी तरह से हमारे पास रबी-खरीफ 1992 की, रबी 1993 की, खरीफ 1993 की और रबी-खरीफ 1994 की फिगर्ज हैं। इन सभी का विवरण मैंने अपने लिखित जवाब में पहले ही दे दिया है कि जिला भिवानी की नहरों को 11,01,285 क्यूसिक्स डेज 10.00 बजे पानी दिया गया। स्पीकर साहब, बारिश के दिनों में जब सीजन होता है तो उस समय यमुना में ज्यादा पानी होता है। इसलिए उस समय ज्यादा पानी चलता है। जब सर्दियों में बर्फ नहीं पिघलती तो उस समय पानी कम चलता है।

श्री धर्म पाल सिंह: स्पीकर साहब, मैं मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि मन्त्री जी ने दादरी और बींद का उल्लेख नहीं किया। क्या सरकार का इनमें भी पानी छोड़ने का विचार है? इनमें पिछले दो साल से पानी नहीं आया। मिसरी माइनर और झिंजर माइनर की टेल तक पिछले दो साल से पानी की एक बूंद भी नहीं गई।

चौधरी जगदीश नेहरा: स्पीकर साहब, मैंने बड़े चैनल्ज का नाम लिया था। आगे उनमें से माइनर्ज निकलते हैं। ऐसे तो छोटे-छोटे माइनर और डिस्ट्रीब्यूट्रीज की संख्या सैंकड़ों में है।

श्री धर्म पाल सिंह: स्पीकर साहब, मैं इनके नोटिस में लाना चाहता हूं कि पिछले दो साल से वहां पानी नहीं जा रहा है। मैं इस बारे में मुख्य मन्त्री जी से बात करूंगा। आप इन्क्वायरी करवा कर देख लें कि मिसरी गांव में वाटर वर्कस बना हुआ है लेकिन वहां पर पानी नहीं जा रहा है। मन्त्री जी का दादरी में पानी देने का इरादा ही नहीं है।

चौधरी जगदीश नेहरा : स्पीकर साहब, हमारा सभी जगहों को पानी देने का इरादा है। हो सकता है कि कुछ एरियाज में पानी कम जा रहा हो। चौहान साहब ने यह पूछा था कि भिवानी जिले में खरीफ 1991 से लेकर अब तक कितना पानी गया है, मैंने उसकी डिटेल सदन में बता दी है। अगर आप किसी पर्टिकुलर केस के बारे में शिकायत करेंगे तो उसे भी दूर किया जाएगा।

प्रो0 छतर सिंह चौहान : स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मन्त्री जी का ध्यान दिलाना चाहता हूं कि जो चौधरी धर्म पाल सिंह जी ने कहा वह बिल्कुल ठीक है। दादरी फीडर से दो डिस्ट्रीब्यूट्रीज निकलती हैं। उनमें पिछले दो साल से पानी नहीं जा रहा है। मन्त्री जी ने पानी जाने की जो फिगर्ज दी हैं ये सिर्फ कागजी फिगर्ज हैं और वास्तविकता से दूर हैं। जब तक उन नहरों की छंटाई नहीं करेंगे उनमें पानी नहीं आएगा। देवसर माइनर पूरी तरह से मिट्टी से भरी पड़ी है और आपने कह दिया कि उसमें पूरा पानी चलता है। आप इस बारे में अपने अफसरों से पूछें। मैं संडे को आपके साथ वहां जाने को तैयार हूं, वहां पर पिछले तीन सालों से एक बूंद पानी नहीं गया है। दादरी फीडर में पांच फुट मिट्टी पड़ी है और दादरी माइनर में चार फुट मिट्टी पड़ी है। आप अपने कागजों से गलत फिगर दे रहे हैं मेरी आपसे प्रार्थना है कि जिला भिवानी की जितनी भी नहरें हैं उनकी जब तक छंटाई नहीं होगी उनमें पानी नहीं जाएगा। पिछले तीन साल से उन पर एक पैसा भी नहीं लगा। इस बारे में मुख्य मन्त्री जी ने नवम्बर में आश्वासन दिया था कि इनकी छंटाई करवाई जाएगी। जब तक इनकी सफाई नहीं होगी तो पानी कहां से जाएगा। इसलिए ये सारी फिगर्ज बनावटी हैं। मन्त्री जी कृपया यह बताएं कि इनकी डि-सिल्टिंग कब तक हो जाएगी ?

श्री अध्यक्ष : चन्द्रावती जी आप भी जो पूछना चाहती हैं पूछ लें, मन्त्री जी इकट्ठा जवाब दे देंगे।

श्रीमती चन्द्रावती : स्पीकर साहब, मैं भी यही जानना चाहती थी। हमारे पास लिख कर आता है कि हमने इतनी मिट्टी छंटवा दी है लेकिन वह सचमुच में नहीं छंटी है। चाहे मुख्य मन्त्री जी खुद जा कर देख लें, कोई भी चल कर देख ले, वे माईनर्ज मिट्टी से अंटी पड़ी हैं। आप जो पानी उनमें छोड़ते हैं वह वहां पर नहीं पहुंचता है। लोहारू में जो वाटर सप्लाई स्कीम की डिग्गी बनी हुई है, उसमें पीने का पानी नहीं पहुंचता है। आप जब तक उन माइनर्ज को नहीं छंटवाएंगे, तब तक उनमें पानी नहीं जाएगा। हमारे पास इरीगेशन विभाग के ऑफिसर्ज की तरफ से चिट्ठी आ जाती है कि फलां माइनर की इतनी छंटाई कर दी लेकिन वास्तव में कोई छंटाई नहीं की जाती है। आप इन माइनर्ज की छंटाई कब तक करवा देंगे ?

चौधरी जगदीश नेहरा : स्पीकर साहब, जो रबी कम्पेन और खरीफ कम्पेन के लिए एक कमेटी बनी हुई है उसके हर सर्कल के एस0 एल0 ए0 या मिनिस्टर

और विरोधी पक्ष के एस0एल0ए0 मैम्बर हैं । वह कमेटी एक एक सर्कल को जा कर चैक करती है । (शोर)

प्रो0 छतर सिंह चौहान : मैं ऐसी किसी कमेटी का मैम्बर नहीं हूं । (शोर)

चौधरी जगदीश नेहरा : स्पीकर साहब, काजल साहब एक सर्कल के इंचार्ज हैं । नहरों को डी-सिल्टिंग के लिए हम जो पैसा भेजते हैं, हम बाकायदा उसकी कापी वहां के लोकल एम0एल0ए0 और डी0सी0 को भेजते हैं । (शोर)

श्रीमती चन्द्रावती : आप कापी जरूर भेजते हैं लेकिन वास्तव में काम नहीं करवाते हों ।

चौधरी जगदीश नेहरा : आपको कापी मिलती है तो आप उस काम को मौके पर जा कर चैक किया करें । क्या आपने मौके पर जा कर उस काम को कभी चैक किया है । जिस किसी नहर की डिसिल्टिंग का काम हुआ और उसके बारे में आपके पास चिट्ठी आई कि वह काम इतना हो गया है, आप उसको मौके पर चैक करें, यदि वह काम पूरा नहीं हुआ हो तो आप हमें लिखें, हम उस कंसर्न्ड ऑफिसर्ज के खिलाफ कार्यवाही करेंगे ।

श्री अध्यक्ष : आप यह अश्योरैंस दे दें कि आप माइनर्ज की डि-सिल्टिंग कब तक करवा देंगे ?

चौधरी जगदीश नेहरा : स्पीकर साहब, जिन-जिन माइनर्ज में डि-सिल्टिंग करनी होती है उनके लिए हम तरतीब वार पैसा भेजते हैं और उसका ब्यौरा कंसर्न्ड डी0सी0 और उस सर्कल के एम0एल0ए0 को भेजते हैं ।

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल) : अध्यक्ष महोदय, अभी दो महीने पहले फ्लड कंट्रोल बोर्ड की मीटिंग हुई थी उसमें सभी डी0सीज0 और इरीगेशन डिपार्टमैंट के अधिकारी शामिल किए गए थे । वह मीटिंग दो बातों के लिए की गई थी एक बात तो यह कि बरसात से पहले-पहले कौन-कौन सी ड्रेन को ठीक करना चाहिए ताकि किसी ड्रेन में पानी चलने में कोई रुकावट न आए और दूसरी बात यह कि जो बाढ़ आती है उसकी रोकथाम की जाए । उन सभी माईनर्ज की सफाई की जाए जो मिट्टी से अंटी पड़ी हैं । माईनर्ज की मिट्टी निकालने के लिए हमने अलग से दो करोड़ रुपए विभाग को दिए हैं । डी0सीज0 ने इस काम के लिए जो पैसा मांगा हैं वह हमने दिया हैं । मिसाल के तौर पर जैसे भिवानी के डी0सी0 ने इस काम के लिए 25 लाख रुपए मांगे थे और हमने उनको 25 लाख रुपए दिए हैं भिवानी के बारे में मैंने इसलिए बताया है क्योंकि भिवानी जिले के विधायक बहुत एजीटेटिड हैं । अब हम एक बात और करेंगे कि डी0सीज0 को हिदायत देंगे कि उस एरिया के एम0एल0ए0 को साथ लेकर यह दिखाएं कि हमने जो पैसा दिया था वह पैसा ठीक खर्च हो गया या नहीं, अगर ठीक खर्च नहीं हुआ कहीं कोताही रही तो हम उस अधिकारी के खिलाफ कार्यवाही करेंगे ।

———

Prescribed Educational Qualification for Admission in Government Engineering College, Murthal

*1015. **Shri Satbir Singh Kadian** : Will the Minister for Technical Education be pleased to state—

(a) the number of students given admission in dfferent disciplines in the Chaudhry Chotu Ram Government Engineering College, Murthal during the year, 1993-94 ; and

(b) whether all the students as referred to in part 'a' above fulfilled the requisite Educational qualifications, if not, the reasons thereof ?

Technical Education Minister (Rao Inderjeet Singh) :

(a) Discipline-wise number of students admitted during the year, 1993-94, is as under:—

Sr. No.	Discipline	Students admitted
1.	Computer Science and Engineering	31
2.	Electrical Engineering	46
3.	Electronics and Communication Engineering	63
4.	Mechanical Engineering	61
5.	Chemical Engineering	16
6.	Architecture	30

(b) Yes, except one candidate who has been admitted as per the orders dated 12-8-1993 passed by the Hon'ble Sub Judge Ist Class Kurukshetra.

श्री सतबीर सिंह कादियान : अध्यक्ष महोदय, एक छात्रा को निर्धारित योग्यता पूरी न होने के कारण दाखिला दिया गया है, इस बात को मंत्री जी ने माना भी है । उसके दाखिले के बारे में बताया गया है कि उसका दाखिला कोर्ट की मार्फत दिया गया है। मेरे कहने का मतलब यह है कि यदि उसकी निर्धारित क्वालिफिकेशन पूरी नहीं थी तो उसको इन्टरव्यू कार्ड क्यों भेजा गया ? दूसरा सवाल यह है कि क्या बोर्ड आफ डायरेक्टर ने इस केस की कोई इन्क्वायरी की है, यदि हां तो इन्क्वायरी रिपोर्ट क्या है ?

राव इन्द्रजीत सिंह : अध्यक्ष महोदय, पोस्टें एडवर्टाईज होने के बाद स्क्रीनिंग का प्रोसिजर है और उसके बाद इन्टरव्यू लैटर भेजे जाते हैं । पहली स्क्रीनिंग इन्टरव्यू लैटर भेजने से पहले होती है । दूसरी स्क्रीनिंग इन्टरव्यू के समय होती है और उस समय यह देखा जाता है कि कैण्डीडेट एलिजिबल है या नहीं । इस केस

के अन्दर जो पहली स्क्रीनिंग हुई थी, उसके बाद इन्टरव्यू लैटर भेजा गया। उस समय यह चीज ओवर साईट हो गई। यह ध्यान नहीं रहा कि इस कैंडीडेट को फिजिक्स के अन्दर कम्पार्टमेंट मिला हुआ है। गल्ती से इन्टरव्यू लैटर इनके पास भेज दिया गया। यह जो खामी थी यह इन्टरव्यू के समय दुरुस्त हो जानी चाहिए थी उस समय दुबारा से सारे फैक्टस ठीक ढंग से देखे जाते हैं कि कैन्डीडेट एलिजिबल है या नहीं। 14 अगस्त को इनका इन्टरव्यू था। इन्टरव्यू से दो दिन पहले यानि 12 अगस्त को यह कैंडीडेट कोर्ट से स्टे आर्डर लेकर आ गया। कोर्ट के कहने के मुताबिक, इनका कोमन एन्ट्रैन्स टैस्ट हुआ था, उसकी मैरिट को देखते हुए उसको प्रोविजनल दाखिला देना पड़ा। आपके एक सवाल का जवाब तो यह है। दूसरे सवाल का जवाब यह है कि जब इस केस की जानकारी डायरेक्टर/प्रिंसिपल को हुई कि इस किस्म की बात हुई है तो उन्होंने 16 तारीख को यानि इन्टरव्यू से दो दिन बाद ही सारी रिपोर्ट मांगी और गवर्नमैंट को सारी पोजीशन लिखकर भेज दी। सरकार ने तुरंत कार्यवाही की और दो व्यक्ति इसमें शामिल थे उनको सस्पेंड कर दिया। इसकी इन्क्वायरी के लिए एडीशनल डायरेक्टर श्री शर्मा को इन्क्वायरी आफिसर नियुक्त किया गया था। इन्क्वायरी रिपोर्ट के मुताबिक कार्यवाही की गई।

श्री सतबीर सिंह कादियान : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके नोटिस में लाना चाहूंगा कि विद्यार्थी ने स्टे कुरुक्षेत्र से लिया और दाखिला मुरथल में लिया। क्या यह दाखिला डी० सी० साहब के प्रभाव की वजह से नहीं हुआ, क्योंकि वह डी०सी० की लड़की है और वह डी०सी० कुरुक्षेत्र में थे, अब भी वही हैं ? क्या यह उनके प्रभाव का इस्तेमाल करके गलत तरीके से दाखिला नहीं हुआ, आपका इस बारे में क्या विचार है ?

श्री अध्यक्ष : यह कोर्ट की बात है इसलिए no question can be asked about the functioning of a court.

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से एक बात अर्ज करना चाहता हूं। माननीय सदस्य को ज्ञान होना चाहिए कि हम यहीं तक नहीं रहे, हम सीनियर सब जज की अदालत के फैसले के खिलाफ सैशन जज की कोर्ट में गए। सैशन जज ने भी यही कहा कि नहीं, यह दाखिला होना चाहिए। अगर हमने इस कंडीडेट को रियायत देनी होती तो फिर अपील में क्यों जाते।

Shashtris qualified from U.P. and Bihar

*1006. **Shrimati Chandrawati** : Will the Minister for Education be pleased to state the number of Shashtris who qualified from Ayodhya (U.P.) and Bihar appointed in Haryana State during the period from 1980 todate togetherwith the names and addresses of the institutions from where they have studied in the State before getting admission in the said course ?

श्री अध्यक्ष : इस सवाल के लिए एक्सटेंशन मांगी गई है।

श्रीमती चन्द्रावती : अध्यक्ष महोदय, मेरी प्रार्थना है कि यह सवाल बहुत ही जरूरी है। इस लिए मेरा अनुरोध है कि इसका जवाब इसी सैशन में आ जाना चाहिए क्योंकि यहां पर बिना पढ़े, बैठे-बैठे ही कई व्यक्ति प्रिंसिपल तक बन जाते हैं, ये लोग गलत तरीके से सर्टीफिकेट हासिल करके योग्य बच्चों का भविष्य खराब कर रहे हैं जबकि सरकार ने इनकी रिकोग्नाइजेशन बंद की हुई है, इसके बावजूद भी ये बैक डेट में, 5 से 10 हजार रुपये के बीच पैसे देकर झूठा सर्टीफिकेट बिहार या आयोध्या आदि जगहों से लाकर दे देते हैं। इस लिए मेरी सरकार से मांग है कि इस सवाल के जवाब के लिए सरकार को चाहे कितनी भी मेहनत करनी पड़े, इस सैशन में जरूर जवाब दे, सरकार की बड़ी मेहरबानी होगी।

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, बहन जी की बात को ध्यान में रखते हुए हम कोशिश करेंगे कि इस सवाल का जवाब इसी सैशन में आए।

श्री अध्यक्ष : इस सवाल के लिए जो ऐक्सटैंशन मांगी गई है वह इस प्रकार से है—

*अन्तरिम उत्तर

"8/12/95-शि-iii (8)

अ०स०प०क्र०—————

फूल चन्द मुलाना

शिक्षा मन्त्री,
हरियाणा, चण्डीगढ़।
दिनांक 6-3-1995

विषय :—तारांकित विधान सभा प्रश्न नं० 1006 जो दिनांक 7-3-1995 को उत्तर देने के लिए लगा है।

आदरणीय श्री ईश्वर सिंह जी,

उपरोक्त वर्णित तारांकित प्रश्न नं0 1006 शिक्षा विभाग में नियुक्त किये गये शास्त्रियों की 1980 से लेकर अब तक की संख्या जिन्होंने अयोध्या (यू०पी०) तथा बिहार से डिग्री प्राप्त की हो, के बारे में विस्तृत सूचना उपलब्ध करवाने से सम्बन्धित है। यह सूचना सरकार के स्तर पर उपलब्ध नहीं है तथा इसे एकत्रित करने में काफी समय एवं श्रम लगेगा। सरकार को यह सूचना राज्य के सभी जिलों से प्राप्त करने में लगभग 15 दिन का समय लग जायेगा। इन परिस्थितियों में इस प्रश्न का उत्तर दिनांक 7-3-1995 को दिया जाना संभव नहीं है अतः मेरा आपसे अनुरोध है कि इस प्रश्न का उत्तर देने के लिये सरकार को 15 दिन का समय देने की कृपा करें।

सधन्यवाद।

भवदीय
(फूल चन्द मुलाना)

श्री ईश्वर सिंह, अध्यक्ष,
हरियाणा विधान सभा,
चण्डीगढ़।"

---

*Final Reply appears as Annexure 'A' to this debate.

Bridge in Pundri Drain

*1013. **Shri Bharath Singh** : Will the Minister for Irrigation be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the the Government to construct another bridge on Pundri Drain for full out-letting of water in village Kharak Pandwan ; and

(b) if so, the time by which the aforesaid proposal is likely to be materialised ?

Irrigation Minister (Chaudhri Jagdish Nehra) :

(a) Yes. There is a proposal for converting existing pipe crossing into a slab bridge on Pundri drain near village Kharak Pandwan.

(b) The work will be taken up on availability of funds.

भरत सिंह : अध्यक्ष महोदय, मन्त्री जी ने जवाब में कहा है कि पैसे मिलने पर इस पुल को बना देंगे। मैं आपके माध्यम से माननीय मन्त्री जी से यह जानना चाहूंगा कि इस पुल को बनाने के लिए पैसा कब तक उपलब्ध हो जाएगा, क्या इस बारे में मन्त्री जी कोई आश्वासन देंगे ? अध्यक्ष महोदय, यह पुल बहुत ही मेन पुल है जो हिसार चण्डीगढ़ रोड पर बनना है। इस पुल के न बनने से लोगों को बहुत ही दिक्कत है। रोड पर पाईप दबे हुए हैं सिर्फ पुल बनाने की जरूरत है। क्या मंत्री जी कोई आश्वासन देंगे कि यह पुल कब तक बन जाएगा ?

चौधरी जगदीश नेहरा : अध्यक्ष महोदय, यह बात ठीक है कि यहां पर पुल बनना चाहिए। 19 पाईप दबे हुए हैं। जितनी कैपेसिटी ड्रेन नं0 2 की है, उतना पानी पास औन होता है। 495 क्यूसिक की इसकी कैपेसिटी है और इसमें कोई दिक्कत नहीं होती। जब मेन नाले सिरसा में फ्लड आ जाता है तो कुछ दिक्कत होती है वैसे कोई खास बात नहीं है। अध्यक्ष महोदय, अगर इस साल फण्ड्ज अवेलेबल हुए तो इस पुल को जरूर बनवा देंगे।

श्री भरत सिंह : अध्यक्ष महोदय फलड का पानी पाईपों से निकल नहीं पाता जिस कारण काफी दिक्कत होती है। इसके अतिरिक्त पानी की निकासी भी नहीं है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मन्त्री जी से यह आश्वासन चाहूंगा कि यह पुल कब तक बनवा देंगे ?

चौधरी जगदीश नेहरा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि 19 पाईप 3 फुट डायामीटर के हैं और कैपेसिटी के मुताबिक ठीक हैं, इनमें कोई दिक्कत नहीं है। यह पुल बनाया जाना चाहिए, इसमें कोई शक नहीं है, लेकिन पैसे की प्राबलम है। वर्ष 1995-96 में फण्ड्ज अवेलेबल करवाने की कोशिश करेंगे।

उदय सिंह : अध्यक्ष महोदय मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से आश्वासन चाहूंगा कि कब तक इसको बनवा देंगे ।

चौधरी जगदीश नेहरा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि वर्ष 1995-96 के बजट में कोशिश करेंगे कि पैसे का प्रावधान हो जाए । (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : इसके अतिरिक्त क्या और पुल बनाने की भी जरूरत है, क्या पुण्डरी ब्रांच पर और अतिरिक्त पुल बनाने के बारे में विचार करेंगे ?

चौधरी जगदीश नेहरा : अध्यक्ष महोदय, यह पुण्डरी ड्रेन नं० I की बात है । जहां तक पुण्डरी ड्रेन II का सवाल है, एक दो जगहें ऐसी हैं जहां लोकल ऐरियाज़ हैं और एक गांव से दूसरे गांव तक जाने का रास्ता है, बीच में कोई दिक्कत वाली बात नहीं है । मेन रोड पर कुछ दिक्कत है, वह दिक्कत इसलिए है कि वहां पर नजदीक ही आउट फाल है । जहां पर आपने बताया है, वहां भी पुल बनाने की कोशिश करेंगे ।

तारांकित प्रश्न संख्या 1011

(यह प्रश्न पूछा नहीं गया क्योंकि इस समय माननीय सदस्य, चौधरी ओम प्रकाश बेरी, सदन में उपस्थित नहीं थे ।)

Evasion of Sales Tax

***1032. Shri Ram Bhajan Aggarwal,** Will the Minister for Excise and Taxation be pleased to state—

(a) whether the Excise and Taxation Department has made any assessment in regard to evasion of Sales Tax during the years 1991-92, 1992-93, 1993-94 and 1994-95 to-date in the State; if so, the yearwise estimated amount thereof; and

(b) the steps taken or proposed to be taken by the Government to check the evasion of Sales Tax ?

Excise and Taxation Minister (Shri Jai Parkash) :

(a) and (b): No Sir, the department has not conducted any study for estimating the evasion of sales tax. The department is, however, taking the following steps to check the evasion of sales tax—

(i) Checking of goods in transit by the enforcement wing.

(ii) Collection of data from external and internal sources e.g. Railways, Transport companies, market committees, Income Tax Department, Central Excise Department, Banks, Assessment files etc. and verification of data so collected with the accounts of the dealers.

(iii) Inspection of business premises.

(iv) Monitoring of turnover and tax payment by dealers.

श्री राम भजन अग्रवाल : अध्यक्ष महोदय, मन्त्री जी के पास बहुत बड़ा डिपार्टमैंट है । अगर ये उससे टैक्स इवेजन स्टडी करवाते तो इनको पता चलता कि कहां-कहां पर मद में टैक्स की चोरी होती है और उसका कोई उपाय करते ताकि सरकार को रैवेन्यू की प्राप्ति होती ?

दूसरे पिछले 3-4 साल में सेल्ज टैक्स की कितनी टर्न-ओवर बढ़ी है; अगर टर्न-ओवर बढ़ी है तो क्या टैक्स रिकवरी भी उसी तरह से बढ़ी है ?

तीसरे, क्या मंत्री जी भी बताने की कृपा करेंगे कि इन्होंने ऐसे कौन-कौन से तरीके अपनाए हैं जिससे व्यापारियों को सुविधा मिले और सरकार का रैवेन्यु भी बढ़े ?

श्री जय प्रकाश : अध्यक्ष महोदय, जो कुछ भी माननीय सदस्य ने जानना चाहा है, मैं उस बारे में बताना चाहूंगा कि हर वर्ष हमारी इन्कम बढ़ती जा रही है । एक अप्रैल से हमारी सरकार ने बैरियर एबोलिश कर दिए थे । अध्यक्ष महोदय, पिछले साल के मुकाबले में इस साल हमारी 17.91% इन्कम बढ़ी है । आबकारी में पिछले साल 345.51 के मुकाबले में इस साल 405.95 करोड़ रुपए आमदनी हुई है । इस हिसाब से इस वर्ष 60.43% आमदनी बढ़ पाई है । बिक्री कर में आमदनी पिछले साल 425.68 थी और इस साल 490.89 हो पाई है, यह आमदनी 65.23% ही बढ़ पाई है केन्द्रीय बिक्री कर की पिछले साल आमदनी 193.68 थी, इस साल 235.46 हुई है और यह 48 लाख ब पाई है । यात्री और माल कर में पिछले साल 131.15 के मुकाबले इस साल 161.19 आमदनी हुई और यह 30 लाख बढ़ौतरी हुई है । प्रौढ़ और मनोरंजन कर कुल योग पिछले साल 7.80 था इस वर्ष 8.07 हो पाया है । अध्यक्ष महोदय, हम पूरी कोशिश करते हैं कि मौनीटरिंग करके आमदनी को बढ़ाएं । हमने स्टेट लेवल पर चार मौनीटरिंग सैल बनाए हुए हैं और 17 डिस्ट्रिक्ट लैवल पर मौनीटरिंग सैल हैं जो कि समय-समय पर वाच करते रहते हैं । हम भी समय-समय पर देखते रहते हैं । एक और बात माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि हमारी सरकार इस एक अप्रैल से नए सैल चला रही है । सरकार द्वारा बैरियर्ज को एबोलिश करने पर टैक्स पेयर ने जो विश्वास व्यक्त किया था वह उन्होंने पूरा किया है जिसके कारण 17.91% हमारे टैक्स में बढ़ौतरी हुई है ।

श्री अध्यक्ष : गुप्ता जी, सेलज टैक्स के सम्बन्ध में आपकी म्युनीसिपल कमेटी में क्या चैकिंग है।

श्री जय प्रकाश : सर म्युनीसिपल कमेटी में चुंगियों पर जो उनका रिकार्ड होता है उसको लेकर उनके खातों से मिलाते हैं। अगर कोई अनियमितताएं पाई जाती हैं तो उनको सजा दी जाती है।

श्री राम भजन अग्रवाल : अध्यक्ष महोदय, जब व्यापारियों ने सरकार को कोपरेट किया है तो क्या सरकार व्यापारियों की सुविधा के लिए टैक्स का कुछ और सरलीकरण करने जा रही है।

श्री जय प्रकाश : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि हमारी सरकार का व्यापारियों के प्रति सदा नर्म रवैया रहा है। व्यापारियों ने बड़ी उदारता से हमें सहयोग दिया है और सरकार का रेवेन्यू बढ़ाया है। आप नए बजट में देखेंगे कि हम व्यापारियों को कितनी नई सुविधाएं देने जा रहे हैं।

प्रो० छतरपाल सिंह चौहान : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने बताया है कि टैक्स के नाके हटाने से सरकार की आमदनी बढ़ी है, यह बहुत अच्छी बात है। व्यापारियों ने भी इन पर विश्वास व्यक्त किया है। लेकिन क्या यह महसूस नहीं करते कि इन नाकों को हटाने के बाद ऐक्साइज एण्ड टैक्सेशन डिपार्टमैंट के ऐस्टेबलिशमैंट को क्यों न कम कर दिया जाए। क्या इन्होंने इन नाकों को हटाने के बाद इस डिपार्टमैंट का एस्टेबलिशमैंट कम किया है और अगर नहीं किया है तो इन्होंने वे इम्पलाईज कहां पर लगाएं हुए हैं। क्या ये इस बारे में सोचेंगे ? क्या आपका डिपार्टमैंट नाकाबिल है क्योंकि जब नाके होते थे तो आपकी आमदनी कम होती थी और अब उन्हें हटाने से आपकी आमदनी बढ़ गई है।

श्री जय प्रकाश : स्पीकर साहब, मैं माननीय सदस्य को यह बताना चाहूंगा कि हमारे जो भी अधिकारी व कर्मचारी हैं वे बहुत ही निपुणता और मेहनत से कार्य कर रहे हैं। इसी का आज यह रिजल्ट है कि व्यापारी, अधिकारी और कर्मचारी मिलकर आज हमें काफी रेवेन्यू दे रहे हैं।

प्रो० छतरपाल सिंह चौहान : स्पीकर सर, जब इनके कर्मचारी और अधिकारी नाकों पर कन्ट्रोल करते थे तब तो इनकी आमदनी कम होती थी और जब इन्होंने ये नाके खत्म कर दिए तो इनकी आमदनी बढ़ गई तो फिर इनके विभाग की निपुणता और ऐफीशिएंसी कैसे बढ़ गई? इन फालतू कर्मचारियों को तनख्वाह देने की क्या जरूरत है इसका मतलब तो पहले यह आमदनी जेबों में जाती थी।

श्री जय प्रकाश : अध्यक्ष महोदय, मैं इनको बताना चाहूंगा, वैसे यह स्वयं भी प्रोफेसर हैं, हमारी हरियाणा सरकार चौधरी भजन लाल जी के नेतृत्व में अच्छा काम

कर रही है। अब कृषि उपज बहुत बढ़ी है और कृषि उपज बढ़ने के फलस्वरूप हमारी यह इंकम भी इंक्रीज हुई है।

प्रो0 छतरपाल सिंह चौहान : आप इसमें कृषि उपज को क्यों ले रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं यह सवाल पूछना चाहता हूं कि जब इनके नाके थे तब तो इनकी आमदनी कम होती थी और जब इन्होंने यह नाके हटा दिए तब इनकी आमदनी ज्यादा हो गई तो इसका क्या कारण है ? कहीं इसका मतलब यह तो नहीं है कि इनके ओफिसर्ज करप्ट थे। आपको व्यापारियों को सुविधा देनी चाहिए। इंसपैक्टरी राज खत्म करना चाहिए। आपके इंसपैक्टर गड़बड़ कर रहे हैं। व्यापारियों ने आप पर विश्वास व्यक्त किया है तो क्या सरकार व्यापारियों को इंस्पैक्टरी राज से मुक्ति दिलाएगी ?

श्री जय प्रकाश : अध्यक्ष महोदय, मैं इनको बताना चाहूंगा कि इन्होंने जो बात उठाई है कि पहले नाके लगाए हुए थे उनसे इन्कम कम हुई थी और उनको हटाने से इन्कम बढ़ गयी। अध्यक्ष महोदय, आपको भली-भांति मालूम है कि हमारी स्टेट में व्यापार बहुत बढ़ गया है। व्यापार बढ़ने पर व्यापारियों ने हमसे कहा कि नाकों से हमें असुविधा हो रही है इसलिए हमने वे नाके हटा दिए। अब अधिकारियों, कर्मचारियों एवं व्यापारियों ने तालमेल करके हमें काफी टैक्स दिया है।

श्री धीरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि पिछले महीने में जो रोहतक में सेल्ज टैक्स के कर्मचारियों ने एक ट्रक को पकड़ा था तो उसकी बिल्टियां उचित थीं उनकी दूरभाष दिल्ली से इंक्वायरी भी हुई लेकिन उसके बाद भी वे बिल्टियां उचित पाई गईं लेकिन उनका सौदा दस हजार रुपए के लेन देन में बातचीत से हुआ। व्यापार मंडल के सभी साथी वहां से रोहतक गए और उन्होंने डी0 ई0 टी0 सी0 रोहतक को सभी प्रूफ दिखाए। जबकि हमारे मन्त्री जी कह रहे हैं कि व्यापारियों ने आभार व्यक्त किया है एक तरफ तो यह कह रहे हैं कि आभार व्यक्त किया है और दूसरी तरफ इनके अधिकारी व्यापारियों की इस ढंग से बेइज्जती करने पर लगे हुए हैं। उनकी बिल्टियों को कागजों को गलत बताकर उन्हें परेशान किया जा रहा है। क्या यह बात इनके नोटिस में आई है तो क्या इस मामले की कोई इंक्वायरी हुई और उनको क्या सजा दी गयी ?

श्री जय प्रकाश : स्पीकर सर, मैं इनको बताना चाहूंगा कि इन्होंने जो यह जानना चाहा है कि रोहतक में व्यापारियों को तंग किया गया और क्या यह बात मेरे नोटिस में है। सर इस समय तो मैं यह बात इनको नहीं बता सकता लेकिन मैं बकायदा डी0 ई0 टी0 सी0 रोहतक से मामले की पूछताछ करके इनको लिखित रूप में भेज दूंगा।

Mr. Speaker : Hon'ble Members Questions Hour is over.

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर

TARIFF RATES OF ELECTRICITY

*1036 **Prof Sampat Singh** : Will the Minister for power be pleased to state—

(a) the tariff rates for supplying electricity to the domestic, non-domesiic, agricultural and Industrial Sectors in the State on 31st Jauuary, 1991, 31st January, 1992, 31st January, 1993, 31st January, 1994 and at present;

(a) the date on which the scheme of MMC was introduced for supplying electricity to the domestic, non-domestice and agricultural Sector together with the rates of MMC (Metered supply) for the above said Sectors as on 31st March, 1991, 31st March, 1992, 31st March, 1993, 31st March, 1994 and at present; and

(c) the date on which the fuel surcharge scheme was introduced on domestic supply and for how many times it had been levied on domestic supply togetherwith the rate per unit till today ?

Power Minister (Shri Verender Singh) : A statement is laid on the table of the house.

STATEMENT

(a) The electricity tariff rates applicable on the dates mentioned in the question were as follows :

Sr. No.	Category	Rates per unit in paise plus Fuel Surcharge applicable												At present (w.e.f. 28-12-94)
		As on 31-1-91			As on 31-1-92			As on 31-1-93			As on 31-1-94			
		Tariff	F.S.*	Total	Tariff	F.S*	Total	Triff	F.S.*	Total	Tariff	F.S.*	Total	
1.	Domestic Supply	Ist 40 units	65	—	65	65	—	65	65	—	65	65	9	74	Ist 40 unit 90P+Nil=90P Above 40 Units 200P+Nil =200 Ps
		Next 60 units	75	—	75	75	—	75	90	—	90	90	9	99	
		Next 100 units	95	—	95	95	—	95	115	—	115	115	9	124	
		Above 200 units	125	—	125	125	—	125	150	—	150	150	9	159	
2.	Non-Domestic Supply	Ist 30 units	104	42	146	104	53	157	104	61	165	104	75	179	For all units- 240 Ps+Nil =240 Ps.
		Next 50 units	112	42	154	112	53	165	112	61	173	112	75	187	
		Above 80 units	120	42	162	120	53	173	120	61	181	120	75	195	
3.	Agricultural Supply	(i) Metered	30P/unit+Rs. 4/- per BHP/PM			30P/unit+Rs.4/- per BHP/PM			50P/unit+Rs. 4/- per BHP/PM			50P/unit			50P/unit
		(ii) Flat Rate Supply	Rs. 25/-+Rs. 4/- per BHP/PM			Rs. 25/-+Rs. 4/- per BHP/PM			Rs. 35/-+Rs. 4/- per BHP PM			Rs. 50/- per BHP/PM			Rs. 65/- per BHP/PM
4.	Industrial Supply	(i) L.T. Indl. Supply (upto 70KW)	80	42	122 Subject to a minimum of Rs. 20/-per KW/PM	80	53	133 Subject to a minimum of Rs.20/-per KW/PM	90	61	151 Subject to a minimum of Rs. 40/- per KW/PM	90	75	165 Subject to a minimum of Rs. 40/- per KW/PM	240P+Nil=240 P/ Unit Subject to a minimum of Rs. 50/- per KW/PM
		(ii) H.T. Indl. Supply (Above 70KW)	100	42	142 Subject to a minimum of Rs. 25/- per KVA/PM	100	53	153 Subject to a minimum of Rs. 25/- per KVA/PM	110	61	171 Subject to a minimum of Rs. 50/- per KVA/PM	110	75	185 Subject to a minimum of Rs. 50/- per KVA/PM	240P+Nil=240P/ unit Subject to a minimum of Rs. 60/- per KVA/PM

*F.S. =Fuel Surcharge.

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर (2) 23

[Shri Verender Singh]

(b) The scheme of monthly minimum charges is applicable for domestic & Non-domestic consumers since inception of the State and for metered. Agricultural Power, it was introduced with effect from 1-11-93. The applicable rates on the referred dates were as follows :—

Sr. No.	Category		As on 31-1-91	As on 31-1-92	As on 31-1-93		As on 31-1-94		At present
1	2		3	4	5		6		7
1.	Domestic Supply	(i)	Rural=Rs. 10/- per connection	Not revised	Not revised	(i)	Upto 1 KW=Rs. 20/-		Not revised
		(ii)	Urban=Rs. 20/- per connection			(ii)	Above 1 KW but upto 10 KW	Rs. 20/- plus Rs. 10/- for every addl. KW or part thereof in excess of 1 KW	
						(iii)	Above 10 KW	=Rs. 110/- plus Rs. 15/- for every addl. KW or part there of in excess of 10 KW	
2.	Non-Domestic Supply	(i)	Upto 1 KW	Not revised	Not revised	(i)	Upto 1 KW	= Rs. 50/-	
		(a)	Rural Rs. 15/-			(ii)	Above 1 KW but upto 20 KW	=Rs. 50/-plus =Rs. 40/- per KW or part there of in excess of 1 KW	
		(b)	Urban Rs. 25/-						
						(iii)	Above 20 KW	= Rs. 810/- plus Rs. 50/- per KW and part thereof in excess of 20 KW	Not revised
		(ii)	Above 1 KW						
		(a)	Rural Rs. 25/-						
		(b)	Urban Rs/- 50/-						

1	2	3	4	5	6	7
3.	Agricultural Supply					
	Metered Supply	No. M.M.C.	No. M.M.C.	No. M.M.C.	(i) Upto 26 BHP = Rs. 384/- per BHP/P.A.	Not revised
					(ii) Above 26 BHP = Rs. 480/- per BHP/P.A. (w.e.f. 1.11.93)	
					(i) Upto 26 BHP = Rs. 540/- per BHP/P.A.	
					(ii) Above 26 BHP = Rs. 600/- per BHP/P.A.	
					(iii) For MITC Tubewells Rs. 840/- per BHP/P.A. (w.e.f. 1.1.94)	

Abbreviations :

PM = Per Month

BHP = Brake Horse Power

MMC = Monthly Minimum Charges

KW = Kilowatt

KVA = Kilovoltampere

PA = Per Annum

[Shri Verender Singh]

(c) The fuel surcharge on domestic sector was made applicabe with effect from 11-11-1993. The rates of fuel surcharge applicable from time to time are as follows :—

Date	Date of fuel surcharge on Domestic sector
11.11.93	8 Paise/unit
29.1.94	9 Paise/unit
1.4.94	15 Paise/unit
16.6.94	17 Paise/unit
with effect from 28.12.94	Nil (It has been merged with tariff)

Opening of District Transport Office

*1031 **Shri Amir Chand Makkar** : Will the Minister of State for Transport be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to set up the offices of the District Transport Officer in the Transport Department on the pattern of Punjab, Rajasthan and Uttar Pardesh; and

(b) if so, the time by which the said offices are likely to be set up ?

परिवहन राज्य मन्त्री : (श्री बलबीर पाल साहू)

(क) जी नहीं।

(ख) प्रश्न ही नहीं उठता।

Sale of the Land of Government Live-Stock, Farm Hisar

*1098 **Dr Ram Parkash** : Will the Minister of State for Animal Husbandry be pleased to state whether any land of Government Live-Stock Farm Hisar has been sold during the last five years; if the date on which it was sold together with the area of land and rate at which it was sold ?

पशु पालन राज्य मन्त्री (राव धर्मपाल) : जी हां ।

विवरण निम्न प्रकार है :—

क्रमांक	वर्ष	बेची गई भूमि का क्षेत्रफल			कीमत प्रति एकड़ (रुपयों में)	तारीख
		एकड़	कनाल	मरला		
1.	1990–91	2	5	2	5,00,000/-	6-6-90
2.	1991–92	0	2	19	1,00,000/-	9-9-91
3.	1991–92	275	4	0	3,00,000/-	19-12-91
4.	1992–93	52	1	0	निशुल्क	15-12-92
5.	1992-93	55	5	16	निशुल्क	15-12-93
6.	1993–94	100	7	2	निशुल्क	5-7-93
7.	1993-94	0	6	0	19,36,000/-	20-7-93
8.	1994-95	0	0	18	400/-रु0प्रति वर्ग गज	12-10-94
	योग	488	0	17		

पशुपालन विभाग हिसार में भिन्न-भिन्न क्षेत्रों के पास वर्तमान भूमि का विवरण निम्न प्रकार से है :

		भूमि एकड़ों में
1.	राजकीय पशुधन फार्म हिसार क्षेत्र–I	3288
2.	राजकीय पशुधन फार्म हिसार क्षेत्र–II	2454
3.	राज्य पशु प्रजनन परियोजना हिसार III	1787
4.	राज्य चारा बीज फार्म हिसार	718
	योग	8247

पांच वर्ष पहले (1989–90) इन संस्थाओं के पास भूमि निम्न प्रकार थी :—

क्षेत्र–I	3775
क्षेत्र–II	2454
क्षेत्र–III	1787
बीज फार्म	718
योग :	8734

[राव धर्मपाल]

जो भूमि पिछले पांच वर्षों में भिन्न-भिन्न संस्थाओं/व्यक्तियों को दी गई उसका विवरण निम्न प्रकार है:—

क0 सं0	संस्था/व्यक्ति का नाम	जितनी भूमि बेची/स्थानान्तरित की गई	दर प्रति एकड़	कुल राशि	सरकार की स्वीकृति क्रमांक तथा दिनांक
1.	नगरपालिका हिसार को अग्नि शामन केन्द्र की स्थापना हेतू ।	2-5-2	500000/-	1318750/-	2405-ए एच-I 90/4053 दिनांक 6-6-90
2.	श्री चन्द्रमोहन सुपुत्र श्री भजन लाल हिसार	0-2-19	100000/-	36875/-	6277-ए एच I-9/8600 दिनांक 9-9-91

यह भूमि का टुकड़ा (2 कनाल 19 मरले) राजनैतिक पीड़ितों को बेची गई भूमि के तथा हिसार सिरसा हाईवे के बीच वाकया है।

इस टुकड़े के तीसरे तरफ सुदर्शन आयल मिल की भूमि वाकया है । इस प्रकार यह भूमि चारों तरफ से प्राईवेट व्यक्तियों की मलकियत से घिरी हुई है। इस पर फार्म की कृषि सम्भव नहीं थी । अत: इस टुकड़े को फार्म के प्रयोग में नहीं लाया जा सकता था । इसलिये सरकार के आदेशानुसार इसे श्री चन्द्रमोहन को बेच दिया गया। भूमि की कीमत उपायुक्त हिसार की सिफारिश के अनुसार लगाई गई थी ।

3.	हुडडा को सैक्टर—14 की स्थापना के लिए	275-4-0	300000/-	82650000	2588 एएच-I-91/1972 दिनांक 10-4-91 व 9547 ए एच-I-91/13548 दिनांक 19-12-91
4.	पर्यटन विभाग को पर्यटक स्थल की स्थापना	52-1-0	मुफ्त	—	10436-एएच-I 92/15005 दिनांक 15-12-92

5.	पंचायत एवं विकास विभाग को आदर्श पशु मेला मैदान हेतू	55-5-16	मुफ्त	—	10436-ए एच-I 92/15005 दिनांक 15-12-92
6.	कुरुक्षेत्र विश्व-विद्यालय को क्षेत्रीय केन्द्र की स्थापना हेतू	100-7-2	मुफ्त	—	5509-ए एच-I-93/7556 दिनांक 5-7-93
7.	भारतीय मौसम विभाग की मौसम कार्यालय की स्थापना के लिये	0-6-0	19,36,000/- प्रति एकड़	14,52000/-	5509-पप-I-93/8547 दिनांक 20-7-93
8.	नगरपालिका हिसार को वेट-ब्रिज लगाने हेतू	0-0-18	400/- रुपये प्रतिवर्गगज	—	8420-पप-5-94/10060 दिनांक 12-10-94
	कुल	488-0-17			

यह समस्त भूमि क्षेत्र –I राजकीय पशुधन फार्म, हिसार से बेची गई है।

अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर

Sale of Molasses

223 **Dr. Ram Parkash,** : Will the Minister for Cooperation be pleased to state—

(a) the year-wise names of those persons/agencies/factories to whom the molasses has been sold by the various Co-operative Sugar Mills of Haryana during the period from April, 1987 to 31st March, 1994.

(b) the year-wise quantity of molasses sold to the persons/agencies/factories as referred to in part (a) above during the said period, separately ?

सहकारिता मन्त्री (श्रीमती शकुन्तला भगवाड़िया) :

(क) तथा (ख) } मांगी गई @ सूचना संलग्न है।

@ Statement relating to this question is kept in the Library.

Laying of sewerage system at Thanesar/Kurukshetra City

224 **Dr. Ram Parkash :** Will the Minister for Public Health, be pleased to state—

(a) whether there is any scheme under consideration of the Government to lay sewerage system in Shanti Nagar, Didar Nagar, Gandhi Nagar, Kirti Nagar and Fauze Colonies of Thanesar/Kurukshetra City ; and

(b) if so, the time by which the said scheme is likely to be implemented ?

जन स्वास्थ्य मन्त्री (श्रीमती शान्ति देवी राठी) :

(क) हां।

शान्ति नगर तथा कीर्ति नगर की स्वीकृत कलोनियों में मल निकास योजनाओं का प्रस्ताव विचाराधीन है। थानेसर कुरुक्षेत्र को दीदार नगर, गांधी नगर और फौजी कलोनियां अस्वीकृत कलोनियों में मल निकास की सुविधा प्रदान करने का अभी कोई प्रस्ताव नहीं है।

(ख) शान्ति नगर और कीर्ति नगर में 49.00 लाख रुपये और 12.00 लाख रुपये क्रमश: के मल निकास योजना के अनुमान निरीक्षण अधीन है और धन राशि के उपलब्ध होने पर जितनी जल्दी सम्भव होगा, इन योजनाओं को कार्यान्वित कर दिया जायेगा।

Installation of tubewells

221 **Dr. Ram Parkash :** Will the Minister for Public Health be pleased to state—

(a) the blockwise total number of tubewells for the supply of drinking water in the State at present; and

(b) the number of tubewells installed during the period from Ist April, 1991 to-date out of those as referred to in part (a) above ?

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्रीमती शान्ति देवी राठी):

(क) तथा (ख) विवरणी सदन के पटल पर प्रस्तुत है–

विवरणी

क्रमांक	खण्ड (ब्लाक) का नाम	(क) पीने के पानी के लिये कुल नलकूप लगाये गये।	(ख) अप्रैल 1991 से अब तक के समय में कुल लगाये गये नलकूपों की संख्या।
1	2	3	4
जिला अम्बाला			
1.	पिंजौर	26	9
2.	बरवाला	13	3
3.	मोरनी	—	—
4.	नारायणगढ़	42	13
5.	रायपुर रानी	30	11
6.	सढ़ौरा	23	6
7.	अम्बाला	94	39
8.	बराड़ा	62	15
		290	96
जिला भिवानी			
1.	बाढड़ा	38	6
2.	लोहारु	43	9
3.	दादरी	10	—
		91	15
जिला फरीदाबाद			
1.	फरीदाबाद	27	9
2.	बल्लबगढ़	39	14
3.	पलवल	74	22
4.	हथीन	58	25
5.	होडल	73	19
		271	89

[श्रीमती शान्ति देवी राठी]

1	2	3	4
जिला गुड़गांवा			
1.	गुड़गांवा	117	24
2.	सोहना	77	14
3.	पटौदी	77	36
4.	फरीदाबाद	54	25
5.	नूंह	47	14
6.	नगीना	84	7
7.	पुन्हाना	40	11
8.	तावरू	62	8
9.	फिरोजपुर झिरका	38	12
		546	151
जिला हिसार			
1.	टोहाना	12	—
2.	नारनौन्द	4	—
3.	फतेहाबाद	4	—
4.	रतिया	32	5
		52	5
जिला जींद			
1.	जींद	34	7
2.	जुलाना	6	1
3.	अलेवा	4	1
4.	पिल्लू खेड़ा	2	—
5.	सफीदों	16	3
6.	नरवाना	15	5
		77	17

1	2	3	4
जिला करनाल			
1.	करनाल	76	8
2.	इन्द्री	40	10
3.	घरौण्डा	54	8
4.	निसिंग	26	11
5.	असन्ध	25	8
6.	नीलोखेड़ी	39	3
		260	48
जिला कैथल			
1.	कैथल	36	6
2.	गुहला	48	6
3.	पुण्डरी	33	16
4.	राजौन्द	6	1
5.	कलायत	1	—
		124	29
जिला कुरुक्षेत्र			
1.	थानेसर	57	18
2.	लाडवा	31	4
3.	पेहवा	59	5
4	शाहबाद	44	16
		191	43
जिला महेन्द्रगढ़			
1.	नारनौल	34	3
2.	अटेली	21	2
3.	नगल चौधरी	26	4
4.	महेन्द्रगढ़	64	2
5.	कनीना	3	2
		148	13
जिला पानीपत			
1.	पानीपत	69	26
2.	संभालखा	41	6
3.	मडलौडा	3	3
4.	नौल्था	11	—
		124	35

[श्रीमती शान्ति देवी राठी]

1	2	3	4
जिला	रिवाड़ी		
1.	रिवाड़ी	33	11
2.	जाटूसाना	17	9
3.	बावल	44	2
4.	खोल	7	4
5.	नाहड़	6	—
		107	26
जिला	रोहतक		
1.	बेरी	1	—
2.	झज्जर	12	1
3.	सालावास	12	2
4.	मातन हेल	9	1
5.	बहादुरगढ़	4	2
		38	6
जिला	सिरसा		
1.	सिरसा	30	8
2.	बाडागुडा	20	1
3.	ऐलनाबाद	15	6
4.	दानीला	15	8
5.	नाथुसरी	1	1
		81	24
जिला	सोनीपत		
1.	सोनीपत	20	8
2.	राई	27	9
3.	गन्नौर	30	10
4.	खरखौदा	1	1
5.	गोहाना	12	4
6.	मुंडलाना	1	1
7.	नाथुरा	3	1
		94	34

1	2	3	4
जिला यमुनानगर			
1.	जगाधरी	96	10
2.	रादौर	31	1
3.	छछरौली	35	8
4.	बिलासपुर	40	8
		202	27
	कुल योग	2696	658

Opening of a Polytechnic at Village Umari

222. Dr.Ram Parkash :Will the Minister for Technical Education be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to open a polytechnic in Village, Umari, district. Kurukshetra ; and

(b) if so, the time by which aforesaid proposal is likely to be materialized ?

तकनीकी शिक्षा मन्त्री (राव इन्द्रजीत सिंह) :

(क) जी, हां।

(ख) राज्य की वित्तीय स्थिति वारे विवशता के कारण इस सम्बन्ध में निश्चित समय अवधि बताना सम्भव नहीं है।

Auction of Plots for Loha & Lakkar Mandi Bhiwani

226. Shri Ram Bhajan Aggarwal : Will the Minister for Local Government be pleased to state—

(a) whether any plots for Loha & Lakkar Mandi, Bhiwani have been auctioned by the Mandi Township, Haryana during the year 1977-78 and 1978-79; if so, the number thereof together-with the names & addresses of the allottees;

(b) whether possession of the plots as referred to in part (a) above was given to the allottees; and

(c) whether any plots remained unauctioned; if so, the number thereof ?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल) :

(क) वर्ष 1977–78 तथा 1978–79 के दौरान लोहा तथा लक्कड़ मण्डी भिवानी में कोई प्लाट नीलामी द्वारा नहीं बेचा गया है।

(ख) चूंकि उक्त वर्णन समय के दौरान कोई प्लाट नीलाम नहीं किया गया है, इसलिए कब्जा देने का प्रश्न ही उत्पन्न नहीं होता है।

(ग) भिवानी में लोहा तथा लक्कड़ मण्डी में नीलामी के लिए निम्नलिखित प्लाटस उपलब्ध/खाली हैं :—

लोहा तथा स्टील शाप 15′ × 150′ :

14, 15, 15–ए, 16, 16–ए, 17, 17–ए, 18, 18–ए, 19, 19–ए, 20, 20–ए, 21, 21–ए, 22, 22–ए, 23, 23–ए, 24, 24–ए, 25, 25–ए, 26, 26–ए, 27, 27–ए, 28, 28–ए,

टिम्बर शाप : 30′ × 150′

32–जब्त

Committee for the purchase of spare parts

227. **Shrimati Chandravati** : Will the Minister of State for Transport be pleased to state—

(a) whether any Committee has been constituted for the purchase of spare parts for the Buses of Haryana Roadways during the period from 1991 to-date;

(b) if so, yearwise names of the members of the Committee and the details of spare parts purchased during the period as referred to in part (a) above; and

(c) whether some spare parts out of those as referred to in part (b) above were found sub-standard; if so, the details thereof togetherwith the action taken in this regard ?

परिवहन राज्य मन्त्री (श्री बलबीर पाल शाह) :

(क) तथा (ख) किसी भी सदर्श/नियमित समिति का गठन नहीं किया गया। तथापि अधिकतम कलपुर्जे या तो चैसिज बनाने वालों से या मूल कलपुर्जे विक्रेताओं से या महानिदेशक पूर्ति एवं निपटान या एसोसिएशन आफ स्टेट ट्रांसपोर्ट रोडज अंडरटेकिंग द्वारा मूल्य निर्धारण प्रतिष्ठित फर्मों से खरीद किए जाते हैं।

(ग) जब कभी कोई पुर्जा निर्धारित मापदण्ड का नहीं पाया जाता तो अमूक पार्टी के विरुद्ध महानिदेशक पूर्ति एवं निपटान या एसोसिएशन ऑफ स्टेट ट्रांसपोर्ट रोडज अंडरटेकिंग द्वारा मूल्य निर्धारण के समय नियत की गई दण्ड शर्तों के तहत कार्यवाही की जाती है। भाग (ख) तथा (ग) बारे सूचना इकट्ठी करने और उसके मिलान करने में जो समय तथा मेहनत लगेगी वह प्राप्त होने वाले लाभ से मेल नहीं खाएगी।

Allotment of the land of Municipal Committee, Karnal

230. Shri Amir Chand Makkar : Will the Minister of State for Local Government be pleased to state—

(a) whether it is a fact that a piece of Municipal Committee's land in Karnal has been allotted free of cost to M/s. Globe Tractor Agency, Karnal by the Deputy Commissioner in the month of February, 1994; if so, the details thereof; and

(b) whether it is also a fact that the Administrator, Municipal Committee, Karnal has made a written request in April, 1994 to the Deputy Commissioner, for the cancellation of the said land as referred to in part (a) above; if so, the action taken thereon ?

Interim reply

"अ० स० पत्र क्रमांक DLB-573

धर्मबीर गाबा

राज्य मन्त्री,
स्थानीय शासन विभाग,
हरियाणा, चण्डीगढ़।
दिनांक 6-3-1995

Subject : Unstarred Assembly Question No. 230 asked by Sh. Amir Chand Makkar, M.L.A. due on 7-3-1995.

Respected Sir,

I take this opportunity to bring it to your kind notice that the factual report about this Question is being collected from the Municipal Council and Deputy Commissioner, Karnal and it will take some time to process it.

It is, therefore, requested that two weeks time may kindly be allowed to furnish the reply to this question.

With regards

Yours sincerely,
Sd/—
(Dharambir Gauba)

Sh. Ishwar Singh,
Hon'ble Speaker,
Haryana Vidhan Sabha,
Chandigarh."

Disbursement of the Amount of HRDF and CDF Grants

228. **Ch. Om Parkash Beri** : Will the Minister for Development and Panchayats be pleased to state—

(a) whether any amount of Community Development Grant and Haryana Rural Development Fund has been disbursed among the villages of Lakhan Majra and Meham Blocks of District Rohtak during the year 1991-92, 1992-93, 1993-94 and 1994-95; and

(b) if so, the details thereof ?

पंचायत मंत्री (राव बन्सी सिंह) :

(क) हां, श्रीमान जी ।

(ख) विवरण अनुबन्ध 'ए' पर संलग्न है ।

अनुबन्ध 'ए'

ब्लाक लाखनमाजरा में सी० डी० ग्रांटस का वर्ष वार वितरण–

क्रमांक	गांव	1991-92	1992-93	1993-94	1994-95
1	2	3	4	5	6
1.	चान्दी	10900.00	10000.00	7603.35	..
2.	नन्दल	10900.00	17523.35	17238.78	..
3.	खड़क जाटान	9900.00	8638.00	12500.00	..
4.	लाखन माजरा	9237.00	14000.00	16483.38	..
5.	बाहु अकबरपुर	9900.00	..	..	..
6.	समरगोपालपुर खुर्द	8000.00	..	..	—
7.	सिंहपुरा कलां	5900.00	..	..	—
8.	बाहु जमालपुर	5000.00	—	—	—
9.	सिंहपुरा खुर्द	4900.00	—	—	—
10.	कुटाना	4000.00	—	—	—
11.	टिटौली	—	5000.00	6900.00	—
12.	ताजा माजरा	5900.00	—	—	—
13.	गढ़ी खेड़ी	2638.00	—	—	—
14.	समरगोपाल कलां	5900.00	—	—	—
15.	इन्दरगढ़	4000.00	6500.00	17916.00	—
16.	चिड़ी	5900.00	10000.00	10000.00	—
17.	गरोठी	5000.00	10000.00	12800.00	7000.00

1	2	3	4	5	6
18.	बेन्सी	5000.00	5000.00	5000.00	7000.00
19.	मुगाहेरी	4735.00	5000.00	9000.00	—
20.	बरैन्टी	5900.00	5000.00	12773.00	—
21.	सुन्दरपुर	—	10000.00	6800.00	—
22.	सिसरोली	—	10000.00	9000.00	7000.00
	कुल जोड़	123610.00	116661.35	143114.51	21000.00

ब्लाक महम में सी0 डी0 ग्रांटस का वर्षवार वितरण

क्रमांक	गांव	1991—92	1992—93	1993—94	1994—95
1	2	3	4	5	6
1.	फरमाना बादशाहपुर	7000	—	10000	—
2.	बलम्बा बजन	7000	10000	—	—
3.	खेड़ी महम	7000	—	10000	—
4.	बहराम जिन्दरान	2000	—	5000	—
5.	सिमान	7000	—	—	—
6.	भैनी सुर्जन	7000	—	—	—
7.	अजैबखास	2000	—	5000	—
8	बलम्बा	7000	—	5000	—
9.	किशनगढ़	2000	—	4280	—
10.	निदानाखास	2000	—	—	—
11.	निदाना मुहम्मदपुर	2000	—	10000	—
12.	मोकराराज	2006	—	—	—
13.	मदीना धिरान	43322	—	9973	—
14.	सिसरखास	2000	—	5000	—
15.	गिरावर	2000	—	5000	—
16.	मुरादपुर टिक्का	1263	—	—	—
17.	मदीना करसन	5000	—	5000	—
18.	खरखरा किलान	14216	5000	1880	—
19.	मोकरा खानदान छज्जा	8000	—	—	—
20.	बेहराम एस0 पी0 टिटरी	—	—	4800	—
21.	बैयानी मोहराजपुर	—	—	5000	—
22.	खरखरा छज्जा	—	—	5000	—

[राव बंसी सिंह]

1	2	3	4	5	6
23.	मोहर खास	—	—	5000	—
24.	निदाना	—	—	5000	—
25.	मोखरा खेड़ी	—	—	5000	—
26.	फरमाना खास	—	—	5000	—
27.	भैंयानी बेरन	—	—	5000	—
28.	निदाना टिगरी	—	—	5000	—
29.	भियानी मैटो	—	—	5000	—
30.	बिन्दवा	—	—	5000	—
31.	बहुलम्बा पैनरी	—	—	5000	—
	कुल जोड़	126861	15000	135933	—

ब्लाक लाखन माजरा में एच0 आर0 डी0 एफ0 ग्रान्टस का वर्षवार वितरण

क्रमांक	गांव	1991-92	1992-93	1993-94	1994-95
1	2	3	4	5	6
1.	खरक जाटान	—	302700.00	—	—
2.	गुणाहेरी	—	350700.00	—	—
3.	इन्दरगढ़	—	201000.00	—	—
4.	खरेन्टी	—	284000.00	—	—
5.	लाखन माजरा	—	284000.00	58000.00	—
6.	चान्दी	—	216000.00	—	—
7.	मान्दल	—	—	708506.00	—
8.	बैन्सी	—	..	50000.00	..
	कुल जोड़	..	1638400.00	808500.00	..

ब्लाक महम में एच0 आर0 डी0 एफ0 ग्रान्ट्स का वर्षवार विवरण

क्रमांक	गांव	1991–92	1992–93	1993–94	1994–95
1	2	3	4	5	6
1.	मोकरा खास	—	330000–00	50000–00	114300–00
2.	खेड़ी महम	—	273000–00	5100–00	—
3.	बेंसाती म. हुराजपुर	—	98200–00	2100–00	—
4.	फरमाना खास	—	143300–00	50000–00	—
5.	बेंसानी चन्द्रपाल	—	220600–00	3800–00	—
6.	खरखड़ा बकला	—	304900–00	—	—
7.	भैरानी मातो	—	127300–00	—	—
8.	भैरानी भैरो	—	229300-00	50000–00	—
9.	सिमान	—	287000–00	543000–00	118200–00
10.	सिसर खास	—	331700–00	83100–00	—
11.	फरमाना बादशाहपुर	—	230000-00	—	—
12.	खरखरा छाजन	—	273500–00	65600–00	107200–00
13.	निदाना खास	—	219600 00	—	—
14.	निदाना मुहम्मदपुर	—	219700–00	—	—
15.	निदाना पाना तेगरी	—	336800–00	—	181700–00
16.	बलग	—	114700–00	50000–00	71400–00
17.	किशनगढ़	—	98600–00	5100–00	—
18.	गिरावड़	—	184000–00	—	166700–00
19.	मोखरा पाना रोज	—	102000–00	—	—
20.	मोखरा पाना छाजन व खानदान	—	152700–00	—	—
21.	निदाना	—	261650–00	56100–00	—
22.	मुरादपुर टेकना	—	132000–00	50000–00	—
23.	बहलबा पाना पनरी	—	242000–00	—	—
24.	अजब पानाखास	—	127300–00	12500–00	82000–00
25.	निदाना गिदरान	—	231000–00	—	—

[राव बंसी सिंह]

1	2		3		4
26.	मोखरा खेड़ी	—	207000–00	61000–00	—
27.	मदिना करसाम	—	252500–00	25000–00	—
28.	बहलबा	—	118000–00	—	—
29.	भरान शेखपुर टिटरी	—	83500–00	—	—
30.	भरान माना जिवरान	—	134000–00	20000–00	—
31.	भैणी सुरजान	—	99800–00	58200–00	51600–00
32.	मदिना	—	—	10700–00	—
33.	बहुरान	—	—	75000–00	—
34.	मोखरी खानदान	—	—	50000–00	—
35.	परजाना बादशाहपुर	—	—	2100–00	—
36.	मुरादपुर	—	—	3110–00	—
37.	बहलबजान	—	—	20500–00	—
38.	बैंदवा	—	—	—	78300–00
39.	चौबिसी का चबूतरा	—	408000–00	—	—
	कुल जोड़	—	6573650–00	1351010–00	971400–00

Installation of Bio-Gas Plants

229. **Ch. Om Parkash Beri** : Will the Minister for Agriculture be pleased to state—

(a) the yearwise and districtwise number of Bio-gas Plants installed during the period from 1980-81 to date in the State;

(b) the number of Gas plants out of those referred to in part (a) above are functioning ;

(c) the districtwise number of farmers who have got installed Bio-gas 'Chullahs' during the period as referred to in part (a) above ; and

(d) whether any subsidy has been given for the installation of Bio-gas Plants in the State ; if so, the total amount thereof ?

Agriculture Minister (Shri Harpal Singh) :

(a) The districtwise information in respect of the Bio-gas Plants installed is placed on the table of the House as annexure-I.

(b) 19657 Bio-gas Plants are working out of the total Bio-gas Plants installed as per the study report conducted by National Council of Applied Economic Research, New Delhi. This constitutes 72.87% of the total Bio-gas Plants installed in the State.

(c) All beneficiaries have installed Bio-gas Chullahs on all Bio-gas Plants totaling 26976.

(d) A subsidy of Rs. 7,45,32,332/- has been distributed upto the year 1993-94.

ANNEXURE-I

State : HARYANA

Dis rictwise Installation of Bio-gas Plants under National Project on Bio-gas Development during 1980-81 to 1990-91.

Sr. No.	Name of District	1980-81	1981-82	1982-83	1983-84	1984-85	1985-86	1986-87	1987-88	1988-89	1989-90	1990-91
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
1.	Ambala	—	—	218	213	299	267	325	232	268	260	150
2.	Kurukshetra	—	—	343	176	301	260	352	233	263	295	166
3.	Karnal	—	—	345	377	566	374	387	151	300	281	175
4.	Sonepat	—	—	70	59	165	154	150	90	75	119	100
5.	Rohtak	—	—	54	228	211	155	127	101	134	128	101
6.	Jind	—	—	150	144	82	117	89	70	70	74	76
7.	Bhiwani	—	—	84	169	150	117	100	75	71	72	73
8.	Hisar	—	—	320	368	331	235	371	233	275	255	255
9.	Sirsa	—	—	292	289	415	250	325	186	266	250	210
10.	Mahindergarh	—	—	81	156	183	101	90	75	76	37	38
11.	Gurgaon	—	—	142	123	112	95	79	45	41	71	54
12.	Faridabad	—	—	160	228	148	126	84	75	100	116	120
13.	Yamuna Nagar	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	175
14.	Panipat	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	100
15.	Kaithal	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	93
16.	Rewari	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	50
	Total	—	—	2259	2530	2963	2251	2479	1566	1899	1958	1942

[Sh. Harpal Singh]

District-wise installation of Bio-gas Plants under National Project on Bio-gas Development during 1991-92 to 1994-95

S. No.	District	1991-92	1992-93	1993-94	1994-95 (Jan., 95)	Cumulative achievement upto Jan., 95	1994-95 (Upto June, '94)
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	Ambala	152	160	164	106	2734	34
2.	Yamunanagar	201	190	177	121	864	10
3.	Kurukshetra	150	170	174	107	2990	39
4.	Kaithal	116	108	106	67	490	10
5.	Karnal	200	172	170	100	3594	15
6.	Panipat	85	90	90	70	435	7
7.	Sonepat	125	106	110	80	1403	10
8.	Rohtak	103	91	86	37	1556	5
9.	Jind	75	80	86	53	1166	16
10.	Bhiwani	61	104	94	85	1255	12
11.	Hisar	242	215	234	39	3373	4
12.	Sirsa	170	170	150	69	3008	3
13.	Mohindergarh	54	102	106	53	1152	6
14.	Rewari	95	90	100	54	389	12
15.	Gurgaon	58	67	74	47	1009	10
16.	Faridabad	110	111	110	70	1558	5
	Total	1997	2020	2031	1158	26976	186

Per Patient expenditure incurred on Medicines

231. **Prof. Sampat Singh** : Will the Minister for Health be pleased to state the per Patient indoor/outdoor amount of expenditure incurred on supply of medicines during the year 1993-94 and 1994-95 in the State ?

स्वास्थ्य मन्त्री (बहिन करतार देवी) :

वर्ष	प्रति रोगी दवाई पर खर्च
1993-94	4.75 रुपये
1994-95	4.96 रुपये (अनुमानित)

Road constructed by H.S.A.M.B.

232. **Prof. Sampat Singh** : Will the Minister for Agriculture be pleased to state—

(a) whether any roads have been constructed by the Haryana State Agricultural Marketing Board in the State during the years 1993-94 and 1994-95; and

(b) if so, the Market Commi-tee wise total length of such roads together with their names and the expenditure incurred thereon ?

Interim reply

"D.O. No.553-AgriS(L)-85

Harpal Singh

Agriculture Minister,
Haryana, Chandigarh.
Dated 6-3-1995

Subject :—Unstarred Assembly Question No. 232 raised by Shri Sampat Singh, MLA.

Dear Shri Ishwar Singh

Unstarred Assembly Question No. 232 raised by Shri Sampat Singh, MLA has been listed for 7-3-1995. The question relates to construction of roads by the Board in the State during the years 1993-94 and 1994-95 and Market Committee-wise total length of such roads their names and expenditure thereon. The collection of information and its compilation will take a lot of time because the figures/information relates to about 100 Market Committees spread over the State. Clarifications may have also to be obtained from the Executive Engineers and Secretaries, Market Committees. In order to frame proper reply and compile correct information at least four weeks are required.

[Shri Harpal Singh]

It is, therefore, requested that atleast a time of four weeks may be given to enable us to submit reply to you.

With regards.

Yours sincerely,
Sd/-
(HARPAL SINGH)

Shri Ishwar Singh,
Hon'ble Speaker,
Haryana Vidhan Sabha,
Chandigarh."

Expenditure incurred on Telephones of D.S.P., Palwal

233. **Shri Karan Singh Dalal** : Will the Chief Minister be pleased to state the month wise amount of expenditure incurred an account of Telephones (residence) of the Deputy Superintendent of Police (D.S.P.), Palwal during the year 1993-94 ?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल) : मांगी गई सूचना विधान सभा पटल पर रख दी गई है—

सूचना

उप पुलिस अधीक्षक, पलवल के आवासीय दूरभाष का वर्ष 1993-94 का मासिक खर्च निम्नलिखित हुआ :—

समय अवधि	खर्च
16-3-93 से 30-4-93	330.00 रुपये
1-5-93 से 8-8-93	1086.00 रुपये
9-8-93 से 15-11-93	5457.00 रुपये
16-11-93 से 15-1-94	6569.00 रुपये
16-1-94 से 4-3-94	4206.00 रुपये
5-3-94 से 15-5-94	6809.00 रुपये
16-5-94 से 30-6-94	3519.00 रुपये
1-7-94 से 16-9-94	4601.00 रुपये
16-9-94 से 15-11-94	5728.00 रुपये
16-11-94 से 15-1-95	4411.00 रुपये
कुल	42,716.00 रुपये

Supply of Drinking Water from Yamuna Canal

234. **Shri Karan Singh Dalal** : Will the Minister for Public Health be pleased to state whether any proposal under consideration of the Government to provide drinking water to Faridabad and Ballabgarh from the Yamuna Canal; if so, the steps taken in this regard so far ?

Minister of State for Local Government (Ch. Dharambir Gauba) : There is no proposal under consideration of Faridabad Municipal Corporation to provide drinking water to Faridabad and Ballabgarh towns from Yamuna Canal. However, at present, a total quantity of 250 lacs gallons of drinking water per day is being supplied through 260 tubewells working in the jurisdiction of Municipal Corporation.

Supply of Medicines to Veterinary Hospitals

235. **Shri Karan Singh Dalal** : Will the Minister of State for Animal Husbandry be pleased to state the details of the medicines supplied to each Veterinary Hospital in district Faridabad during the year 1993-94 ?

Minister of State for Animal Husbandry (Rao Dharam Pal) : Yes Sir, the details of medicines supplied to the Veterinary Hospitals in District Faridabad during the year 1993-94 are enclosed as Annexure-I.

ANNEXURE—I

The detail of Medicines supplied to various Vety. Hospitals during the year 1993-94.

Sr. No.	Name of Medicines	Palla	Faridabad	Bhopani	Kheri-Kalan.
1.	2	3	4	5	6
1.	Nutri Liv. Injection 30 ml.	1	1	1	1
2.	Sultrimax Injection 30 ml.	1	1	1	1
3.	Nutrisac 1 kg.	1	1	1	1
4.	Dermocept 25 gm.	4	4	4	4
5.	Terpentine Oil 20 Ltr.	3	3	3	3
6.	Wormnil Plus 50 Bolus	7	7	7	7
7.	Entrox Powder 500 gm.	12	12	12	12
8.	Z-Tone 500 gm.	68	68	68	68
9.	Magnessium Sulphate 1 kg.	140	140	140	150
10.	Inj. Calcium for Gulctonate 450 ml.	11	11	12	12

[Rao Dharam Pal]

1	2	3	4	5	6
11.	Sulphadimidine Tab. 50 Tab.	7	7	7	7
12.	Z-Worm. 500 gm.	21	21	20	20
13.	H. B. Strong 10 gm.	26	26	29	29
14.	Tab. Cofecu 20 Tab.	4	4	4	4
15.	Bandages Dozen	1	1	1	1
16.	Digestovet 1 kg.	18	13	20	20
17.	Vesdastrol Powder Kg.	50	50	50	50
18.	Veeto Prim Kg.	1	2	1	1
19.	Piperazne Powder 450 gm.	4	4	4	3
20.	Kalmis 1 Powder 5 gm.	40	40	40	40
21.	Furazalidone Tab. 10 Tab.	50	50	50	50
22.	Kalmivan Vet. 50 gm.	3	3	3	3
23.	2. koflr 500 gm.	7	7	7	7
24.	Unxazine Powder 500 g.	11	11	11	11
25.	Gaztrox Powder 500 gm.	37	37	37	37
26.	Albendozole suspension 500 ml.	8	8	8	8
27.	Myxodys Powder 500 gm.	1	1	1	1
28.	Maxim Herbal Ointment 500 gm.	1	1	1	1
29.	HImalyana Batisa 1 kg.	1	1	1	1
30.	Pestoban Liquid 100 ml.	1	1	1	1
31.	Teebub Capsul (24 Capsul)	14	14	14	14
32.	Prajna Capsul (6)	3	3	3	3
33.	Galong Strong (4 Bolus)	7	7	7	7
34.	Inj. Gentamycin 30 ml.	16	16	16	16
35.	Streptomycine Inj. 1 gm.	70	70	70	70
36.	Inj. Benyle/Penciline 10 Lc.	45	45	45	45
37.	Mini Mix Powder 1 Kg.	1	2	1	1
38.	Oxytetra Tab (4)	39	3	3	3
39.	Linto Concentrate 500 gm.	3	3	3	3
40.	Inj. Oxcertracycline 30 ml.	2	2	2	2
41.	Inj. Vetalog 5 ml.	1	1	1	1
42.	On Feed Bolus 4 bolus	2	4	2	2
43.	Inj. Oxymor 30 ml.	2	2	2	2
44.	Inj. Morprim 5 ml.	3	3	3	3
45.	Inj. Remote Vet. 10 ml.	2	2	2	2
46.	Inj. Sequil 5 ml.	3	3	3	3
47.	Inj. Morpin 30 ml.	2	2	2	2
48.	Inj. Anacid 30 ml.	1	2	1	1
49.	Calpues AD 3500 gm.	2	2	2	2
50.	Valbasan Bolus 6 Bolus	1	1	1	1
51.	Vetram Bolus 4 bolus	2	2	2	2
52.	Absorbent Cetton 500 gm.	1	1	1	1
53.	Valbasan suspension 60 ml.	2	2	1	1
54.	Kalmisol Bolus 10 bolus	2	2	12	1

1	2	3	4	5	6
55.	Kalmisol Powder 100 gm.	1	1	1	1
56.	Analgin Inj. 30 ml.	10	10	10	10
57.	Kalmaben Powder 50 gm.	2	2	2	2
58.	Benmirth Liquid 4.5 Ltr.	1	1	1	1
59.	Aeriment Ointment 500 gm.	2	2	2	2
60.	Lugol's Iodine 125 ml.	7	7	7	7
61.	Sodium Acid Phosphate 500 gm.	6	6	5	5
62.	Inj. Terramycine LA 30 ml.	1	1	—	—
63.	Oxytetrage Liquid 30 ml.	2	2	2	2
64.	Tab. Aneroxone 2 bolus	7	7	7	7
65.	Nutrimilk Powder 1 kg.	1	1	1	1
66.	Ranide 10 gm.	13	13	13	13
67.	Mineral Mixture 1 kg.	4	4	4	4
68.	Sisol Rope 1 kg.	25	25	25	25
69.	Clinosol Powder 1 kg.	7	7	7	7
70.	Resol Powder 1 kg.	7	7	7	7
71.	Oriprium U Bolus 4 bolus	28	28	28	28
72.	Phenyle Liquid	10 Lt.	10 Lt.	10 Lt.	10 Lt.
73.	Inj. Benathine 43 Lac.	9	9	9	9
74.	Liv. 52 Powder 100 gm.	10	10	10	10
75.	Styplin Tab. 100 Tab.	15	15	15	15
76.	Cystrone Powder 50 gm.	7	7	7	7
77.	Khasona 400 gm.	12	12	12	12
78.	Kamdhanu kg.	15	15	15	15
79.	Absorbent Cotton 500 gm.	9	9	9	9
80.	Blotosil 100 ml.	15	15	15	15
81.	Prajana/Capsul (24)	5	5	5	5
82.	Leesac Bolus	—	—	—	—
83.	Piperagine Liquid 4.5 Lt.	1	1	1	1
84.	Himax Ointment	—	—	—	—
85.	Tympol Powder	—	—	—	—
86.	Cofon Vet.	—	—	—	—
87.	Ossific granules 100 gm.	2	2	2	2
88.	Dharmani Batisa 200 gm.	3	3	3	3
89.	Wormnil Powder 1 ml.	1	1	1	1
90.	Anthalgo Liquid 450 ml.	1	1	1	1
91.	Sulphaguanidine Tab. (50)	650	6	6	6
92.	Anthalog Powder 1 kg.	1	1	1	1
93.	Diarax Powder 1 kg.	1	1	1	1
94.	Rumicare Powder 1 kg.	1	1	—	—
95.	Tympasyl Powder 1 kg.	—	1	1	—
96.	Piperazine Liquid 500 ml.	6	6	6	6

[Rao Dharam Pal]

The details of medicines supplied to various Vety. Hospitals during the year 1993-94

Sr. No	Name of Medicines	Tigaon	Khurli	Ballab-garh	Mohna	Dayalpur
1	2	3	4	5	6	7
1.	NutriLiv. Inj. 30 ml.	1	1	3	1	2
2.	Sultrimax Inj. 30 ml.	1	1	1	1	1
3.	Nutrisac. 1 Kg.	1	1	2	1	1
4.	Derm cept 25 gm.	4	4	5	4	4
5.	Turpentine Oil 20 lt.	3	3	6	3	3
6.	Wermnil Plus 50 bolus	7	7	13	7	7
7.	Entrex Powder 500 gm.	12	10	22	16	16
8.	B-Tone 500 gm.	68	76	95	76	76
9.	Magnesium Sulphate 1 kg.	140	150	188	150	150
10.	Inj. Calciumber Gluconate 450 ml.	11	12	17	12	12
11.	Sulphadimidine Tab. 50 tab.	7	4	5	4	4
12.	Z-Worm. 500 gm.	21	23	31	22	23
13.	H. B. Strong. 10 gm.	26	29	46	29	29
14.	Tab. Cfocu 20 Tab.	4	4	8	4	4
15.	Bandages Dozen	13	13	21	13	13
16.	Digestovet kg.	13	20	36	20	20
17.	Vetdestrol Powder kg.	50	76	107	78	78
18.	Veetoprim kg.	20	21	48	21	26
19.	Piperazne powder 450 gm.	22	4	6	3	3
20.	Kalmisel Powder 5 gm.	40	4	4	4	4
21.	Furazolidene Tab. 10 tab.	50	5	5	5	5
22.	Kalmiven Vet. 50 gm.	3	3	6	3	3
23.	Z-Cof. 500 gm.	7	14	19	14	14
24.	Unoozine Powder 500 gm.	11	13	23	18	18
25.	Gantrox Powder 500 gm.	37	49	37	37	37
26.	Albendazole suppension 500 ml.	8	8	17	8	8
27.	Myxodys Powder 500 gm.	—	—	—	—	—

1	2	3	4	5	6	7
28.	Maxim Herbal Ointment 500 gm.	1	1	1	1	1
29.	Himalyana Batisa 1 kg.	1	1	1	Nil	1
30.	Pestoban Liquid 100 ml.	1	1	5	1	1
31.	Teebu Capsul (24)	5	5	9	5	5
32.	Prajna Capsul (6)	3	3	3	3	3
33.	Galong Strong (4)	7	7	10	7	7
34.	Inj. Gentamycin 30 ml.	16	16	27	16	16
35.	Streptomycine Inj. 1 gm.	70	70	95	70	70
36.	Inj. Benzyled Penciline 10 Lc.	45	45	75	45	45
37.	Mini Mix Powder kg.	2	2	3	1	1
38.	Oxytetra Tab. 4 tab	3	3	7	3	3
39.	Linto concentrate 50 gm.	3	3	5	3	3
40.	Inj. Oxytetracyline dine 30 ml.	2	2	3	1	2
41.	Inj. Vetalog 5 ml.	1	1	1	2	1
42.	On Feed bolus 4 bolus	4	4	6	2	2
43.	Inj. Oxymer 30 ml.	2	2	3	2	2
44.	Inj. Morprim 5ml.	3	3	7	3	3
45.	Inj. Remote Vet. 10ml.	2	2	4	2	2
46.	Inj. Sequil 5 ml.	3	3	6	3	3
47.	Inlj Morpin 30 ml.	2	2	2	2	2
48.	Inj. Anacid 30 ml.	2	2	3	1	1
49.	Colpaos AD 3 500 gm.	2	2	2	2	2
50.	Valba san bolus 6 bolus	1	1	1	1	1
51.	Veteom bolus 4 bolus	2	2	2	2	2
52.	Valbasan suspension 60 ml.	2	2	3	1	1
53.	Absorbant cotton 500 gm.	1	1	4	1	1
54.	Kalmisal bolus 10 bolus	2	2	2	1	2
55.	Kalmisal Powder 100 gm.	2	2	2	2	2
56.	Anolgin Inj. 30ml.	10	10	17	10	10
57.	Kalmoem powder 50 gm.	2	2	2	2	2
58.	Banminth Liquid 4.5 lt.	1	1	1	1	1
59.	Acriment 500 ointment gm.	2	2	4	2	2

[Rao Dharam Pal]

1	2	3	4	5	6	7
60.	Lygol's Iodine 125 ml.	7	7	9	7	7
61.	Sodium Acid Phosphate 500 gm.	6	6	9	5	6
62.	Inj. Terramycine LA 30 ml.	1	—	1.	—	1
63.	Oxytetrage-Liquid 30 ml.	2	2	4	2	2
64.	Tab. Aneroxone 2 bolus	7	7	13	7	7
65.	Nutrimilk Powder Kg.	1	1	1	1	1
66.	Ranide 10 gm.	13	13	13	13	13
67.	Mineral Mixture Kg.	4	4	6	4	4
68.	Sisal Rope Kg.	25	25	35	25	25
69.	Clinosol Powder Kg.	7	7	9	7	7
70.	Rasol Powder Kg.	7	7	9	7	7
71.	Oriprium U. Polus 4 bolus	28	28	47	28	28
72.	Phenyle Liquid Lt.	10	10	10	10	10
73.	Inj. Benathine 43 Lac.	9	9	16	9	9
74.	Liv 52 Powder 100 gm.	10	10	30	10	10
75.	Styplin Tab. 100 Tab.	15	15	20	15	15
76.	Cystrone Powder 50 gm.	7	7	8	7	7
77.	Khasona 400 gm.	12	12	18	12	12
78.	Kamdhanu Kg.	15	15	20	15	12
79.	Kbsorbent cotton 500 gm.	9	9	20	9	9
80.	Biotosil 100 ml.	15	15	25	15	15
81.	Prajajna Capsul(24)	5	3	10	5	5
82.	Leesac bolus 10 bolus	—	—	1	—	—
83.	Piperajine Liquid 4.5 Litre	2	1	3	1	1
84.	Rimax Ointment Kg.	—	—	1	—	—
85.	Tympol Powder Kg.	—	—	2	1	—
86.	Cafon Vet. Kg.	1	1	2	1	—
87.	Ossific granules 100 gm	2	2	3	2	2
88.	Dharmani Batisa 200 gm.	3	3	3	3	3
89.	Wormnil Powder Kg.	—	1	1	—	—
90.	Mothsigo Liquid 450 ml.	1	1	—	1	1
91.	Sulphaguanidine Tab. (50)	6	6	13	6	6
92.	Anthalog Powder Kg.	1	1	1	—	—
93.	Diarax Powder Kg.	1	1	1	1	1
94.	Rumicare Powder 1 kg.	1	—	1	1	1
95.	Tympasyl Powder	1	1	1	1	—
96.	Piperazine Liquid 500 ml.	6	6	13	6	6

The details of medicines supplied to various Vety. Hospitals during the year 1993-94

Sr. No.	Name of Medicine	Chanisa	Panhera Khurd	Jawan	Palli	F./bad	Ateli
		10	11	12	13	14	15
1.	Nutri Div. Injection 300 ml.	1	1	1	1	3	—
2.	Sutrimax Inj. 30 ml.	—	—	—	1	3	—
3.	Nutrisac inj. kg.	1	1	1		2	—
4.	Dermocept 25 gm.	3	3	2	4	5	—
5.	Turpentine oil. 20 lt.	2	2	2	3	6	—
6.	Rormnil Puls 50 Bh.	6	6	6	7	11	—
7.	Entrox powder (500 kg.)	14	14	5	7	9	9
8.	Z-tone 500 gm.	73	73	49	49	62	—
9.	Magnessium sulphate kg.	120	120	120	150	190	—
10.	Inj. calcium bor Culconate (450 ml.)	9	9	9	12	18	—
11.	Sulphadimidine Tab. (50)	2	2	6	—	11	—
12.	Z-Worm (500 gm)	23	28	17	17	26	—
13.	H. B. Strong (10 gm)	24	24	24	29	46	—
14.	Tab. Cofecus (20)	3	3	3	4	7	—
15.	Badages (Dz.)	12½	12½	12½	12½	13	—
16.	Digestovet (kg.)	14	14	14	20	30	—
17.	Vetdastrol powder kg.	50	50	50	50	50	—
18.	Veeto prim kg.	1	1	1	2	3	—
19.	Piperazine powder 450 gm.	3	3	3	4	6	—
20.	Kamisol powder 5 g.	4	3	4	4	4	—
21.	Furazolidone Tab 15 Tab.	50	50	50	50	50	—
22.	Kalmbne Vet. 50 gm	3	3	3	3	7	—
23.	Z. Eof. 500 gm	7	7	7	7	11	—
24.	Unexozine powder 500 gm	11	11	11	11	11	—
25.	Gastrox powder 50 gm.	37	37	37	37	41	16
26.	Albandazol Susp. 500 ml.	8	8	8	8	17	—
27.	Myxodys powder kg.	1	1	1	1	—	—

[Rao Dharam Pal]

		10	11	12	13	14	15
28.	Maxim Harbal Oin. 50 gm.	1	1	1	1	1	—
29.	Himalyan Batisa kg.	1	1	—	1	1	—
30.	Pestoban Lig. 100 ml.	1	1	1	1	5	—
31.	Tecbu Capsul 24 Kaps	5	5	5	5	10	—
32.	Prajna capsule 6 cap.	3	3	3	3	4	—
33.	Galong Strong 4 Bolus	7	7	7	7	10	—
34.	Inj. Gentamycin 30 ml.	16	16	16	16	21	4
35.	Streptomycine Inj. 1 gm.	70	70	70	70	100	70
36.	Inj. Benyle Penc. 10 lacs	45	45	45	45	75	45
37.	Min. Mix. Powder kg.	1	1	1	2	4	1
38.	Oxytetra Tab. 4	3	3	3	3	8	3
39.	Linto concentrate 50 gm.	3	3	3	3	5	3
40.	Inj. Oxytetracycline 30 ml.	1	1	1	2	4	1
41.	Inj. Vetalog 5 ml.	1	1	1	1	1	1
42.	On feed bolus (4)	2	2	2	4	3	2
43.	Inj. Oxymor 30 ml.	2	2	2	2	3	2
44.	Inj. Morprim 5 ml.	3	3	3	3	7	3
45.	Inj. Remote Vet. 10 ml.	2	2	2	2	5	2
46.	Inj. Sequil 5 ml.	3	3	3	3	7	3
47.	Inj. Morpin 30 ml.	2	2	2	2	2	2
48.	Inj. Anacid 30 ml.	1	1	1	2	4	1
49.	Calpous KD3 500 gm.	2	2	2	2	2	2
50.	Valbason bolus (6)	1	1	1	1	—	1
51.	Vatram bolus LA (4)	2	2	2	2	3	2
52.	Valbasan suspension	1	1	1	2	4	1
53.	Absorbent cotton 500 gm.	1	1	1	1	10	1
54.	Kalmisel bolus 10 bolus	2	2	2	1	2	1
55.	Kalmisal Powder 100 gm	1	2	2	2	2	2
56.	Analgin Inj. 30 ml.	10	10	10	10	18	10
57.	Kalmben power 50 gm.	2	2	2	2	5	2
58.	Banminth Liquid 4.5 lt.	—	—	—	1	1	1
59.	Acriment Ointment 500 gm.	2	2	2	2	5	

		10	11	12	13	14	15
60.	Lygol's Iodine 125 ml.	7	7	7	7	10	7
61.	Surim Acid Phosphate 500 gm.	5	5	5	5	10	6
62.	Inj. Tetramycin LA 30 ml.	—	1	—	—	1	—
63.	Oxytetrage-Liquid 30 ml..	2	2	2	2	5	2
64.	Tab. Aneroxene 3 bolus	7	7	7	7	14	7
65.	Nutrimilk Powder	1	1	1	—	—	—
66.	Renide 10 gm.	13	13	13	13	13	—
67.	Mineral Mixture kg.	4	4	4	4	6	—
68.	Sinal Rope Kg.	25	25	25	25	35	—
69.	Clinosol Powder Kg.	7	7	7	7	9	—
70.	Rosal Powder Kg.	7	7	7	7	9	—
71.	Oriprium U. Bolus (4)	23	23	23	23	47	—
72.	Phenyle Liquid Lt.	10	10	10	10	13	5
73.	Inj. Benathine43 Lac	9	9	9	9	16	—
74.	Liv. 52 Powder 100 gm.	10	10	10	10	30	—
75.	Stypline Tab. 100 tab.	15	15	15	15	20	—
76.	Cystrene Powder 50. gm.	7	7	7	7	8	—
77.	Khasona 400 gm.	12	12	12	12	18	—
78.	Kamdhanu 400 gm.	10	15	10	15	25	—
79.	Absorbent Cotton 500 gm.	9	9	9	9	21	—
80.	Biotosil 100 gm.	15	15	15	15	25	—
81.	Prajajna capsule (24)	3	5	5	6	16	—
82.	Leesac Bolus 10	1	1	1	—	1	—
83.	Piperajine Liquid 4.5 Lt.	2	2	2	1	4	1
84.	Himax Oin tment Kg.	—	—	—	—	1	—
85.	Tympol Powder Kg.	—	—	1	—	2	—
86.	Cafon Vet.	—	—	—	1	2	—
87.	Ossific granules 100 gm	2	2	2	2	5	2
88.	Dharmani Batisa 200 gm.	3	3	4	3	10	3
89.	Wormnil Powder Kg.	2	—	1	1	—	1
90.	Anthalgo Liquid 450	1	1	1	1	—	1
91.	Sulpheguanidine Tab.50.	6	6	6	6	14	6
92.	Authalge Powder Kg.	1	1	—	—	1	—
93.	Diarex Powder Kg.	1	1	1	1	2	1
94.	Rumicare Powder Kg.	—	—	1	—	2	1
95.	Tympasyl Powder Kg.	1	1	—	1	1	—
96.	Piperarne Liquid 500 ml.	6	6	6	6	13	6

[Rao Dharam Pal]

The detail of medicines supplied to various Vety. Hospitals during the year 1993-94

		16	17	18	19
Sr. No.	Name of Medicines	RAIC	HODEL	HATHIN	RUPRAKA
1	2	3	4	5	6
1.	Nutrillv Inj. (30 ml)	1	1	1	1
2.	Sultrimax inj. (30 ml)	3	3	3	—
3.	Nutrisac. (1 kg.)	2 kg.	2 kg.	2 kg.	2 kg.
4.	Dermocept. (25 gm.)	5	5	5	1
5.	Turpentine oil (Ltr.)	80	120	80	40
6.	Wormnil Plus (Bolus 50)	8	11	9	5
7.	Entrox Powder (500 gm)	16	22	16	10
8.	Z-tone (500 gm)	91	109	77	42
9.	Magnesium Sulp. (1 kg.)	180	249	150	75
10.	Inj. Calcium Boro-gluconate (Bottle of 450 ml).	13	20	14	6
11.	Sulphadimidine Tab. (50 Tab.)	8	10	8	4
12.	Z-Worm (500 gm)	26	27	25	13
13.	H.B. Strong (10 gm.)	34	38	34	16
14.	Tab. Colecum (20 tab.)	6	6	6	—
15.	Badages (Dozens)	11	13	11	9
16.	Digestovet (1kg.)	24	30	18	12
17.	Vetdastrol Powder (kg)	76	82	74	49
18.	Vetopyrin (kg.)	22	28	24	19
19.	Pipragin powder (450 gm.)	4	4	4	2
20.	Kalmisol Powder (10x5 gm)	4	4	4	2
21.	Furazolidone Tab. 10x10 Tab.	5	5	5	13
22.	Kalemban Vet. (50 5m.)	4	4	4	2
23.	Z-Cof. (500 gm)	13	17	185	8

		16	17	18	19
1	2	3	4	5	6
24.	Unexozime Powder (500 gm)	16	22	20	12
25.	Gastrox Powder (500 gm.)	45	48	42	25
26.	Albendazole suspension (500 ms.)	8	10	8	4
27.	Myxodys Powder (500 gm.)	1	1	1	—
28.	Maxim Herbal Ointment (50 gm.)	1	2	2	—
29.	Himalyan Batisa (1 kg.)	1	2	2	—
30.	Pestoban Liquid (100 ml.)	2	3	3	—
31.	Teeburb Cap (24 Cap.)	14	20	14	9
32.	Prajna Cap. (6 Cap.)	7	7	5	—
33.	Galog Strong (1 Bolus)	8	8	8	4
34.	Inj. Gentamycin (30 ml)	17	19	18	11
35.	Streptomycin Inj. (1 gm.)	95	120	95	60
36.	Inj. Benzyle Pencilline 48 Lacs)	55	70	60	35
37.	Mini Mix Powder (kg.)	1	2	2	1
38.	Oxytgtra Tab. (4 Tab.)	15	7	6	3
39.	Linto Concentrate (50 gm.)	3	4	2	2
40.	Inj. Oxytetracycline (30 ml.)	2	3	2	1
41.	Inj. Vetalog (51 ml).	1	1	1	1
42.	Onteed bolus (4 tab.)	2	4	3	2
43.	Inj. Oxymor (30 ml.)	4	4	4	—
44.	Inj. Morprim (5 ml.)	6	6	6	—
45.	Inj. Remote Vet. (10 ml.)	5	5	5	—
46.	Inj. Sequil. (5 ml.)	6	6	6	—
47.	Inj. Morprim (30 ml.)	4	4	4	—

[Rao Dharam Pal]

		16	17	18	19
1	2	3	4	5	6
48.	Inj. Ancid. 30 ml.)	5	3	3	—
49.	Calphaus AD-3 (500 ml.)	2	3	2	1
50.	Valvasam Bolus (6 tab)	2	2	2	—
51.	Vetranmla Bolus (4 Bolus)	2	3	2	1
52.	Valvasan Suspension (60ml.)	2	2	2	1
53.	Absorbent Cotton (500 gm).	2	2	2	1
54.	Kalmisol Bolus) (10 Bouis)	1	2	2	1
55.	Kalmisel Powder (100 gm.)	1	2	2	1
56.	Analgin Inj. (300 ml.)	25	25	—	—
57.	Kalmbin Powder (50 gm.)	2	3	2	2
58.	Banminth Liquid (4/2 lit.)	1	2	1	—
59.	Acriment Oint. (500 gm.)	2	4	2	1
60.	Lugol's Iodind (125 ml.)	6	11	6	4
61.	Sodium Acid Phosphate (500 gm.)	6	10	6	3
62.	Inj. Terramycin (LA) 30 ml.	1	1	—	—
63.	Oxytetracycline liquid (30 ml).	4	4	2	1
64.	Tab. Anorexon (2 Bolus)	8	3	6	6
65.	Nutrimilk powder (1 kg).	2	2	1.	—
66.	Ranide (10 gm.)	19	22	12	6
67.	Mineral Mixture (1 Kg.)	4	6	4	2
68.	Sisal Roap. (1 kg.)	24	28	20	16
69.	Clinosol Powder (1 kg.)	6	9	8	4
70.	Rasol powder (1 kg.)	6	9	8	4

		16	17	18	19
1	2	3	4	5	6
71.	Criprim U. Bolus (+. tab)	30	40	32	16
72.	Phenyle Liquid (lt)	61	71	56	31
73.	Inj. Benjathine Penciline (48 lacs)	6	14	8	6
74.	Liv. 52 Powder (100 gm.)	8	16	10	8
75.	Styplan Tab (100 Tab.)	10	20	12	10
76.	Cystone Powder (50 gm)	10	10	—	—
77.	Khasona (400 gm.)	10	12	10	9
78.	Kamdhanu (1 kg.)	10	18	11	10
79.	Absorbent cotton (500 gm.)	6	18	8	6
80.	Blotosil (100 ml.)	14	20	14	10
81.	Prajana Cap (24 cap)	6	8	6	3
82.	Yeosac Bolus (10 bolus)	1	1	1	—
83.	Piprajin Liquid (4.5 lit).	1	5	2	1
84.	Himax Oint. (kg.)	—	1	4	—
85.	Tympol Powder (kg.)	1	1	1	—
86.	Caflon Powder (1 kg.)	1	1	1	—
87.	Osisfic Granules (100 gm.)	3	4	1	1
88.	Dhramani Batisa (200 gm.)	5	5	5	4
89.	Warmnil Powder (kg.)	1	2	—	—
90.	Anthalgo Liquid (450 ml.)	1	2	1	—
91.	Sulphaguanidine Tab) (50 Tab.)	5	10	5	5
92.	Anthaloo Powder (500 gm.)	1	2	—	—
93.	Dirax Powder (1 kg.)	1	1	1	1
94.	Rumicare Powder (1 kg.)	1	2	—	—
95.	Timpasyl Powder (1 kg.)	1	2	1	—
96.	Piprazine liquid)	8	2	6	6

[Rao Dharam Pal]

The detail of medicines supplied to various Veterinary Hospitals during the year 1993-94

Sr. No.	Name of Medicines	20 Mandkola	21 Manpur	22 Bahin	23 Arangabad	24 Deechot
1	2	3	4	5	6	7
1.	Nutriliv Inj. (30 ml.)	1	1	1	1	1
2.	Sultrimax Inj. (30 ml.)	—	—	—	1	—
3.	Nutrisac (1 (kg.)	—	—	—	1	—
4.	Dermocept (25 gm.)	1	1	4	4	4
5.	Turpentine Oil (1tr)	40	20	20	40	20
6.	Wormnil plus (Bolus 50)	5	3	4	4	5
7.	Entrox Powder (500gm)	10	7	9	9	10
8.	Z-tone (500gm).	50	30	41	57	49
9.	Magnessium sulp (1kg)	75	45	75	110	75
10.	Inj. Calcium Boro-gluconate (Bottle of 450 ml.).	10	4	8	8	4
11.	SulPhadimidine Tab. (50 Tab.)	5	3	4	4	3
12.	Z-Worm (500gm)	14	13	13	15	14
13.	H.B.Strong (10gm)	20	12	16	16	12
14.	Tab. cofecum (20tab.)	—	—	—	6	—
15.	Bandages(dozens)	12	6	6	8	11
16.	Digestovet (1kg)	12	6	12	12	12
17.	Vetdastrol powder(kg)	51	39	39	49	55
18.	Vetopyrin(kg)	23	17	17	19	21
19.	Pipragin powder (150gm)	2	2	2	2	2
20.	Kalmisol powder (10x5gm)	2	2	2	3	2
21.	Furazolidone Tab. (10 × 10 Tab.)	3	2	2	3	3
22.	Kalemban Vet (50 gm.)	2	2	2	2	2
23.	Z-Cof. (500 gm.)	11	8	8	9	11

		20.	21.	22.	23.	24.
1	2	3.	4.	5.	6	7
24.	Unexozine Powder (500 gm.)	15	10	10	12	14
25.	Castrox Powder (500 gm.)	27	25	26	26	26
26.	Albendazole Powder suspension (500 gm.)	4	4	4	4	4
27.	Myxodys powder (500 gm.)	—	—	—	—	—
28.	Maxim Herbal (Ointment 50 gm.)	—	—	—	—	—
29.	Himalyan Batisa (1 kg.)	—	—	—	—	—
30.	Perstoban Liquid (100 ml.)	—	—	—	—	—
31.	Teeburb Cap. (24 cap.)	9	9	9	9	9
32.	Prajna Cap. (6 cap).	—	—	—	—	—
33.	Galog Strong (4 Bolus)	4	4	4	4	4
34.	Inj. Centamycin (30 ml.)	19	7	7	11	13
35.	Streptomycin Inj. (1 gm.)	70	15	40	40	30
36.	Inj. Benzyle Pencilline (18 lacs)	50	10	30	40	25
37.	Mini Mix Powder (kg.)	1	1	1	1	1
38.	Oxytetra Tab. (4 Tab.)	4	3	3	3	4
39.	Linto Cencentrate (50 gm.)	2	2	2	2	2
40.	Inj. Oxytetracycline (30 ml.)	1	1	1	1	1
41.	Inj. Vetalog (5 ml.)	1	—	—	1	1
42.	On feed Bolus (4 Tab)	2	1	2	2	2
43.	Inj. Oxymor (30 ml.)	—	—	—	—	—
44.	Inj. Morprim (5ml.)	—	—	—	—	—
45.	Inj. Remote Vet. (10 ml.)	—	—	—	—	—
46.	Inj. Sequil (5 ml.)	—	—	—	—	—
47.	Inj. Morprim (30 ml.)	—	—	—	—	—

[Rao Dharam Pal]

		20	21	22	23	24
1	2	3	4	5	6	7
48.	Inj. Anacid (30 ml.)	—	—	—	—	—
49.	CALPHOUS-AD-3 (500 gm.	1	1	1	1	1
50.	Valvasam Bolus (6 tab.)	—	—	—	—	—
51.	Vetralam Bolus (4 Bolus)	1	1	1	1	1
52.	Valvasan Suspension (60 ml.)	1	1	1	1	1
53.	Absorbent Cotton (500 gm.)	1	—	—	1	1
54.	Kalmisol Bolus (10 Bolos)	1	1	1	1	1
55.	Kalmisol Powder (100 gm.)	1	1	1	1	1
56.	Analgin Inj. (300 ml.)	25	—	—	—	—
57.	Kalmbin Powder (50 gm.)	2	1	1	2	2
58.	Banminth Liquid (4½ lit.)	1	—	—	—	1
59.	Acriment Oint. (500 gm.)	2	1	1	1	1
60.	Lugol's Iodine (125 ml.)	6	4	4	4	4
61.	Sodium Acid Phosphat (500 gm.)	6	2	2	3	3
62.	Inj. Terramycin Inj. (LA) 30ml.	1	—	—	—	—
63.	Oxytetracycline Liquid (30ml.)	3	1	1	1	1
64.	Tab Anoraxon (2 Bolus)	8	4	4	6	6
65.	Nutrimilk Powder (1kg)	2	—	—	—	—
66.	Ravide (10 gm).	13	6	6	6	6
67.	Mineral Mixture(1kg)	4	2	2	4	4
68.	Sisal Roap (1kg)	20	12	12	16	24
69.	Clinosol Powder(1kg)	6	4	4	4	6
70.	Rasol Powder (1kg)	6	4	4	4	6

		20	21	22	23	24
1	2	3	4	5	6	7
71.	Oriprim U.Bolus(4 tab)	24	16	16	16	24
72.	Phenyle Liquid (1t)	52	14	31	36	3
73.	Inj. Benjathine (Pencline (48 lacs)	6	6	6	6	6
74.	Liv 52 powder (100gm)	8	8	8	8	8
75.	Styplan Tab(100tab)	10	10	10	10	10
76.	Cystone Powder(50gm)	10	—	—	10	10
77.	Khasona (400 gm.)	12	6	6	8	11
78.	Kamdhanu (1 kg.)	10	10	10	10	10
79.	Absorbent cotton (500 gm.)	6	6	6	6	6
80.	Biotosil (100 gm.)	10	10	10	10	10
81.	Prajana Cap (24 cap)	3	3	3	3	3
82.	Bolus Yeesac Bolus (10 bolus)	—	—	—	—	—
83.	Piprajin Liquid (4.5 lit.)	2	—	—	1	1
84.	Himax Oint. (kg.)	—	—	—	—	—
85.	Tympol Powder (kg.)	1	—	—	—	—
86.	Caflon Powder (1 kg.)	—	—	—	—	—
87.	Ossific Granules (100 gm.)	2	1	1	1	1
88.	Dhtamani Batisa (200 gm).	5	4	4	4	5
89.	Warmnil Powder (kg.)	2	—	—	—	—
90.	Anthalgo Liquid (450 gm.)	2	—	—	—	—
91.	Sulphaguanidine Tab (50 Tab.)	5	2	2	5	5
92.	Anthalgo Powder (500 gm.)	2	—	—	—	
93.	Direx powder (1 kg.)	1	—	—	1	1
94.	Rumicare Powder (1 kg.)	1	—	—	—	—
95.	Timpasyl powder	1	—	—	—	—
96.	Pipraxine Liquid	1	3	3	6	6

[Rao Dharam Pal]

The detail of medicines supplied to various veterinary Hospitals during the year 1993-94

Sr. No.	Name of Medicien	25	26	27	28	29
		Hassanpur	Bhiruki	Tappa-Bilochpur	Chandat	Allawan-pur
1	2	3	4	5	6	7
1.	Nutriliv Inj. (30 ml.)	1	1	1	1	1
2.	Sultrimax Inj. (30 ml.)	1	1	—	—	1
3.	Nutrisac (1 Kg).	2	1	—	—	2
4.	Dermocept (25 gm)	5	4	1	1	4
5.	Turpentine Oil (lt)	40	20	20	40	40
6.	Wormnil Plus (bilus 50)	6	5	4	5	6
7.	Entrox Powder (500gm)	14	8	9	9	11
8.	Z-tone (500 gm)	59	33	36	46	42
9.	Magnessiumsulp (1 kg).	115	30	60	100	100
10.	Inj. Calcium Boro-gluconate (Bottle of 450 ml.)	8	4	6	6	6
11.	Sulphadimidine Tab. (50 Tab.)	4	5	4	6	6
12.	Z-worm (500 gm.)	25	15	13	14	14
13.	H.B. Strong (10 gm.)	24	12	16	16	16
14.	Tab. Cofecum (20 tab.)	6	6	—	—	6
15.	Bandages (Doz.)	10	7	10	10	9
16.	Digestovet (1kg).	18	6	12	12	12
17.	Vetdastrol Powder (kg).	73	43	51	51	47
18.	Vetopyrin (kg).	20	17	21	21	19
19.	Pipragin powder (450 gm.)	4	2	2	2	2
20.	Kalmisol powder (10x5gm)	4	2	2	2	2
21.	Furazolidone Tab. (10 x 10 Tab.)	5	3	3	3	3
22.	Kalemban Vet (50 gm.)	4	2	2	2	2
23.	Z-Cof. (500 gm.)	12	9	8	9	8

		25	26	27	28	29
1	2	3	4	5	6	7
24.	Unexozine Powder (500 gm.)	16	10	12	12	10
25.	Cstrox Powder (500 gm.)	36	25	25	25	35
26.	Albendazole powder suspension (500 gm.)	4	8	4	4	8
27.	Myxodays Powder (500 gm.)	1	—		—	1
28.	Maxim Herbal (Oinment 50 gm.)	2	—		—	1
29.	Himalyan Batisa (1 kg.)	1	—	—	—	1
30.	Pestoban Liquid (100 ml.)	3	—	—	—	2
31.	Teeburb Cap (24 cap).	11	9	9	9	10
32.	Prajna Cap (6 cap.)	5	—	—	—	5
33.	Galog Strong (4 Bolus)	8	4	4	4	4
34.	Inj. Centamycin (30 ml.)	12	7	12	13	11
35.	Streptomycin Inj. (1 gm.)	40	20	35	40	45
36.	Inj. Benzyle Penclline (48 lacs).	30	10	30	40	30
37.	Mini Mix Powder (kg).	1	1	1	1	1
38.	Oxytetra Tab (4 tab).	4	3	3	3	4
39.	Linto Concentrate (50gm,)	2	2	2	2	2
40.	Inj. Oxytetracyline (30ml.)	1	1	1	1	2
41.	Inj. Vetalog (5 ml.)	-	-	-	1	1
42.	Onfeed Bolus (4 tab)	2	2	2	2	2
43.	Inj. Oxymer (30 ml.)	4	—	—	—	4
44.	Inj. Morprim (5 ml.)	6	—	—	—	6
45.	Inj. Remote Vety. (10 ml.)	5	—	—	—	5
46.	Inj. Sequil (5 ml.)	6		—	—	6
47.	Inj. Morprim 30 ml.)	4	—	—	—	4

[Rao Dharam Pal]

		25	26	27	28	29
1	2	3	4	5	6	7
48.	Inj. Anacid (30 ml.)	3	—	—	—	3
49.	Calphous-AD-3 (500 gm.)	1	1	1	1	1
50.	Valvasam Bolus (6 tab).	2	-	-	-	-
51.	Vetramla Bolus (4 Bolus).	2	1	1	1	2
52.	Valvazan Suspension (60ml.).	2	1	1	1	2
53.	Absorbent Cotton. (500gm).	2	1	1	1	1
54.	Kalmisol Bolus (10 Bolus)	1	1	1	1	1
55.	Kalmisol Powder (100 gm)	2	1	1	1	1
56.	Analgin Inj. (300 ml.)	25	—	—	—	—
57.	Kalmbin Powder (50 gm.)	2	1	2	2	2
58.	Banminth Liquid (4½ lit.)	1	—	—	1	—
59.	Acriment Oint. (500 gm.)	2	4	1	1	1
60.	Lugol's Iodine (12 ml.)	6	4	4	4	4
61.	Sodium Acid Phosphate (500 gm.)	6	2	3	4	4
62.	Inj. Terramycin Inn. (LA) 30 ml.	1	—	—	—	—
63.	Oxytetracycline Liquid (30 ml.)	3	1	1	1	1
64.	Tab. Anoraxon (2 bolus)	8	4	6	6	6
65.	Nutrimilk Powder (1 kg.)	1	—	—	—	—
66.	Ranide (10 gm).	13	6	6	6	6
67.	Mineral Mixture (1 kg.)	4	2	2	2	2
68.	Sisal Roap (1 kg.)	20	12	20	20	16
69.	Clinosol Powder (1 kg.)	5	4	4	4	4
70.	Rasol Powder (1 kg.)	5	4	4	4	4

		25	26	27	28	29
1	2	3	4	5	6	7
71.	Oriprim U.Bolus (4 tab.)	20	16	16	16	16
72.	Phenyle Liquid (Lt.)	46	14	31	51	36
73.	Inj. Benjathine pencline (18 lacs)	6	6	6	6	6
74.	Liv 52 Powder (100 gm).	1	1	1	1	1
75.	Styplan Tab (100 tab.)	10	10	10	10	10
76.	Cystone Powder (50 gm.)	10	—	—	—	—
77.	Khasona (400 gm.)	9	6	10	10	8
78.	Kamdhanu (1 kg.)	10	10	00	10	10
79.	Absorbent Cotton (500 gm.)	6	6	6	6	6
80.	Biotosil (100 ml.)	10	10	10	10	10
81.	Prajana Cap (24 cap).	3	3	3	3	3
82.	Bolus Yeosac Bolus (10 bolus)	—	—	—	—	—
83.	Piprejin Liquid (4.5 lit.)	1	—	1	1	2
84.	Himax Oint. (kg.)	—	—	—	—	—
85.	Tumpol Powder (1 kg.)	—	—	—	—	1
86.	Caflon Powder (1 kg.)	1	—	—	—	1
87.	Ossific Gramules (100 gm.)	2	1	1	1	1
88.	Bhramani Batisa (200 gm.)	5	4	4	4	5
89.	Warmnil Powder (kg.)	1	—	—	—	—
90.	Anthalgo Liquid (450 gm.)	2	—	—	—	—
91.	Sulphaguanidine Tab (50 Tab.)	6	5	5	5	4
92.	Anthalgo Powder (500 gm.)	1	—	—	—	—
93.	Dirax Powder (1 kg.)	1	1	1	1	1
94.	Rumi care Powder (1 kg.)	1	—	—	—	—
95.	Timpasyl Powder (1 kg.)	1	—	—	—	—
96.	Pipraxine Liquid (500 ml.)	1	6	6	6	6

[Rao Dharam Pal]

The detail of medicines supplied to various Vety. Hospitals during the year 1993-94

		30	31	32	33	34
Sr. No.	Name of Medicines	Katesra	Pirthla	Dhatir	Jaindapur	CVH Palwal
1	2	3	4	5	6	7
1.	Nutriliv Inj. (30ml.)	—	1	1	1	2
2.	Sultrimax Inj. (30 ml.)	—	1	—	—	2
3.	Nutrisac (1 kg).	—	2	—	—	3
4.	Dermocept (25 gm).	1	4	1	1	8
5.	Turpentine Oil (Lit.)	10	60	20	20	150
6.	Wormnil Plus (Bolus 50)	4	8	3	4	21
7.	Entrox Powder (500 gm.)	7	14	7	7	39
8.	Z-tone (500 gm.)	28	70	32	31	183
9.	Magnessium sulp (1. kg.)	30	150	75	75	267
10.	Inj. Calcum Boro-Bluconate (Bottle of 450ml.)	3	14	4	4	26
11.	Sulphadimidine Tab. (50 Tab.)	2	8	3	3	18
12.	Z-Worm (500gm)	13	15	13	13	45
13.	H.B.Strong (10gm.)	12	26	12	12	71
14.	Tab. Cofecum (20tab.)	—	6	—	—	12
15.	Bandages (Dozens)	9	13	10	9	19
16.	Digestovet (1 kg.)	6	18	6	6	48
17.	Vetdastrol Powder (kg.)	39	56	45	42	194
18.	Vetopyrin (kg.)	20	23	19	19	29
19.	Pipragin Powder (450 gm.)	2	2	2	2	10
20.	Kalmisol Powder (10.5 gm).	2	2	2	2	11
21.	Furazolidone Tab. 10 x 10 Tab.)	2	3	3	3	10
22.	Kalemban Vet (50 gm.)	2	2	2	2	5
23.	Z-Cof. (500 gm.)	8	11	8	8	34

		30	31	32	33	34
1	2	3	4	5	6	7
24.	Unexonine Powder (500 gm.)	10	14	12	10	24
25.	Gastrox Powder (500 gm.)	25	36	25	25	70
26.	Albendazole suspension (500 ml.)	4	8	4	4	32
27.	Myxodys Powder (500 gm.)	—	1	—	—	3
28.	Maxim Herbal Ointment (50 gm).	—	2	—	—	2
29.	Hamalyan Batisa (1 kg.)	—	2	—	—	3
30.	Pestoban Liquid (100 ml.)	—	3	—	—	5
31.	Teeburb Cap. (24 cap.)	8	10	9	9	35
32.	Prajna Cap. (6 cap).	—	5	—	—	10
33.	Galog Strong (1 Bolus)	4	4	4	4	16
34.	Inj. Gentamycin (30 ml.)	10	18	13	9	30
35.	Streptomycin Inj. (10 ml.)	15	80	35	15	215
36.	Inj. Benzyle Penicilline (48 lacs).	15	45	30	20	115
37.	Mini Mix Powder (kg.)	1	1	1	1	4
38.	Oxytetra Tab (4 Tab.)	4	4	4	3	18
39.	Linto Cencentrate (50 gm.)	1	2	2	2	11
40.	Inj. Oxytetracyline (30 ml.)	—	1	1	1	7
41.	Inj. Vetalog (5 ml.)	—	1	1	—	4
42.	Onfeed Bolus (4 tab.)	1	2	2	2	10
43.	Inj. Oxymor (30 ml).	—	4	—	—	8
44.	Inj. Morprim (5 ml).	—	6	—	—	16
45.	Inj. Remote Vet. (10 ml.)	—	5	—	—	5
46.	Inj. Sequil (5 ml.)	—	6	—	—	6
47	Inj. Morprim (30 ml.)	—	4	—	—	5

		30	31	32	33	34
1	2	3	4	5	6	7
48.	Inj. Anacid (30 ml.)	—	3	—	—	6
49.	Calphousad-3 (500 gm.)	—	1	1	1	8
50.	Valvasam Bolus (6 tab.)	—	1	—	—	3
51.	Vetranmla Bolus (1 Bolus)	1	2	1	1	6
52.	Valvasan suspension (60 ml.)	1	2	1	1	2
53.	Absorbent Cotton (500 gm.)	—	1	—	1	8
54.	Kalmisol Bolus (10 Bolus).	1	1	1	1	5
55.	Kalmisol Powder (100 gm).	1	1	1	1	5
56.	Analgin Inj.(30ml)	—	25	—	—	40
57.	Kalmbin Powder (30gm).	1	2	2	2	—
58.	Banminth Liquid (4½ Lit).	—	1	—	—	3
59.	Acriment Oint(500gm).	1	2	1	1	9
60.	Ligol's Iodine (125ml).	4	6	4	4	21
61.	Sodium Acid Phosphate (500 gm.)	—	6	1	3	17
62.	Inj. Terramycine (LA) (30 Ml.)	—	1	—	—	3
63.	Oxytetracycline Liquid (30ml.).	—	3	1	1	5
64.	Tab Anoraxon (2 Bolus).	—	8	6	6	13
65.	Nutrimilk powder (1kg).	—	1	—	—	4
66.	Ranide (10 gm).	6	13	6	6	36
67.	Mineral Mixture (1 kg).	2	3	3	2	8
68.	Sisal Rope (1 kg).	18	24	20	16	32
69.	Clinosol Powder (1 kg).	4	6	4	4	13
70.	Rasol Powder (1 kg).	4	6	4	4	13

	30	31	32	33	34
1 2	3	4	5	6	7
71. Oriprim U.Bolus (4 tab).	16	24	16	16	60
72. Phenyle Liquid (Lt.)	14	36	36	16	189
73. 3 Inj. Benjathine Pencline (48 lacs)	6	6	6	6	22
74. Liv. 52 Powder (100 gm.)	8	8	8	8	26
75. Syplan Tab. (100 Tab.)	10	10	10	10	28
76. Cystone Powder (50 gm.)	10	10	10	—	10
77. Khasona (400 gm),	9	12	9	8	15
78. Kandhanu (1 kg.)	10	10	10	10	35
79. Absorbent cotton (500 gm.)	6	6	6	6	26
80. Biotosil (100 ml.)	10	10	10	10	32
81. Prajana Cap. (24 cap)	3	3	3	3	15
82. Yeesac Bolus (10 Bolus)	—	—	—	—	7
83. Piprajin Liquid (4.5 Lit.)	—	—	—	—	4
84. Himax Oint. (kg).	—	—	—	—	1
85. Tympol Powder (1kg).	—	1	—	—	1
86. Caflon Powder (1kg).	—	1	—	—	1
87. Ossific Granules (100gm)	—	2	1	1	9
88. Dharamni Batisa (200gm)	4	4	4	4	7
89. Warmoil Powder (kg).	—	1	1	1	3
90. Anthalgo Liquid (450 ml).	—	1	—	—	4
91. Sulphaguanidine Tab. (50 Tab).	1	5	5	5	17
92. Anthalgo Powder (500gm).	—	1	—	—	3
93. Dirax Powder (1 kg.)	—	1	1	1	—
94. Rumicare Powder (1 kg.)	—	1	—	—	3
95. Timpasyl Powder (1kg.)	—	1	—	—	3
96. Piprazine Liquid.	2	8	6	6	2

Plying of buses

236. **Shri Karan Singh Dalal** : Will the Minister of State for Transport be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to start Bus Service on the following routes of district Faridabad during the year 1995 :—

(i) Palwal to Yadupur via Alika ;

(ii) Palwal to Jalalpur via Aherwan ; and

(iii) Palwal Saroli via Kishorpur.

परिवहन राज्य मन्त्री (श्री बलबीर पाल शाह) :

(i) जी, नहीं।

(ii) पलवल-जलालपुर- अहेरवां-बिछपरी मार्ग पर हरियाणा राज्य परिवहन फरीदाबाद द्वारा पहले से बस सेवा चलाई जा रही है।

(iii) हरियाणा सरकार द्वारा बनाई गई निजीकरण स्कीम के अन्तर्गत, पलवल-सारोली वाया किशोरपुर मार्ग पर बस सेवा जय दुर्गे परिवहन सहकारी समिति द्वारा चलाई जा रही है।

अध्यक्ष द्वारा ऑब्जर्वेशन

Mr. Speaker : Hon'ble Members, I am to observe that under Rule 6, every member is required to sign on Attendance Register each day. I read out rule 6 in this regard which is as under :—

> "There shall be an Attendance Register for the Members which shall be signed by every Member on each day of his attendance in the presence of an official deputed by the Secretary for the purpose"

But it has come to my notice that several members have not signed the Attendance Register, yesterday. I request that the Hon'ble Members may please sign the Attendance Register as per requirement in the Rule.

स्थगन प्रस्ताव का ध्यानाकर्षण प्रस्ताव में परिवर्तन

Mr. Speaker : Hon'ble Members, I have received an adjournment motion given notice of by Shri Om Parkash Chautala, M.L.A. and 12 other members regarding police firing and lathi charge on farmers at Narnaund. I have converted it into calling attention motion and have admitted it for today. Shri Om Parkash Chautala may read his notice.

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, यह बड़ा अहम मुद्दा है और यह केवल नारनौंद की ही बात नहीं है बल्कि इस सरकार की आदत बन गई है कि निहत्थे लोग जो अपनी जायज मांगें लेकर सरकार के पास जाएं तो उन पर लाठियां और गोलियां बरसाई जाती हैं। आप इस ऐडजर्नमैंट मोशन को एडमिट करें और उस पर चर्चा हो ताकि पता लग सके कि पुलिस फायरिंग से जो लोग मरे हैं, उसमें वे लोग दोषी थे या नहीं। सरकार ने सारे कानून-कायदे तोड़कर अप्रजातांत्रिक तरीके से उनकी जायज और मुनासिब बातों को न सुनकर उन पर गोलियां बरसाई और बड़ी जल्दबाजी में यह निर्णय लिया गया। विशेष रूप से यह मामला नारनौंद क्षेत्र से जुड़ा हुआ है। (विघ्न)

Mr. Speaker : No lecture please. You may read your notice please.

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे अनुरोध करूंगा कि इसे एडजर्नमैंट मोशन मान कर चर्चा कर ली जाए।

Mr. Speaker : I have given my ruling that the adjournment motion has been converted into calling attenion motion.

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : आपकी रूलिंग को हम मानते हैं लेकिन मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि इस पर ऐडजर्नमैंट मोशन के तौर पर क्यों न चर्चा कर ली जाए ? इसमें केवल मासूम लोगों के मारने की बात नहीं है.... । (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : आप अपना नोटिस पढ़िए।

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, इस पर पुनर्विचार करके इसे एडजर्नमैंट मोशन मान लिया जाए।

श्री अध्यक्ष : मैंने जो डिसीजन दिया है, वह फाइनल है।

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : आपको अधिकार है कि आप अपने डिसीजन को बदल सकते हैं। इस मामले के साथ हम पुंडरी वाले किस्से को नहीं जोड़ रहे हैं। इस पर विचार कीजिए, यह बड़ा जरूरी मामला है।

चौधरी बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी ने जो बात कही है, वह बड़ा गंभीर मामला है। भारतीय किसान यूनियन की बैठक सिरसा में हो तो गोली चले, टोहाना में हो तो गोली चले। भारतीय किसान यूनियन की मीटिंग नारनौंद में हो तो गोली चले। यह मामला बहुत गंभीर है। काल अटैंशन मोशन से काम चलने वाला नहीं है। मैं आपसे अनुरोध करूंगा कि इसे ऐडजर्नमैंट मोशन की शक्ल में ही एडमिट करें। अगर किसी वजह से आप यह समझते हैं कि ऐडजर्नमैंट मोशन के रूप में नहीं एडमिट कर सकते तो अंडर रूल-84 के तहत इस पर डिसकशन करवा दें।

प्रो० सम्पत सिंह : स्पीकर सर, हमारी पार्टी के सभी सदस्यों ने और चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी ने आपको स्थगन प्रस्ताव दिया था। कुछ मुद्दे ऐसे होते हैं जो ऐसे करन्ट होते हैं, उन्हीं को लेकर स्थगन प्रस्ताव आया करता है, इसमें हाउस में सभी मैम्बर्ज को अपनी बात कहने का मौका मिलता है। अब हम सारे अपनी बात कहेंगे और गवर्नमैंट अपना जवाब दे देगी तो इसमें क्या फर्क पड़ता है। स्पीकर सर, ध्यानाकर्षण प्रस्ताव में केवल एक-एक, दो-दो सवाल ही पूछे जा सकते है। इसी लिये हमने स्थगन प्रस्ताव दिया है और बड़ा ही क्रीफ सा दिया है। अगर काल अटैन्शन मोशन देते तो सारी बातें उसके अन्दर एक्सप्लेन करते कि क्या-क्या हुआ है और किस किस तरह से हुआ है। पृथला कांड हुआ, क्लावड़ में गोली चली, नारनौल में गोली चली और सीसिंग कांड हुआ, टोहाना का कांड हुआ, उन मरने वाले लोगों की चिताओं की राख भी अभी तक ठंडी नहीं हुई थी कि यह नारनौंद में भी गोली कांड हो गया और लोगों को बेतहाशा अन्धाधुन्ध गोलियों से भून दिया गया। अभी सैशन शुरू होने से पहले, एक नौजवान मुश्किल से 19–20 साल का ही होगा, वह पुलिस की गोली से मारा गया। ऐसी अन्धा-धुन्ध लाठियां गोलियां चलीं कि विवाह स्थल को भी नहीं बख्शा गया। (शोर) वहां पर शादी हो रही थी। वह चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी का हल्का है। वहां उस परिवार को भी नहीं बख्शा गया। औरतों के ऊपर भी गोलियां-लाठियां बरसाई गयीं। नारनौंद के मुहल्लों में घुस-घुस कर गोलियां चलाई गयीं। इस लिये आप से हमारी प्रार्थना है कि आप अपने निर्णय पर दोबारा विचार करें और इस काल अटैन्शन मोशन को स्थगन प्रस्ताव में बदल देवें ताकि उस पर खुलकर पूरी बहस हो सके। सरकार को पूरे फैक्टस को सामने लाना चाहिये ताकि लोगों को सही पोजीशन का पता लग सके।

स्पीकर साहब, यह मुद्दा जो अपोजीशन ने उठाया है, यह एक बहुत ही अहम मुद्दा है। इस पर आपको व सरकार को दोबारा विचार करना चाहिये और सरकार को व स्पीकर साहब आपको अपने निर्णय पर फिर से विचार करना चाहिये।

स्पीकर साहब, गवर्नर ऐड्रैस में महात्मा गांधी जी का नाम लिया गया और वे लोग भी बड़े पीसफुल ढंग से अपनी बात को कहने के लिए मन्त्री महोदय के पास आ रहे थे। स्पीकर साहब, इनकी पार्टी यह नोटिस जारी कर देती कि हमारे मन्त्री पब्लिक के किसी आदमी को नहीं मिलना चाहते। लेकिन उल्टा हुआ, लोगों पर गोलियां चलानी शुरू कर दीं।

श्री अध्यक्ष : सम्पत सिंह जी, आप बैठिये। ओम प्रकाश जी, आप अपना मोशन पढ़े।

Prof. Chhattar Pal Singh : Speaker Sir, I want to say something on this issue. I am an un-attached member of this House.

Mr. Speaker : No please, take your seat.

Prof. Chhattar Pal Singh : Speaker Sir, I am a member of this House and a member of un-attached party, which has been recognised by you. * * * * * * *

Mr. Speaker : Please take your seat. (Interruptions). Nothing should be recorded (Interruptions). Whatever he is saying, don't record anything. (Interrruptions). Chautala Sahib, you please read your motion.

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, आपने अपनी रूलिंग दे दी है । हम इसका अहतराम करते हैं । हमारी आपसे फिर प्रार्थना है कि आप अपने निर्णय पर पुनर्विचार कर लेवें और इस काल अटैन्शन मोशन को स्थगन प्रस्ताव में बदल देवें । यह बड़ा ही अहम मुद्दा है और इस पर डिस्कशन होनी चाहिये ताकि सभी को अपनी-अपनी बात कहने का मौका मिल सके और सही पोजीशन सब के सामने आ सके ।

Mr. Speaker : Chautala Sahib, you please read your motion.

चौधरी ओमप्रकाश चौटाला : स्पीकर साहब, आप इसको एडजर्नमैंट मोशन एडमिट करें ताकि आपको व इन सब भाईयों को पता लग जाए कि ऐसा क्यों हुआ और सरकार का इसके पीछे क्या मकसद था ?

Mr. Speaker : Not allowed. You may read your motion only. चौटाला साहब, गवर्नर ऐड्रैस है, बजट है, सप्लीमैन्ट्री ऐस्टीमेटस हैं उन पर बोलते हुए आप अपनी बात कह सकते हैं । (शोर)

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : स्पीकर साहब, लोगों के घरों में घुस-घुस कर गोलियां बरसाई गयी । जिस लड़के को गोली मारी गई आज भी उसके सिर के बाल नारनौंद के जिस मकान में वह बचने के लिए छुपा, उसकी छत के साथ लटके पड़े हैं । (शोर) इसलिये हमारी प्रार्थना है कि आप अपने निर्णय पर पुनर्विचार करें और मैम्बर्ज को उस पर डिस्कशन का समय दें ताकि सारी पोजीशन क्लीयर हो जाए । (शोर)

Mr. Speaker : It has been reconsidered. The Call Attention motion stands.

प्रो० सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, हमें भी थोड़ा सा समय बोलने के लिये दें । शायद हमारी बात सुनने के बाद आप हमारी बात को मान लें । (शोर)

श्री अध्यक्ष : सम्पत सिंह जी, आप बैठिये । I have already given my ruling in this regard. Now, Sh. Om Parkash Chautala may please read the notice and the Chief Minister may please make a statement thereafter.

---

*Not recorded as ordered by the chair.

सर्वश्री ओम प्रकाश चौटाला*, सम्पत सिंह, धीरपाल सिंह, अमर सिंह ढांडे, बलवन्त सिंह, सूरजभान काजल, जिले सिंह, जय पाल सिंह, कृष्ण लाल, रमेश कुमार राम कुमार कटवाल, भरत सिंह तथा अरविन्द्र सिंह ।

इस महान सदन का ध्यान एक अत्यन्त लोक महत्व के विषय की ओर दिलाना चाहते हैं कि हरियाणा सरकार ने पिछले एक वर्ष के दौरान बिजली दरों में भारी वृद्धि करके छोटे उपभोगताओं व विशेषकर किसानों की रीढ़ की हड्डी तोड़ दी है। एक तरफ अघोषित कट के कारण बिजली का अत्यन्त अभाव है और दूसरी तरफ सरकार ने पिछले वर्ष 50 प्रतिशत से लेकर 112 प्रतिशत तक बिजली की दरों में वृद्धि की है। पिछले तीन वर्षों में बिजली की दरों में साढ़े तीन गुणा वृद्धि हो चुकी है। जब भी लोगों ने इस वृद्धि का विरोध किया है तो उनको बदले में लाठियां व गोलियां खानी पड़ी। पूथला, नारनौल, निसंग व टोहाना में पुलिस की गोलियों से मारे गए लोगों की चिताएं अभी ठंडी भी नहीं हुई थी कि एक मार्च 1995 को नारनौंद में प्रजातान्त्रिक तरीके व शांतिमय ढंग से बिजली दरों में वृद्धि के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे किसानों को घेर कर उन पर लाठियां व गोलियां बरसाई, जिसके परिणाम-स्वरूप शमशेर सिंह नामक किसान मारा गया व सैकड़ों किसान घायल हो गए। कुछ महिलाएं भी गम्भीर रूप से घायल हुई।

इस बात को लेकर हरियाणा के निवासियों में बड़ा रोष है और विशेषकर किसानों में जबरदस्त आतंक है। अतः वे सरकार से निवेदन करते हैं कि वह इस संबंध में सदन में एक वक्तव्य दे।

अध्यक्ष महोदय, जिस तरीके से बिजली की दरों में वृद्धि की गई थी और इत्तफाक से किसान यूनियन के लोग बिजली मन्त्री से अपनी बातें मनवाने के लिए इनके पास गए थे। बिजली मन्त्री महोदय का वहां जाने का प्रोग्राम था लेकिन उसके बावजूद वे वहां नहीं गए। उन्होंने फिर एक तारीख तय की और उस तारीख पर मन्त्री महोदय की विशेष रूप से जिम्मेदारी थी कि जो भी प्रार्थी मन्त्री महोदय के सामने अपनी बात कहने जाए, उसकी बात प्रजातान्त्रिक तरीके से सुनी जाए। अगर सरकार की कोई मजबूरियां हों तो सरकार उसको स्पष्ट करे। लेकिन अध्यक्ष महोदय, उनकी बात को सुनना तो दर किनार बल्कि उस नारनौंद को एक पुलिस छावनी में बदल दिया गया। रास्तों पर जगह जगह अवरोध खड़े कर दिए गए, पुलिस की चौकियां बिछा दी गई। निहत्थे लोग अगर किसी तरीके से वहां पहुंच गए तो उन पर बरबर्ता का सबूत दे कर के बिना नोटिस के लाठियां बरसाई गई, गोलियां चलवाई गई और खास कर जो लोग घरों में छिपने का प्रयास कर रहे थे उनको पीछे से गोलियां लगीं। अध्यक्ष महोदय जो लड़का मारा गया उसके सिर के पीछे गोली लगी। वह एक मकान में घुस गया था और उस मकान की छत के ऊपर उसके बाल टंगे हुए

*Read by Sh. Om Parkash Chautala.

थे । यह मैं स्वयं देख कर आया हूं । अध्यक्ष महोदय, वह बिजली मन्त्री महोदय का क्षेत्र है और वह इनका अपना गांव है । ये एक ऐसे मन्त्री हैं जिन्होंने महम कांड के कारण इस्तीफा दे दिया था । तो आज उनकी नैतिकता कहां चली गई । उस मेहम कांड के मुद्दे को ले करके ग्रेवाल कमिशन ने रिपोर्ट दी थी । जिस कैबिनट में ये मन्त्री थे उसके मुख्य मन्त्री को बरी उलजमा करार दिया गया । आज स्वयं मुख्य मन्त्री और मन्त्री महोदय के हाथ खून से रंगे हुए हैं । अध्यक्ष महोदय, नैतिकता के आधार पर बात करने वाले लोग इस बात को थोड़ा सा स्पष्ट करें कि क्या इस तरीके से, अप्रजातान्त्रिक तरीके से लोगों की आवाज को गोलियां मार कर बन्द किया जा सकता है । यह बड़ा अहम मुद्दा है यदि इस पर रोकथाम नहीं की गई तो यह केवल चन्द लोगों की बात नहीं, हरियाणा प्रदेश के एक करोड़ 60 लाख लोग सड़कों पर आ जाएंगे और इस प्रकार से अप्रजातान्त्रिक तरीके अपना कर लोगों को गोलियों से भूनने वाली सरकार के खिलाफ उनमें बगावत आ जाएगी और प्रदेश में अफरा तफरी मच जाएगी ।

वक्तव्य—

मुख्य मंत्री द्वारा उपरोक्त ध्यानाकर्षण प्रस्ताव सम्बन्धी

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल) : अध्यक्ष महोदय, आपका बहुत लम्बा तजुर्बा है और आप बहुत काबिल हैं । चौटाला साहिब भी परमात्मा की कृपा से थोड़े दिन मेरे वाली कुर्सी पर बैठे हैं लेकिन ज्यादा दिन नहीं बैठ पाए । इनको ध्यान होना चाहिए कि कॉल अटेन्शन में जो बात लिखी हुई होती है वही पढ़नी होती है और उसके अलावा भाषण की बात नहीं होती लेकिन इन्होंने कॉल अटेन्शन मोशन पढ़ने के बाद अपना भाषण भी दे दिया इसलिए मुझे भी कुछ कहना पड़ेगा । अध्यक्ष महोदय, इनको तकलीफ और बातों की है । इस बात की नहीं है ये किसानों के हमदर्द नहीं हैं । हरियाणा प्रदेश के किसान यह अच्छी तरह से जानते हैं कि ये कितने किसानों के हमदर्द हैं । प्रदेश के किसान यह भी जानते हैं कि इन के समय में प्रदेश के अन्दर किसानों की क्या हालत होती थी । लेकिन अध्यक्ष महोदय, जिसको कुर्सी काट जाए उसका संसार में कोई ईलाज नहीं है । ये महानुभाव कुर्सी के काटे हुए हैं । जैसे कोई कुत्ता पागल हो जाता है तो वह चक्कर काटता है वैसे ही ये कुर्सी के लिए चक्कर काट रहे हैं । प्रदेश के लोगों को गुमराह करके बहकाने की कोशिश करते हैं । अध्यक्ष महोदय, जहां तक बिजली का ताल्लुक है जिस मामले को लेकर वहां पर ऐसा माहौल हुआ है, उसके बारे में मैं बताना चाहूंगा । बी० के० यू० के लोग सिंघासी ढाबों में खेलते हैं । हम यह मानते हैं कि हमने बिजली के रेट मामूली बढ़ाए हैं और यह इसलिए बढ़ाए हैं क्योंकि आप सभी जानते हैं कि कोल बहुत महंगा हो गया, बिजली का सारा सामान महंगा हो गया । हमारे जो पुराने थर्मल प्लांट लगे हुए हैं उनसे हम जो बिजली पैदा करते हैं वह एक रुपया पचास

[चौधरी भजन लाल]

पैसे पर यूनिट घर में पड़ती है। उन थर्मल प्लांटस में जो बिजली पैदा करते हैं वह कभी 90 लाख यूनिट कभी 100 लाख यूनिट और कभी 110 लाख यूनिट लेकिन स्टेट में बिजली चाहिए साढ़े तीन सौ या पौने चार सौ लाख यूनिट। हम 200 लाख यूनिट बिजली भारत सरकार से लेते हैं। हम भारत सरकार से एक रुपया 80 पैसे से लेकर 2 रुपए 30 पैसे के भाव से लेते हैं और हम किसान को फ्लैट रेट पर 60 पैसे पर यूनिट और मीटर पर 50 पैसे पर यूनिट के हिसाब से देते है। आप यह भी जानते हैं कि बिजली बोर्ड को कितना घाटा होता है। बिजली बोर्ड में घाटा होने की वजह से वर्ल्ड बैंक भी हमें लोन नहीं देता। वर्ल्ड बैंक कहता है कि आपका बिजली बोर्ड दिवालिया होता जा रहा है हम लोन कैसे दें। अध्यक्ष महोदय, लोन लेकर वापिस न दें तो लोन कैसे मिलेगा। इसलिए हमने नाम मात्र बिजली के रेट बढाए हैं। इस बारे में इन्होंने इस बात को किस तरह से तूल दी है। कह दिया कि सिधासी तौर पर बड़ा भारी अन्याय हो गया, जुल्म हो गया। इन्होंने अपने वक्त में तीन बार बिजली के रेट बढ़ाये थे। जब कुर्सी चली जाती है तो और तरह की बात करते हैं और लोगों को गलत तरीके से गुमराह करते हैं। बी0के0यू0 के लोगो ने दो महीने पहले यह कहा कि मंत्री यहां नारनौंद में आएं और हमारी बातों का जवाब दें। उनका यह कोई तरीका नहीं हैं। अगर किसी को कोई काम है या कोई शिकायत है तो उनको मंत्री के पास आना चाहिए। यहां चण्डीगढ़ में आए, हिसार में आएं, हांसी में आएं तहसील हैडक्वार्टर पर आएं कहीं भी आएं वे मुझे और मंत्री से मिल सकते हैं और हमारे सामने अपने दुःख और तकलीफ कह सकते है। बी0 के0 यू0 के लोग मेरे से बीसियों बार मिले हैं। दिल्ली में भी मिले थे। (शोर)

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : सिंसिग में भी मिले थे। (शोर)

चौधरी भजन लाल : हां, सिंसिग में भी मिले हैं और चौटाला में भी मिले हैं। (मंत्री) महम में भी मिले हैं। अध्यक्ष महोदय, हमने उनकी जायज बातें हमेंशा मानी है। उन लोगों की यह गलत बात है कि एक मन्त्री वहां जा करके उनकी बात का जवाब दे। यह उनकी कोई मुनासिब बात नहीं है। बी0 के0 यू0 के लोगों ने मंत्री जी को पहले एक बड़ी सख्त चिट्ठी लिखी वह चिट्ठी मन्त्री जी के पास है। मैंने उनसे प्रार्थना की कि अगर आपको कोई शिकायत है तो आप मुझे मिलें या मन्त्री जी को मिलें। वे लोग मेरे से मिले और उनको इस बात की तसल्ली हो गई कि हमने जो बिजली के रेट बढ़ाए हैं वे मामूली हैं। अध्यक्ष महोदय, चौधरी वीरेन्द्र सिंह ने महम की चर्चा कर दी और कह दिया कि उन्होंने महम में जो काण्ड हुआ वह दिल दहलाने वाला था इसलिए इन्होंने उनके मन्त्रीमण्डल से अपना अस्तीफा दे दिया था। अध्यक्ष महोदय, महम काण्ड बहुत ही दिल दहलाने वाला था और उनकी मिसाल संसार में कहीं पर भी नहीं मिलेगी। इन्होंने उस समय जितना घटिया और घिनौना काम वहां पर किया ऐसा काम संसार में कोई आदमी नहीं कर सकता। प्रजातन्त्र में लोगों को गोलियों से भून दें इससे घटिया काम और क्या हो सकता है।

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : मेहम के बारे में प्रेवाल आयोग की रिपोर्ट सदन के पटल पर रखी गयी है, उस पर भी अमल करो। (विघ्न) सेकिया आयोग या और जो दूसरे आयोगों की रिपोर्ट तुम्हारे पास हैं उन पर अमल करो हम उनको फेस करेंगे। जहां तक बिजली की बात है, 5 पैसे में बिजली मिलती है और 60 पैसे में किसानों को देते हैं। आप किसानों को कितनी बिजली दे रहे हैं, गलत बात कह कर हाउस को गुमराह करते हैं। (विघ्न)

चौधरी भजन लाल : पानी की बिजली भी आज के दिन 60 पैसे पर यूनिट से कम नहीं पड़ रही। आपके पास पढ़े-लिखे चौधरी सम्पत सिंह जी बैठे हैं, इनसे पूछ लो कि किस रेट पर बिजली पड़ती है। यह पानी वाली बिजली हमें बड़ी मुश्किल से 2 परसेंट तक ही मिल पाती है। अध्यक्ष महोदय, मेरा कहना यह है कि कोई आदमी जो बात कर रहा है, कहने से पहले उसे अपने अन्दर झांक लेना चाहिए कि वह किस मुंह से कौन सी बात कह रहा है। चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी ने इन की सरकार के गलत कामों से तंग आकर त्यागपत्र देकर बड़ी बहादुरी का काम किया।

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : अभी हाल ही में नारनौंद में मासूम लोगों को गोलियों से भून दिया।

Prof. Chhattar Pal Singh : Speaker Sir, on a point of order.

Mr. Speaker : No point of order please. The Chief Minister may continue his reply.

चौधरी भजन लाल : अब मैं रिटन स्टेटमैंट पढ़ देता हूं। हरियाणा सरकार किसानों की समस्याओं जिनका उन्हें सामना करना पड़ रहा है, के बारे पूर्णतया सचेत है तथा उनका समाधान करने के लिए कदम उठा रही है। राज्य सरकार लोगों को जिनमें किसान भी शामिल हैं, को अपने दुख शान्तिपूर्वक एवं नियमित रूप से प्रकट करने की अनुमति नागरिकों के शान्तिपूर्ण एकत्रित होकर अपनी मांगें संविधान में निहित भाषण एवं अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता के मूल अधिकारों को ध्यान में रख कर दे रही है। जब भी कभी लोगों द्वारा कोई प्रदर्शन किया गया तो राज्य सरकार ने हमेशा ही बड़े सोचित तरीके से कार्यवाही की। किसी भी शान्तिपूर्ण आन्दोलनकर्ता को डराने या पीड़ा पहुंचाने का प्रश्न ही नहीं उठता। अपितु आन्दोलन की आड़ में किसी को भी कानून अपने हाथ में लेने की अनुमति नहीं दी जा सकती। आन्दोलनकर्ता टोहाना, नारनौल, पृथला, निसिंग आदि स्थानों पर अव्यवस्था फैलाना चाहते थे और जनता की जिन्दगी, सार्वजनिक अधिकारियों तथा सरकार और नागरिकों की सम्पत्ति के साथ खिलवाड़ करना चाहते थे। सरकार इस बात की उत्सुक है कि किसी के साथ कोई अन्याय ना हो तथा उपरोक्त कुछ घटनाओं में आयुक्त पद के अधिकारियों द्वारा जांच की गई है। यह स्पष्ट किया जाता है कि सरकार की किसी को भी आशंकित करने की बिलकुल नियत नहीं है।

[चौधरी भजन लाल]

भारतीय किसान यूनियन ने दिनांक 1-3-95 को अनाज मण्डी नारनौंद में एक आन्दोलन करने का विचार बनाया था और यह सूचना प्राप्त हुई थी कि भारतीय किसान यूनियन के सक्रिय कार्यकर्ता आन्दोलन के दौरान आगजनी तथा जन सम्पत्ति को नुकसान पहुंचायेंगे । 1 मार्च, 1995 से पहले उपायुक्त हिसार, उपायुक्त जीन्द, पुलिस अधीक्षक, हिसार तथा अन्य अधिकारियों ने भारतीय किसान यूनियन के सक्रिय कार्यकर्ताओं के साथ जो इस बात पर अड़े हुए थे श्री बीरेन्द्र सिंह विद्युत मन्त्री, हरियाणा जनसभा में आकर उनके प्रश्नों का उत्तर दें, से बातचीत करने का प्रयत्न किया । उनके अड़ियल बर्ताव को देखते हुए विद्युत मन्त्री, उनके प्रतिनिधि मण्डल के साथ नारनौंद, हांसी, हिसार या किसी अन्य स्थान पर मिलने के लिए राजी हो गए । यह सभी प्रयत्न विफल रहे क्योंकि भारतीय किसान यूनियन के नेताओं में किसानों की वास्तविक समस्याओं को उभारने की बजाए उनके राजनैतिक स्वार्थ निहित थे जिस कारण वे अड़े हुए थे । स्थिति से निपटने के लिए जिला पुलिस हिसार ने कानून एवं व्यवस्था को बनाये रखने के लिए व्यापक पुलिस प्रबन्ध किए थे । जिलाधीश हिसार ने थाना बरवाला, नारनौंद तथा सदर हांसी के क्षेत्र में अपराध दण्ड संहिता की धारा 144 की भी घोषणा की थी ।

कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने एक राजपत्रित अधिकारी की निगरानी में नारनौंद के अन्दर दाखिल होने के सभी स्थानों पर पिकेटें लगाई थी । नारनौंद-पेटवाड़ सड़क पर भा0कि0यू0 के 3000 सक्रिय कार्यकर्ता जो लाठियां, जेलियां और पत्थर लिए हुए थे, ने पुलिस बल पर हमला कर दिया । श्री आर0सी0 शर्मा एस. डी. एम. हिसार तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हिसार घटना स्थल पर पहुंचे और उन्होंने भीड़ को शान्तिपूर्वक रहने के लिए समझाने की पूरी कोशिश की परन्तु भीड़ ने पुलिस पर हमला जारी रखा । भीड़ को दमकल, अश्रु गैस, रबड़ की गोलियां, प्लास्टिक की गोलियां तथा लाठी प्रहार द्वारा तितर बितर करने के सभी प्रयत्न निष्फल रहे । डिप्टी मैजिस्ट्रेट के आदेश पर 4 रौंद चलाये गये ।

भा0कि0यू0 के 300 कार्यकर्ता अनाज मण्डी के पास एकत्रित हुए और वहां पर भारी पथराव किया और थाना पर भी आ गये और पत्थर फैंके । श्री एच. एस. राणा डिप्टी मैजिस्ट्रेट, अतिरिक्त उपायुक्त हिसार को भी पत्थर लगे और भीड़ ने बहुत सी गाड़ियों को क्षति पहुंचाई । स्थिति को नियंत्रित करने व भीड़ को तितर बितर करने के लिए पुलिस ने पानी की बौछार, अश्रु गैस तथा लाठी प्रहार किया । तत्पश्चात भा0कि0यू0 के कार्यकर्ता दुबारा पेटवाड़ सड़क के नाका के पास एकत्रित हो गए और नारनौंद पहुंचने के लिए भारी मात्रा में पत्थर फैंक कर पुलिस घेराबन्दी तोड़ने की कोशिश की । स्थिति को नियन्त्रण में करने के लिए पुलिस को दुबारा पानी की बौछार, अश्रु गैस तथा लाठी चार्ज का प्रयोग करना पड़ा । पुलिस

तथा सिविल प्रशासन ने न्यूनतम बल का प्रयोग किया तथा भीड़ को समझा कर काबू करने का प्रयत्न किया लेकिन उनके प्रयत्न सफल नहीं हो सके । तब सम्पति तथा जीवन की क्षति को बचाने के लिए इसे न्यूनतम बल का प्रयोग करना पड़ा ।

भा0कि0यू0 के कुछ सक्रिय कार्यकर्ता चोरी छुपे नारनौंद गांव पहुंचे और गांव वालों को भड़काया जिन्होंने पेटवाड़ रोड नाका से वापिस आ रही पुलिस टुकड़ियों पर छतों पर चढ़ कर भारी पथराव किया । पुलिस ने रास्ता साफ रखने के लिए भीड़ का कई बार पीछा किया । इस अफरातफरी में शमशेर सिंह लोहान पुत्र श्री वेद प्रकाश निवासी भैनी अमीरपुर या तो छत से गिर गया या उसे कोई ईंट या पत्थर लगा और बाद में उसकी हस्पताल में मृत्यु हो गई । डाक्टरों के एक बोर्ड जिनमें जनरल हस्पताल हांसी के डा0 एस. के. गुप्ता, डा0 एस. एस. मलिक और डा0 के. एस. राठौर ने मृत्यु का कारण निम्नलिखित बताया :-

"इस केस में हमारी राय में मृत्यु का कारण खोपड़ी तथा दिमाग पर चोट लगना है, जो कि मौत होने के लिए पर्याप्त है । चोट छत से गिरकर नहीं लगी । यह चोट ईंट/पत्थर से लगी होने की सम्भावना है । चोट अग्नि शस्त्र से नहीं पहुंचाई जा सकती" ।

एक आवाज : अध्यक्ष महोदय, उन पर दबाव डाल कर यह रिपोर्ट 11-00 बजे तैयार करवाई है ।

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं सदन में यह बात कहता हूं कि आज तक हमने किसी भी डाक्टर को कोन नहीं किया है कि आप ऐसी गलत रिपोर्ट तैयार करवाएं । यह सब कुछ तो आपके वक्त में होता था और यह आपका ही काम है । अगर एक भी डाक्टर यह कह दे कि हमने उसे टैलिफोन किया था तो हम इस्तीफा देकर घर चले जाएंगे ।

इस सम्बन्ध में थाना नारनौंद में मुकदमा नं० 53 दिनांक 1-3-95 धारा 188/148/149/353/332/307/341 भा० द०स० भा०कि०यू० के .1 सक्रिय कर्यकर्ताओं के विरुद्ध नाम के साथ दर्ज किया गया । इस के अतिरिक्त इस केस में अनुसन्धान के दौरान 7 अन्य व्यक्तियों को भी गिरफ्तार किया गया जो दिनांक 16-3-95 तक न्यायिक हिरासत में है । आगे तफतीस की जा रही है ।

यह आरोप लगाया गया था कि शीशपाल पुत्र दलीप सिंह जाट निवासी भैनी अमीरपुर गुम है । अपितु आरोप बिलकुल गलत और निराधार है । शीशपाल को उपरोक्त केस में गिरफ्तार किया गया था और वह 16-3-95 तक न्यायिक हिरासत में है ।

धारा 144 भा0द0स0 की उल्लंघना करने पर थाना सदर हांसी में एक अन्य मुकदमा नं० 56 दिनांक 1-3-95 धारा 188 भा0द0स0 दर्ज किया गया जिसमें

[चौधरी भजन लाल]

भा०कि०यू० के 41 सक्रिय कार्यकर्ता गिरफ्तार किये गये । जिनमें से 22 दोषियों को अब तक जमानत हो चुकी है जबकि 19 अन्य दोषी दिनांक 15-3-95 तक न्यायिक हिरासत में है । अपितु दिनांक 1-3-95 से पहले 7 निवारक गिरफ्तारियां भी की गई थी ।

अतिरिक्त उपायुक्त हिसार, दो उप पुलिस अधीक्षक, एक उप निरीक्षक, 16 अन्य पुलिस कर्मचारी 6 भा०कि०यू० के सक्रिय कार्यकर्ताओं सहित इस घटना में घायल हुए । यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि कोई भी महिला घायल नहीं हुई राज्य सरकार ने मृतक के निकटतम सम्बन्धी को दो लाख रुपये की अनुग्रह अनुदान राशि देने की घोषणा की है तथा मृतक के परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने का प्रस्ताव रखा है ।

यह फिर दोहराया जाता है कि हम नागरिकों के भाषण तथा अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता के अधिकार का सम्मान करते हैं परन्तु किसी भी व्यक्ति को कानून अपने हाथ में लेने की अनुमति नहीं दी जा सकती । हरियाणा राज्य के निवासियों और विशेषकर किसानों में किसी प्रकार का रोष या आतंक नहीं है ।

अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मैं एक बात और बताना चाहूंगा कि एस० जे० पी०, हरियाणा विकास पार्टी और भारतीय किसान यूनियन के 86 लोग उस गांव में गए । वहां जाकर उन्होंने कहा कि उसकी अस्थियां हम पूरे हरियाणा में घुमाएंगे । अध्यक्ष महोदय, सारे गांव ने कहा कि हम ऐसा नहीं करेंगे । उनमें से एक कैप्टन महावीर ने उठकर कहा कि अगर आप यहां पर अपनी राजनीतिक रोटियां सेकने आए हैं तो हम आपको वह नहीं करने देंगे और आप वापिस चले जाएं । अगर आप यहां पर अफसोस करने आए हैं तो आप यहां बैठ जाएं । हम आपको गांव के साथ खिलवाड़ नहीं करने देंगे । हम अस्थियां सवेरे 6 बजे ही चुग आए हैं और उन्हें गढ़गंगा भेज दिया है । अध्यक्ष महोदय, मैं इस बात के लिए सारे गांव को बधाई देता हूं और हमारी सरकार उनके साथ है । हमने यह हिदायत दी हुई है कि इस घटना में अगर कोई भी दोषी होगा तो उसको सजा दी जाएगी । हमारी सरकार का किसानों के प्रति बहुत अच्छा रवैया है । उनके प्रति हमारी सरकार की हमदर्दी है ।

अध्यक्ष महोदय, मेरी आपके द्वारा इन लोगों से विनती है कि यह लोगों को जाकर भड़काएं नहीं । अगर कोई सरकार का दोष हो तो हमें बताएं और हम इस बात के लिए इनका स्वागत भी करेंगे । अध्यक्ष महोदय मैंने अपनी बात सदन में आपके सामने रख दी है । अब आपके सामने वीरेन्द्र सिंह जी अपनी बात रखेंगे । धन्यवाद ।

प्रो० छत्तर पाल सिंह : स्पीकर सर, सरकार शमशेर सिंह के बारे में कोई मुकदमा दर्ज नहीं कर रही है एस०पी० की गोली शमशेर सिंह को लगी है ।

* * * * * * (शोर एवं व्यवधान)

*Not recorded as ordered by the Chair.

श्री अध्यक्ष . . ये बिना इजाजत के बोल रहें हैं और जो भी कह रहे हैं इसको रिकार्ड न किया जाए। (शोर एवं व्यवधान) Chhattar Pal Ji, please take your seat.

श्री छत्तर पाल सिंह : स्पीकर सर, * * * *

श्री अध्यक्ष : छत्तर पाल जी, आप बैठिए। आप बीरेन्द्र सिंह जी को बोलने दें।

बिजली मंत्री (श्री वीरेन्द्र सिंह) ; स्पीकर सर, बहुत ही खेद की बात है कि एक मार्च को नारनौंद गांव में एक 19–20 साल का नौजवान जो 10+2 का स्टूडैन्ट था, की मृत्यु हो गयी। हमने बहुत कोशिश की कि बी0 के0 यू0 के लोग जिन्होंने बार-बार यह कहा कि बिजली मंत्री हमारे सामने रूबरू हो, हमारी सभा में आएं और जो हम सवाल करें, उनका पूरी तरह से जवाब दें कि क्यों बिजली कटती है, रेट्स क्यों रिवाइज़ किए गए है इस प्रकार की 5–6 बातों को लेकर उन्होंने एस0डी0एम0 को चिट्ठियां लिखी, डी0 सी0 को लिखी, सीधी मुझे लिखी, मुख्यमंत्री जी को भी लिखी और मैंने बार-बार अपने अफसरों के जरिए एस0 डी0 एम0 के जरिए, डी0 सी0 के जरिए उनको न्यौता दिया कि वे जब चाहें सारे हरियाणा प्रान्त के जिस रैस्ट हाउस में चाहें मैं उनसे बात करने को तैयार हूं और तफ़सील से उनकी तसल्ली करने को तैयार हूं। बिजली कम क्यों है, रेट्स बढ़े हैं या नहीं बढ़े हैं, इन सारी बातों को विस्तार से बताने के लिए तैयार हूं। भारतीय किसान यूनियन के लोग जहां चाहें वहां हम जाने को तैयार हैं लेकिन पब्लिक मीटिंग में जाना अच्छा नहीं लगेगा क्योंकि वहां जो लोग इकट्ठे होते हैं उनको कंट्रोल करना न भारतीय किसान यूनियन के बस की बात रहती है, न किसी और के बस की बात रहती है, मौब की सैन्टेलिटी किस प्रकार की कब हो जाए किसी का उस पर कंट्रोल नहीं चलता। यह बात उनको समझाई गई। लेकिन बड़े अफसोस से कहना पड़ता है कि भारतीय किसान यूनियन के लोगों को पता नहीं यह बात क्यों समझ में नहीं आई। मेरे खिलाफ यह बड़ी जबरदस्त कंसपायरेसी थी। सरकार के खिलाफ यह बड़ी भारी साजिश रची गई थी। 23 जनवरी को बी0 के0 यू0 के लोग नारनौंद आए और उन्होंने अनाज मंडी में रैली की। उस रैली में सरकार की तरफ से कोई रुकावट नहीं डाली गई। वे दो अढ़ाई घंटे रैली करके गए। ऐ0 डी0 सी0 ने उनको आश्वासन दिया कि हम पहले भी आपको बता चुके हैं कि बिजली मंत्री आप से जब आप चाहें, जिस रैस्ट हाउस में चाहें, मिलने के लिए तैयार हैं। आज फिर आश्वासन देता हूं कि जब आप चाहे, जिस रैस्ट हाउस में चाहें, मिलने के लिए तैयार हैं इसलिए आप कृपा करके यहां से डिसपर्स हो जाइए। सर्दी का मौसम था वे लोग चले गए मैं अपने अड़ोस पड़ोस से बरवाला, बिराए से आए बी0 के0 यू0 के लोगों का आभार व्यक्त करता हूं। बी0 के0 यू के लोगों का कोई लोकल स्पाट नहीं था। सर्दी

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

[श्री वीरेन्द्र सिंह]

का मौसम था धरना देने की हिम्मत उनमें नहीं था। कुर्बानियों का मादा उनमें नहीं है, वे तो केवल ईशू क्रिएट करना चाहते थे। एक मार्च को उन्होंने फिर प्रोग्राम बनाया। मैंने फिर सन्देशा भिजवाया। 27 तारीख को मैंने रोहतक से प्रेस कांफ्रेंस के जरिए ब्यान दिया कि अब भी मैं किसी भी रेस्ट हाउस में बात करने को तैयार हूं कृपा करके आएं और बात करें। आपको जो गलत फहमी है उसको दूर करें, अगर ऐसी कोई नावाजिब बात हो गई हो। बिजली के रेट्स वगैरह दुबारा मुकर्रर करने में सरकार का और बिजली बोर्ड का दिमाग पूरी तरह से खुला है। हम इनको दुबारा से देख सकते हैं। यह मैंने संदेशा पहुंचाया लेकिन उन्होंने मेरी बात नहीं मानी। एक तारीख को नारनौंद में चारों तरफ से बी0 के0 यू0 के लोगों ने आना शुरू किया। पुलिस को लाठी चार्ज भी करना पड़ा, हवा में गोली चलानी पड़ी। बड़ी बदकिस्मती की बात है कि भैणियां मीरापुर मेरा ही गांव है। नारनौंद गांव एक दादा की औलाद है। जो हम कहानी सुनते हैं वे तीन भाई थे दो भाई नारनौंद में बस गए और एक ढाणी में। नारनौंद गांव में तो मेरी मुखालफत हो सकती है, मैं इससे इन्कार नहीं करता। भैणियां मीरपुर गांव जो है वह जोगिन्द्रसिंह जी के हल्के में पड़ता हैं। यह सारे का सारा गांव मेरे इलैक्शन में जाता है, वे इस बात के गवाह हैं। मुझे कभी भी कोई मरोड़ का काम करना होता है तो मैं इसी गांव के दमखम पर करता हूं। इसी गांव का वह परिवार मेरा फालअर है। हमेशा हम एक दूसरे के दुख: सुख में आते जाते है। विवाह शादियों में आना जाना होता है और उसी परिवार का वह लड़का है जो मेरा है जिसका हमें बेहद दुःख है। इसके लिए जितना अफसोस किया जाए थोड़ा है। स्पीकर साहब, मैं क्या बताऊं कि वहां पर ऐसा प्रचार चलाया गया कि जैसे स्वयं वीरेन्द्र सिंह ने ही उस लड़के को गोली मारी हो। एस0 जे0 पी0, हरियाणा विकास पार्टी के लोगों ने इस तरह का घिनौना प्रचार वहां पर किया लेकिन ईश्वर की दया है, आप सब भाईयों की दया है आप सब मुझे भलीभांति जानते है कि जिस आदमी की जीवन में छवि बन जाती है तो उसका इमेज लोगों के दिमाग में बढ़ जाता है। इन लोगों के घिनौने प्रचार के बावजूद इनकी हर कोशिश नाकाम रही। जो भी सुनता था वह यही कहता था कि और कोई आदमी तो यह काम कर सकता है लेकिन वीरेन्द्र सिंह जैसा आदमी ऐसा काम नहीं कर सकता। स्पीकर साहब, इस सारे कांड का मुझे एक तारीख को पता चला। मैं चण्डीगढ़ में ही था। दो तारीख को मैं वहां पर चला गया। मुझे बड़ा डराया धमकाया गया कि अगर वीरेन्द्र सिंह वहां गया तो उस गांव के लोग यह कर देंगे, वह कर देंगे। (शोर) स्पीकर साहब मैंने अपना गन मैन छोड़ा, अपनी पुलिस एस्कार्ट छोड़ी, सरकारी गाड़ी छोड़ी, प्राईवेट गाड़ी ले कर मातमपोशी के लिए, अफसोस करने के लिए, गोडा निवाने के लिए, अपने भाई बन्धुओं के बीच, अपने ताऊ चाचा के बीच में उस गांव में गया और अफसोस किया। उसके बाद मैं वापिस आ गया। मैंने कोशिश की कि उस गांव में, उस इलाके में फिर किसी प्रकार का आतंक न फैल जाए और राजनीतिक लोगों को किसी बात का मौका न दिया जाए, उस इलाके के लोग फिर

भड़क न जाएं, मैं वहीं पर ही बैठा रहा क्योंकि राजनीतिक लोगों ने उस इलाके में सरकार के खिलाफ, मेरे खिलाफ लोगों को भड़का रखा था। आखिर में इन लोगों ने यह प्रोग्राम भी बना रखा था कि उस मरने वाले लड़के की अस्थियों को लेकर पहले नारनौंद गांव में ले जाया जाए उसके बाद 16 के 16 जिलों में उनको घुमाया जाए लेकिन इनकी यह साजिश सिरे नहीं चढ़ पाई। यह सारी बातें अखबारों में आईं। सारे गांव वालों ने मिलकर यह फैसला किया कि यह जो जवान लड़का मर गया है उसकी लाश पर से इन राजनैतिक नेताओं को अपनी रोटियां सेकने की इजाजत नहीं दी जाएगी। मुख्यमन्त्री महोदय ने कहा कि हरियाणा सरकार इस के लिए उस गांव वालों की आभारी है और वीरेन्द्र सिंह इंडीविजुअल कपैसिटी में भी उस गांव वालों का आभारी है कि जिन्होंने इन अपोजीशन वालों की चालों को नाकाम कर दिया। इन्होंने जो बावेला मचा रखा था लोगों ने उसको नकारा। इन लोगों ने तो बैनर लगा रखे थे कि खून का बदला खून से लिया जाएगा। स्पीकर साहब, गोडा निवाने तो हमारे चौटाला साहब भी वहां गये थे और उन्होंने वहां पर यह कहा कि खून का बदला खून से लिया जाएगा। स्पीकर साहब, एक आदमी जो इस प्रदेश का मुख्यमन्त्री रह चुका हो वह ऐसी बातें करे। मुख्यमन्त्री चाहे जिन कारणों से बने हों लेकिन ऐसा करना, कहना उनके लिये शर्म की बात है। अब यहां पर ये लोग नैतिकता की बात किस मुंह से करते हैं ? जो इनको तकलीफ थी, वह इनके मुंह से निकल गई। ऐसी बातें करके ये लोग मेहम कांड को सिलीमाईज करना चाहते हैं। मेहम कांड तो वह कांड है जो इतिहास में सदा-सदा के लिए याद रहेगा। हिन्दुस्तान में प्रजातन्त्र के इतिहास में अगर कोई सब से बड़ा बदनुमा धब्बा है तो वह मेहम कांड का है और उसके हीरो ओम प्रकाश चौटाला हैं। ये प्रजातन्त्र को समाप्त करने की कोशिश कर रहे थे। ये प्रजातन्त्र में यकीन नहीं करते, इसका सबूत यह है कि इस प्रदेश में पानी के बंटवारे के खिलाफ 1985-86 में जब न्याय युद्ध चल रहा था तो उस समय मैं भी कांग्रेस का विरोधी था। चौधरी देवी लाल के नेतृत्व में वह न्याय युद्ध चल रहा था। उस समय हमारी धारणा थी कि पानी के बंटवारे में हमारे साथ भेदभाव बरता जा रहा है। इसलिए हमने वह न्याय युद्ध चलाया था। वह युद्ध महात्मा गांधी द्वारा दिखाए गए रास्ते से चलाया गया था। उस समय चौधरी देवी लाल ने पद यात्रा शुरु की तो चौटाला साहब उसके खिलाफ थे। ये कहा करते थे कि पैदल चलने से क्या होगा। इन्होंने उस समय इश्तिहार निकाले थे जिनकी प्रति किसी दिन मैं सदन में दिखाऊंगा। आप उसका एक-एक वाक्य पढ़ना। उसका एक-एक वाक्य ऐसा है कि सैडीशन का मुकदमा दर्ज होना चाहिए था। उसमें लोगों के जजबात भड़काने की कोशिश की गई थी। पता नहीं उस वक्त मुख्य मन्त्री चौधरी बंसी लाल थे या चौधरी भजन लाल थे। मुझे समझ में नहीं आता कि इनकी निगाह से वे पम्फलैट कैसे रह गए। आज यह प्रजातन्त्र की बात करते हैं। अध्यक्ष महोदय, 1990 के जो मेहम के चुनाव हुए उस बारे में कहते हैं कि उस मामले को लेकर वीरेन्द्र सिंह ने अस्तीफा दे दिया और आज वीरेन्द्र सिंह की नैतिकता कहां चली गई। स्पीकर साहब, वीरेन्द्र सिंह में नैतिकता हमेशा रही है। मैं मर सकता हूं लेकिन नैतिकता नहीं

[श्री वीरेन्द्र सिंह]

छोड़ सकता (विघ्न) चौधरी ओम प्रकाश जी क्या कसूर था उन लोगों का जिन पर दनादन गोलियां चलाई गई । आपको तो इस बात का खेद है कि मैं कांग्रेस पार्टी में आने के बाद मन्त्री क्यों बन गया । इस बारे में तो मुख्य मन्त्री जी जाने, धर्म पाल मलिक जी जाने, कांग्रेस पार्टी जाने या कांग्रेस पार्टी की हाई कमांड जाने । मैं सदन में ईमानदारी से कहता हूं कि मैंने न मुख्य मन्त्री जी को न धर्मपाल मलिक जी को यह नहीं कहा कि मुझे मन्त्रिमण्डल में शामिल किया जाए । मैंने चौधरी देवी लाल को भी कभी नहीं कहा था लेकिन मैं उनका आभारी हूं कि जब भी कभी उनकी सरकार बनी तो उन्होंने मुझे मन्त्री बनाया । मैं चौधरी भजन लाल का, कांग्रेस पार्टी का और चौधरी धर्म पाल मलिक का आभारी हूं । पता नहीं उन्होंने मेरे में क्या देखा कि कांग्रेस में आने के एक साल में ही मुझे मन्त्री बना दिया । तो मैं गुजारिश कर रहा था कि मेहम में आठ व्यक्तियों का केवल यह कसूर था कि वे चौटाला को वोट नहीं देना चाहते थे इसलिए उनको गोलियों से भूना गया । हमने सोचा कि प्रजातन्त्र में जनता की किसी प्रकार की शिकायत अगर हमें मिलती है तो उसको दूर किया जाए । हम जैसे लोग छोटे किसान के घर पैदा हुए लोग हैं और आज इतनी ऊंची जगह पर पहुंचे हैं । अगर इस देश से प्रजातन्त्र ही समाप्त हो गया तो फिर वहां पर बड़े-बड़े लोगों का ही राज रहा करेगा और बड़े-बड़े घरानों के लोग ही हकूमत किया करेंगे । प्रजातन्त्र के लिए ही हमारे पूर्वजों ने लड़ाई लड़ी थी और सैंकड़ों साल तक हमारे पूर्वज अपनी कुर्बानियां देते रहे । अगर उस प्रजातन्त्र पर फिर आंच आए और लोग खुले तौर पर अपने वोट का अधिकार इस्तेमाल न कर सकें उनको उस अधिकार से रोका जाए तो उस सरकार में रहना अच्छा नहीं होता इसलिए मैंने उस समय उस सरकार से अपना अस्तिफा दिया था और अस्तिफा देकर मैं उस सरकार से बाहर आ गया । यह नैतिकता की बात थी । सिद्धांत की बात थी । असूल की बात थी । आज के हालात में और उन हालात में बड़ा अन्तर है । परमात्मा न करे अगर आज के हालात में वैसे हालात पैदा हुए तो वीरेन्द्र सिंह एक सैकिण्ड नहीं रुकेगा चाहे मैं कितने ही बड़े ओहदे पर हूं अपना अस्तिफा दे दूंगा । ओम प्रकाश चौटाला तीन चार दफा गद्दी पर बैठे और वह गद्दी मरोड़े खाती रही इनको टिकने नहीं दिया । आपने उस समय ऐसे हालात पैदा कर दिए जिनके बारे में सारे देश को पता है । श्री ओम प्रकाश चौटाला ने एक बात कही कि वीरेन्द्र सिंह आप अपने हल्के में जाना आपको पता लगेगा । स्पीकर साहब, मैं तो रहता ही अपने हल्के में हूं । मेरे बारे में आपको भली भांति पता है और आपके बारे में मुझे पता है । जो अपनी प्राइवेट बातें हैं वे मैं ताजिन्दगी किसी को नहीं बताऊंगा । वे बातें प्राइवेट ही रहेंगी । आप इस बात की शंका न करें । मैं अभी अपने हल्के में जाकर आया हूं और फिर जाऊंगा । मैं हांसी भी जाता रहता हूं और हिसार भी जाता रहता हूं मैं यह कोई दोष नहीं करता । मैं यह नहीं कहता कि मैं हमेशा ही चुनाव जीतता रहूंगा । मैं आपको एक बात बता देता हूं कि 1991 में

जो चुनाव हुए उनमें आपने पूरा जोर लगा लिया कि वीरेन्द्र सिंह चुनाव न जीते। उस समय रोहतक की पार्लियामैंट्री सीट के लिए चुनाव था तो चौधरी देवी लाल जी ने अपना दफ्तर नारनौंद हल्के में खोल दिया जब वे जाते थे तो नारनौंद हल्के में हो कर गुजरते थे वहां से वापिस आते तो नारनौंद से गुजरते थे लेकिन मैं फिर भी जीत कर आ गया। मुझे फख्र है और मैं यह बात विश्वास के साथ कहता हूं कि लोगों की नजरों से वीरेन्द्र सिंह कभी भी नहीं गिर सकता। वीरेन्द्र सिंह ऐसा काम कभी नहीं करेगा जिससे वह लोगों की नजरों से गिर जाए जैसे आप लोगों की नजरों से गिर चुके हो।

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, हमने जो एडजर्नमैंट मोशन दिया था उसको आपने कालिंग अटैंशन मोशन में बदल दिया और उसका जवाब आया। मुख्य मन्त्री ने कहा कि सरकार को परेशान करने के लिए उन लोगों ने पत्थर ट्रालियों में भरे हुए थे और लाठियां ली हुई थी। वे दफा 144 तोड़कर आए थे इसलिए मजबूर होकर सरकार को इस प्रकार का कदम उठाना पड़ा। एक तरफ तो मुख्य मन्त्री कहते हैं कि वे लोग इस किस्म की हरकत कर रहे थे इसलिए सरकार को मजबूर हो कर गोलियां चलानी पड़ी और दूसरी तरफ .....

श्री वीरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट प्रीफ आर्डर है। मुख्य मन्त्री जी ने काल अटैंशन मोशन का जवाब दिया है और काल अटैंशन मोशन मूव करने वाला सवाल पूछ सकता है, भाषण नहीं दे सकता। (शोर)

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, दुर्भाग्य की बात है कि ये एक दफा पार्लियामैंट्री अफेयर्ज मिनिस्टर रहे।

श्री वीरेन्द्र सिंह : वह तो आप भी रहे हैं।

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : मैं तो मुख्य मन्त्री रहा हूं और आप मेरे नीचे मंत्री रहे हैं।

श्री वीरेन्द्र सिंह : वह गलती हो गई, इसलिए वह पछतावा भी जिन्दगी भर नहीं जाएगा।

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, ये पछतावा मानते हैं। इन्होंने अपनी स्पीच में यह कहा है कि वह चौधरी देवी लाल जी के नेतृत्व में काम करते थे।

श्री वीरेन्द्र सिंह : पछतावा तो मैं आपके लिए कह रहा हूं। यह तो मैं अब भी कहता हूं कि मैंने चौधरी देवी लाल जी के नेतृत्व में काम किया है।

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : इन्होंने यह भी कहा था कि चौधरी देवी लाल जी ने पानी के मामले में हरियाणा प्रदेश के साथ जो बेइन्साफी की थी, उसके खिलाफ आन्दोलन किया । उस वक्त लोगों के इन्ट्रेस्ट को ध्यान में रखते हुए मैं उस न्याय युद्ध में शामिल हुआ था । जब यमुना पानी के बंटवारे का फैसला हुआ तो उस पर इनके दस्तखत छः दिन बाद करा लिए गए तब इनकी नैतिकता कहां चली गई ?

श्री बीरेन्द्र सिंह : चौधरी साहब, जब यह एग्रीमेंट हुआ था उस वक्त तो मैं मंत्री ही नहीं था ।

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : आज हरियाणा का इन्ट्रेस्ट इनके लिए कहां चला गया ? ये मन्त्री बनने के लिए दल-बदल कर गए और नैतिकता को त्याग कर बड़ी खुशामंद करके मन्त्री बन गए । लोगों के हितों के लिए जब ये न्याय युद्ध के सर्वेसर्वा थे तो अब इनके लिए हरियाणा का इन्ट्रेस्ट कहां चला गया, जब यमुना का एकार्ड हुआ ....(शोर)

श्री अध्यक्ष : आप सप्लीमेंटरी पूछिए ।

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : मैं सप्लीमैंट्री ही पूछ रहा हूं । जैसे मुख्य मंत्री महोदय ने बताया कि उन लोगों ने सरकार को परेशान करने के लिए ट्रालियों में पत्थर भरे हुए थे जो अफसरों/पुलिस पर बरसाए, इसीलिए सरकार ने गोलियां चलाई । साथ ही यह कहा कि वे कानून तोड़ रहे थे वह लड़का पुलिस की गोली से नहीं मरा बल्कि छत से गिर कर मरा । सरकार ने उस मरने वाले को 2 लाख रुपया मुआवजा दिया है तथा उसके परिवार के किसी एक आदमी को नौकरी देने की बात की है । मैं पूछना चाहता हूं कि जब छत से गिरने वाले को दो लाख रुपया मुआवजा दिया जाता है तो जो लोग नैचुरल कैलेमिटीज से मरते हैं, क्या उनको भी दो-दो लाख रुपया दिया गया है या दिया जाएगा । इसके साथ ही साथ मेरा यह कहना है कि अब नैचुरल कैलेमिटीज से फसलों को काफी नुकसान हुआ है । वहां पर यह सरकार किसानों की मदद के लिए यानी उनकी सहायता करने के लिए स्पैशल गिरदावरी भी करवाने के लिए तैयार नहीं है । मैं यह पूछना चाहता हूं कि सरकार इस बात का स्पष्टीकरण दे कि छत से गिर कर मरने वाले व्यक्ति को जब दो लाख रुपया मुआवजा दिया जा सकता है तो क्या नैचुरल कैलेमिटीज से मरने वालों को भी दो-दो लाख रूपया दिया जाएगा ? दूसरे मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या वह छत से गिर कर मरा या गोली लगने से मरा; अगर छत से गिर कर मरा तो कर दो लाख रुपया किस बात का दिया ।

सिंचाई मन्त्री (चौधरी जगदीश नेहरा) : अध्यक्ष महोदय, जो काल अटैंशन मोशन या इस पर एक या दो सवाल पूछे जा सकते हैं । ये सवाल पूछने की बजाए भाषण दे रहे हैं । चौधरी बीरेन्द्र सिंह जो तो पार्लियामैंटरी एफेयर्ज मिनिस्टर रहे

हैं । इनको सारी चीजों का पता है लेकिन चौटाला साहब को तो कुछ भी नहीं पता कि कब क्या कहना चाहिए । (शोर)

प्रो० छत्तर पाल सिंह : अध्यक्ष महोदय,.....

श्री अध्यक्ष : छत्तर पाल जी आप बैठिए । Please behave like a good legislator.

प्रो० छत्तर पाल सिंह : स्पीकर साहब, आप मेरी बात तो सुनिए। मैं कहना चाहता हूं । * * * * *

श्री अध्यक्ष : जो ये कह रहे हैं, वह रिकार्ड न किया जाए।

Prof. Chhattar Pal Singh : Speaker Sir, I want to say something on this issue. (Interruptions)

श्री अध्यक्ष : आप बैठिए । आपका तो कालिंग अटैंशन मोशन में नाम भी नहीं है। आप बैठिये । (विघ्न)

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, 3 डाक्टरों का बोर्ड बैठा था और 3 डाक्टरों के बोर्ड ने यह रिपोर्ट दी है इसमें लिखा है । "इस केस में हमारी राय में मृत्यु का कारण खोपड़ी तथा दिमाग पर चोट लगना है, जो कि मौत होने के लिए पर्याप्त है । चोट छत से गिर कर नहीं लगी । यह चोट ईंट/पत्थर से लगी होने की सम्भावना है । चोट अग्नि शस्त्र से नहीं पहुंचाई जा सकती" अग्नि शस्त्र से मतलब यह है कि गोली बगैरह से चोट नहीं लगी है । (विघ्न एवं शोर) जहां तक उनके परिवार की सहायता करने का सम्बन्ध है । अध्यक्ष महोदय, एक गरीब परिवार के नौजवान बेटे की मृत्यु हो गई, सरकार का भी कुछ कर्त्तव्य बनता है कि उनकी जो सहायता सरकार कर सकती है वह की जानी चाहिए । इसी नजरिये से हमने दो लाख रुपये देने की बात की है और उसके भाई या परिवार में किसी सदस्य को नौकरी देने की बात कही है ताकि उनके जख्मों को कुछ हद तक हम भर सकें। सरकार की हमेशा ऐसी कोशिश रहती है कि लोगों की मदद की जाए। मेहम हल्के में 6 लोगों की मृत्यु छज्जा गिरने से हो गई थी । मरने वाले एक-एक व्यक्ति के परिवार को 50-50 हजार रुपये की सहायता सरकार की तरफ से दी गई है । (विघ्न)

---

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया ।

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मुख्य मन्त्री जी ने फिर मेरे सवाल को घेर-घार कर खुर्द-बुर्द कर दिया है और ये हाउस को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं मुख्य मन्त्री जी से यह पूछना चाहूंगा कि क्या ईंट लगने से उसकी मौत हुई और यदि ईंट लगने से मौत हुई है तो क्या ईंट मारने वाले व्यक्ति के खिलाफ कोई मुकद्दमा दर्ज हुआ है ? (विघ्न) नारनौंद काण्ड में यह बात सही है कि शमशेर सिंह की मौत पुलिस फायरिंग से हुई है। सरकार की तरफ से बड़े पैमाने पर पुलिस की बैराबन्दी थी और निहत्थे लोगों पर पुलिस द्वारा गोली चलाई गई। इस बारे में बहुत से लोगों के खिलाफ मुकद्दमे भी दर्ज हुए हैं। अगर वह आदमी ईंट मारने से मरा है तो ईंट मारने वाले के खिलाफ भी जरूर मुकद्दमा दर्ज हुआ होगा। (विघ्न एवं शोर) अध्यक्ष महोदय, ईंट से मारने वालों के लिए तो सरकार 2 लाख रुपए का मुआवजा देती है। बल्लम्भा गांव में लोगों को 50-50 हजार रुपए दिए हैं और दूसरे लोगों को 2 लाख रुपए दिए हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मुख्य मन्त्री जी से यह जानना चाहूंगा कि जो लोग इसी प्रकार की घटना में मारे जाएंगे या कोई नैचुरल कलैमिटी में मारे जाएंगे क्या सरकार उनको भी आईन्दा इसी प्रकार से कम्पनसेट करेगी ? अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही यह भी स्पष्ट करें कि ईंट मारने वाले के खिलाफ कोई मुकद्मा दर्ज हुआ या नहीं और जिसके खिलाफ मुकद्मा दर्ज हुआ है उसका नाम भी बताएं।

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, ये खुद मुख्य मन्त्री रहे हैं और सारे प्रोसीजर का इन्हें पता है। केस दर्ज हो जाता है और जिसका कसूर पाया जाता है उसके खिलाफ मैजिस्ट्रियल इन्क्वायरी होती है और कसूरवार पाए जाने पर उसके खिलाफ कार्यवाही होती है।

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : एफ0 आई0 आर0 दर्ज की गई है तो उसमें नाम भी जरूर आए होंगे। अध्यक्ष महोदय, मैं इनसे कहूंगा कि ये नाम बताएं। (शोर एवं व्यवधान) मैं जानना चाहूंगा कि शमशेर सिंह की मृत्यु के लिए किस के खिलाफ एफ0 आई0 आर0 दर्ज की गई है ? एफ0 आई0 आर0 में नाम दर्ज होता है। शमशेर सिंह को ईंट किस ने मारी ? अध्यक्ष महोदय, ये इस बात को स्पष्ट करें। (विघ्न) मेरा कहना है कि हाउस को सही जवाब मिलना चाहिए। (विघ्न एवं शोर)

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, इन्क्वायरी की रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगा कि किसने ईंट मारी है। (शोर एवं व्यवधान))

(At this stage, Prof. Chhattar Pal Singh rose to speak)

Mr. Speaker : You are over acting. Please take your seat.

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, हाउस को गुमराह किया जा रहा है। शमशेर सिंह को ईंट मारने वाला कौन सा व्यक्ति है ? उसका नाम इन को बताना चाहिए।

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, कोई ओम प्रकाश चौटाला का नाम ले दे तो क्या उसको पकड़ लिया जाएगा ? ऐसे ही किसी को नहीं पकड़ा जा सकता है । यह तो इन्क्वायरी की रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगा कि किस ने ईंट मारी थी । (शोर एवं व्यवधान)

(At this stage, Prof. Chhattar Pal Singh again rose to speak)

Mr. Speaker You are over acting and you have got no concern with this calling attention motion as you have not given any such notice.

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मेरी राय में इनको नेम किया जाना चाहिए क्योंकि ये आपकी इजाजत के बिना बोल रहे हैं । (व्यवधान)

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है । लीडर आफ दी हाउस ने अभी कहा है कि इनको नेम किया जाए । क्या आपके अलावा किसी और को भी यह अधिकार है कि वह यह रूलिंग दे सकता है ? अध्यक्ष महोदय, यह अधिकार सिर्फ आप को ही है । इस बारे में हम आपकी रूलिंग चाहते हैं ।

चौधरी भजन लाल : यह अधिकार सिर्फ अध्यक्ष महोदय को ही है । मैंने तो सिर्फ अध्यक्ष महोदय को अपनी राय दी है और मैं अपनी राय दे सकता हूं ।

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, आप रिकार्ड मंगवा कर देख लें, अगर ऐसा होता रहा तो हाउस की डैकोरम बिगड़ जाएगा । हाउस का माहौल बिगड़ जाएगा । इस बारे में हम आपकी रूलिंग चाहते हैं ।

श्री अध्यक्ष : यह अधिकार सिर्फ स्पीकर का है । अगर कोई बार-बार इन्टरप्शन करे तो इस बारे में सरकार अपनी सुजैशन दे सकती है ।

प्रो० सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, आपकी जो रूलिंग आई है, इसको देने से पहले मिसअन्डर स्टैंडिंग हुई है । अध्यक्ष महोदय, किसी मैम्बर को हाउस से सस्पैंड करने के लिए तो किसी मैम्बर द्वारा आपको लिख कर दिया जा सकता है, लेकिन यह जो नेम करने का अधिकार है, वह केवल आपका ही अधिकार होता है । यह किसी के रिकोमैंडेशन से नहीं होता । स्पीकर साहब, आप आज तक का, कहीं का भी रिकार्ड देख लें, किसी ने कभी भी किसी को इस बारे में सुजैशन दी हो कि फलां मैम्बर को नेम किया जाए । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : सम्पत सिंह जी, आप इस बात को बढ़ावा न दें । यह अधिकार सिर्फ स्पीकर का ही होता है ।

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : स्पीकर साहब, मैं आपकी रूलिंग को मानता हूं जैसे आपने कहा कि स्पीकर को नेम करने के लिए कोई नहीं कह सकता तो क्या अध्यक्ष महोदय, आपकी अनुमति के बिना, अगर किसी ने ऐसा कहा है तो आप उसके खिलाफ कोई एक्शन लेंगे ? अध्यक्ष महोदय, अगर यह आपका अधिकार है और किसी ने अनाधिकार ऐसा कहने की चेष्टा की है तो क्या उसके खिलाफ कोई ऐक्शन लिया जाएगा ? अध्यक्ष महोदय, आपसे मैं इस मामले में भी रूलिंग लेना चाहूंगा । यह जिम्मेदारी भी तो अध्यक्ष की ही है ।

श्री अध्यक्ष : ओम प्रकाश जी, कोई भी इस ढंग की बात नहीं कही है ।

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, आप रिकार्ड मंगवाकर देख लें क्योंकि बाद में तो रिकार्ड भी खुर्दबुर्द हो जाएगा । यह बात तो ओन रिकार्ड है । आप कुछ करें या न करें इस बात से हमें कोई ऐतराज नहीं है (शोर एवं व्यवधान)

चौधरी ओम प्रकाश बेरी : अध्यक्ष महोदय, ...

श्री अध्यक्ष : बेरी साहब, क्या आप अपनी सीट से बोल रहे हैं ?

चौधरी ओम प्रकाश बेरी : अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी सीट से ही बोल रहा हूं । नारनौंद की घटना के बारे में मुझे भी तो सवाल पूछने का अधिकार है ।

श्री अध्यक्ष : बेरी साहब आप बैठिए और पहले चौधरी बंसीलाल जी को बोलने दें । आप उनकी भी इज्जत करें । (शोर) बंसीलाल जी भी इसमें हिस्सेदार हैं ।

श्री धीर पाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, आप पहले हमें इस पर सवाल पूछने के लिए टाईम दें ।

श्री अध्यक्ष : आपकी तरफ से तो सवाल पूछे जा चुके हैं, अब आप बैठिए ।

श्री धीर पाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, इस मामले पर एक एक प्रश्न पूछने का तो सभी को अधिकार दीजिये ।

श्री अध्यक्ष : सबको अधिकार नहीं दिया जा सकता । केवल दो या तीन मैम्बर्ज को ही इस मामले पर बोलने का अधिकार दिया जा सकता है । इसलिए अब चौधरी बंसीलाल जी को बोलने दें ।

चौधरी बंसीलाल : अध्यक्ष महोदय, नारनौंद इंसीडेंट के ऊपर हमने भी एक कालिंग अटेंशन मोशन दिया है और उस पर हमारे दस्तखत भी हैं इसलिए मैं पहले उस पर सवाल पूछूंगा । अध्यक्ष महोदय, श्री ओम प्रकाश चौटाला जी ने पूछा और मुख्य मंत्री जी ने जवाब दे दिया, चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी ने भी जवाब दे दिया ।

लेकिन मैं यह जानना चाहूंगा कि क्या सरकार इस बात के लिए तैयार है कि मैजिस्ट्रीयल इंक्वायरी होने की बजाए किसी हाई कोर्ट के सीटिंग जज से करा ली जाए ?

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, हाईकोर्ट के सीटिंग जज से इंक्वायरी कराने की आवश्यकता नहीं है । पहले मैजिस्ट्रीयल इंक्वायरी आएगी, उसके बाद देखेंगे कि मैजिस्ट्रीयल इंक्वायरी में क्या रिपोर्ट आती है । उसके बाद ही इस बारे में विचार किया जाएगा ।

चौधरी बंसीलाल : अध्यक्ष महोदय, इतनी बड़ी ज्यादती हुई है । मैं सदन में यह कहना चाहता हूं कि किसानों की या भारतीय किसान यूनियन की जहां भी मीटिंग होती है, चाहे वह नीलिंग में हुई हो टोहाना में हुई हो, या फिर नारनौंद में हुई हो, सभी जगहों पर फायरिंग हुई, तो अध्यक्ष महोदय, इसका क्या कारण है ? यह सरकार किसानों की मीटिंग्ज पर पाबंदी क्यों लगाती है ? अगर कोई आदमी तोड़फोड़ करे या किसी सरकारी प्रौपर्टी का नुकसान करे तो सरकार जो मर्जी चाहे, ऐक्शन ले, तब तो ठीक है लेकिन वे तो पीसफुली ऐजीटेशन करने जा रहे थे फिर ऐसा क्यों किया गया ? मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जब मैजिस्ट्रेट की इंक्वायरी आ जाएगी तब देखेंगे । अध्यक्ष महोदय, मैजिस्ट्रेट की इंक्वायरी तो वही आएगी जो सरकार कह देगी । मैं कहता हूं कि मुख्यमंत्री जी को ग्रेसफुली हाई कोर्ट के सीटिंग जज से जूडीशियल इंक्वायरी कराना मान लेनी चाहिए ।

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी ने कहा कि सरकार किसानों के खिलाफ है । बी० के० यू० के लोग जहां भी रैलियां करते हैं, आन्दोलन करते हैं उन पर लाठियां और गोलियां बरसाई जाती हैं । अध्यक्ष महोदय, सरकार किसी भी आदमी के खिलाफ नहीं है । चौधरी ओम प्रकाश चौटाला और चौधरी बंसी लाल मुख्यमंत्री रह लिए । इन के समय से कहीं ज्यादा आज की सरकार ने किसानों के लिए काम किया है । जहां तक पाबन्दी लगाने की बात है, कोई पाबन्दी का सवाल नहीं है । बंसी लाल जी कह रहे हैं कि मैजिस्ट्रेट इंक्वायरी में वही लिख देंगे जो सरकार कह देगी । मैं तो ओन-ओथ कह सकता हूं कि हमने सरकार की तरफ से आदेश दिया है कि निष्पक्ष इंक्वायरी करके अपनी रिपोर्ट दें, जिसके खिलाफ रिपोर्ट आएगी, सरकार उसके खिलाफ कार्यवाही करेगी । ज्यूडीशियल इंक्वायरी की जरूरत नहीं है ।

श्री और पाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, अभी मुख्यमंत्री महोदय ने नारनौंद फायरिंग और उस हादसे के बारे में जवाब दिया । मैं आपके माध्यम से एक बात कहना चाहता हूं, पता नहीं मुख्यमंत्री जी के पास कहां से तथ्य आते हैं । यहां भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता बैठे हुए हैं, उन्होंने एक आरोप लगाया था कि नारनौंद गोली कांड में दो लोग मरे, तो मुख्यमंत्री जी ने बड़ी बखूबी जवाब दिया था

[श्री धीरपाल सिंह]

कि दो लोग डूबकर मरे। सिंसिंग में फायरिंग हुई तो मुख्यमंत्री जी ने बड़े दमखम से कह दिया कि शराब पिए थे, एक दूसरे को मार दिया। फिर टोहाना में फायरिंग हुई उसके बाद नारनौंद में फायरिंग हुई। मुख्यमंत्री जी ने कह दिया कि छत से गिर गए थे, इसके बाद आगे मैडीकल रिपोर्ट में कहते हैं कि वे लोग छत से नहीं गिरे। *** *

श्री अध्यक्ष : यह शब्द रिकार्ड न किए जाएं।

श्री धीरपाल सिंह : मेहम में छज्जे से गिरने की बात के बारे में 50 हजार रुपये बहादुरगढ़ में सलोटी गांव में मुआवजे में दिए। 2-3 महीने पहले आसमानी बिजली गिरने से .....(विघ्न)

श्री अध्यक्ष : आप इसी प्वाईंट पर बोलिए।

श्री धीरपाल सिंह : यहां पर कहा कि 6 आदमी मरे उनको 50-50 हजार का मुआवजा दिया। मैं यह जानना चाहता हूं कि जो दो आदमी मरे हैं, उनको मुआवजा नहीं मिला। प्रदेश में ऐक्सीडैंट भी होते हैं उनको मुआवजा देने के बारे में भी सरकार आश्वासन दे, जिस तरह से इन्होंने मेहम की बात कही। पहले तो मारते हैं, फिर मुआवजा देते हैं, फिर इंक्वायरी होती है, आज प्रदेश के लोगों को इस सरकार पर कोई विश्वास नहीं रहा।

श्री अध्यक्ष : कृपया लैक्चर न दें।

श्री धीरपाल सिंह : सवाल यह है कि इसको स्पष्ट करें कि पहले आपने मरवाए फिर .....(विघ्न)

Mr. Speaker : No lecture please.

श्री धीरपाल सिंह : मैडीकल रिपोर्ट में यह दर्शाया है कि ईंट से मरे हैं, फिर छत से गिरने की बात कही है।

चौधरी भजन लाल : बता दिया कि छत से गिरे। डाक्टरों की रिपोर्ट यह कहती है कि छत से गिरने से मौत नहीं हुई, मौत ईंट या पत्थर लगने की वजह से हुई है।

श्री धीरपाल सिंह : छत की रिपोर्ट किसने दी है ?

चौधरी भजन लाल : चश्मदीद लोगों ने यह कहा कि छत के ऊपर से छलांग लगाई, कैसे लगाई, डर की वजह से लगाई, किस कारण से लगाई, यह इंक्वायरी में आएगा।

---

* अध्यक्ष के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

श्री धीर पाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, सी० एम० साहब यह तो बताएं कि उसने सिर की तरफ से छलांग लगाई थी या दूसरी तरफ से छलांग लगाकर उसका सिर फूटा था ? (शोर) जरा यह तो क्लीयर कर दें ।

सिंचाई मंत्री (चौधरी जगदीश नेहरा) : स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है । जब काल अटेन्शन मोशन का जवाब दे दिया जाए तो उसके ऊपर केवल एक दो सप्लीमैन्ट्री ही पूछे जा सकते हैं । (शोर)

श्री धीर पाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, हरेक मैम्बर को एक एक सप्लीमैन्ट्री पूछने का अधिकार होता है । (शोर) जरा किताब उठाकर देखिये ।

चौधरी जगदीश नेहरा : अध्यक्ष महोदय, हर मैम्बर को सप्लीमैन्ट्री पूछने का अधिकार नहीं होता । अब से पहले छः सात सप्लीमैन्ट्री पूछे जा चुके हैं और लगभग डेढ़ घण्टा से ऊपर का समय इस पर लग चुका है । यह कोई तरीका नहीं है । (शोर)

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, इनको आप जरा समझा दीजिये कि हरेक मैम्बर को सवाल पूछने का पूरा पूरा अधिकार है ।

श्री सतबीर सिंह कादयान : स्पीकर साहब, चीफ मिनिस्टर साहब ने यह कह दिया कि वह जो 18-19 साल का लड़का मरा है वह छलांग लगाने से मरा है । इनको यह तो बताना चाहिये कि आया वह पानी में छलांग लगाकर मरा है या नीचे गिरने से मरा है । कैसे मरा है ? (शोर) दूसरी बात यह भी कह दी कि ईंट लगने से मरा है । 41 आदमियों को पुलिस ने हिरासत में ले रखा है । क्या इन आदमियों ने पहने कंकर मारा था जो आगे जाकर ईंट बन गयी ? अगर वह लड़का ईंट से मरा है तो वह ईंट किसी एक ने ही मारी होगी ? सरकार ने फिर क्यों 41 किसानों को भयभीत कर रखा है । और हिरासत में ले रखा है ? शायद इसलिए उन लोगों को हिरासत में ले रखा है ताकि इस प्रजातन्त्र में वे अपनी बात खुल कर न कह सकें । वह लड़का पुलिस की फायरिंग से मरा और इन्होंने लोगों के खिलाफ कार्यवाही की । यह कोई उचित बात नहीं है । फिर दो-दो लाख रुपया सरकार ने मरने वाले के आश्रितों को दिया । यह सरकार की गलती थी, इसलिए मुआवजा दिया गया है । स्पीकर साहब, सरकार इस तरह के काम करने पर किस किस को पैसे देगी और लोगों का मुंह बन्द करेगी ? जहां सरकार की गलती होती है, सरकार वहीं पर पैसा देती है । हम तो यह कहेंगे कि सरकारी अफसरों व पुलिस के अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही होनी चाहिये थी । उनके खिलाफ मुकदमे बनने चाहिये थे, न कि दूसरे बेकसूर लोगों के खिलाफ ?

श्री राम भजन अग्रवाल : स्पीकर साहब, मेरी प्रार्थना है कि नारनौंद में जो कांड हुआ है, उसके लिए सरकार ने जो मैजिस्टिरीयल जांच के आदेश दिये हैं, उसकी बजाये सी.बी.आई. से जांच करवानी चाहिये ताकि सारे तथ्य सामने आ सकें । (शोर)

प्रो० सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, हमें लगता तो ऐसा था कि आप हमें खुलकर बोलने का समय देंगे .....

श्री अध्यक्ष : जी हां, बोलिये ,

प्रो० सम्पत सिंह : स्पीकर सर, अभी मुख्य मंत्री महोदय ने जो ब्यान हाउस में दिये हैं, वे खुद ही सेल्फ कन्ट्राडिक्टरी हैं । कभी वे छत से गिरने की बात करते हैं, कभी पत्थर लगने की बात कहते हैं, कभी कुछ कहते हैं पोस्ट मार्टम की रिपोर्ट यह कहती है कि सिर के अन्दर चोट आई है । दूसरी बात यह है कि जहां पर गोली कांड हुआ, वहां मौके पर दीवार पर मांस का टुकड़ा और सिर के बाल लगे हैं । इसका मतलब यह हुआ कि फायर नजदीक से किया गया है जिसके कारण से ऐसा हुआ । (शोर) बाकायदा अखबार में फोटो आई है जिसमें एक लड़का प्रेस फोटोग्राफर के सामने उंगली से उस जगह को मार्क कर रहा है कि जहां पर जाकर गोली लगी थी । तो इस बात 12.00 बजे | से कैसे इन्कार कर सकते हैं कि उसकी गोली से मौत नहीं हुई ? दूसरे, स्पीकर साहब, इस बात को बार-बार कहना कि लोग पीसफुल नहीं थे यह कोई बात नहीं बनती तो स्पीकर साहब, मेरा कहना यह है कि एक तरफ तो मन्त्री जी का लैटर भी आता है कि बिजली के रेटस में मामूली सी वृद्धि की गई है । स्पीकर साहब, पिछले साढ़े तीन सालों में साढ़े तीन गुना रेट बिजली के इन्होंने बढ़ाए हैं । मुख्य मन्त्री जी का जो स्टेटमैंट है, उसमें कहा गया है कि रेट मामूली से बढ़ाए हैं ।

श्री वीरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है । मैंने यह बात बिल्कुल नहीं कही कि रेट मामूली से बढ़ाए गए हैं । मैंने यह कहा था कि जो रेट बढ़ाए गए हैं, उनके बारे में अगर किसी को कोई गलतफहमी है, तो उसको हम दूर कर सकते हैं । मैंने ज्यादा और कम रेट की बात नहीं की थी ।

प्रो० सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, एग्जैक्ट लफ्ज इन्होंने "नाम मात्र" कहा था ।

श्री वीरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, अगर ये बिजली पर कोई बात कहना चाहते हैं तो आप मुझे भी बोलने का मौका दें और मैं इनकी तसल्ली करवा दूंगा । (विघ्न)

चौधरी जगदीश नेहरा : स्पीकर साहब, क्या यह कोई स्पैसिफिक क्वेश्चन है ? (शोर)

श्री वीरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, असली बात यह है कि सम्पत सिंह जी का सवाल नहीं आ पाया क्योंकि टाइम हो लिया था । अब अगर ये उस बारे में बोलना चाहते हैं तो मैं पूरा जवाब दूंगा ।

प्रो० सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, इन्होंने जो जुबानी ब्यान दिया, मैं झूठ नहीं बोलता, मैंने नोट किया है, इन्होंने नाम मात्र की बात कही थी। तो मेरा सवाल यह है कि जो रेट बढ़ाया है क्या यह नाम मात्र है ? डोमैस्टिक सप्लाई में 40 यूनिट्स की कंजम्पशन के बाद.....

चौधरी अगदीश नेहरा : स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। स्पीकर साहब, इसमें बिजली के टैरिफ के बारे में कोई बात नहीं है। यह मोशन तो नारनौंद इन्सीडेंट के बारे में है, ये उसके बारे में बात करें। ये वैसे ही खड़े हो गए और यह कोई बोलने का तरीका नहीं है। ये इससे पोलिटिकल माईलेज लेना चाहते हैं लेकिन वह इनको मिल नहीं सकती। इसलिए ये दुखी हैं। इस लड़के की बात को लेकर इन्होंने चन्दा इक्ट्ठा करना था। इसी तरह से पहले भी इन लोगों ने ऐसी बातों को लेकर चन्दे इक्ट्ठे किए हैं। (शोर)

प्रो० सम्पत सिंह : * * * * * *

श्री अध्यक्ष : यह बात रिकार्ड पर न लाई जाए। बिजली से यह बात स्टार्ट हुई है, जो ठीक नहीं है। आप केवल सवाल पूछ सकते हैं।

प्वायंट ऑफ आर्डर तथा उस पर अध्यक्ष द्वारा रूलिंग

शिक्षा मन्त्री (चौधरी फूल चन्द मुलाना) : स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। मेरे पास यह रूल्ज आफ प्रोसीजर एंड कंडक्ट आफ बिजनेस की किताब है जिससे हमारा हाउस चलता है। हाउस में काल अटैन्शन मोशन चल रहा है और इस बारे में रूल 73 है। इसमें लिखा है–

"(1) A member may, with the previous permission of the Speaker, call the attention of a Minister to any matter of urgent public importance and the Minister may make a brief statement or ask for time to make a statement at a later hour or date.

(2) There shall be no debate on such statement at the time it is made.

(3) Not more than one such matter shall be raised at the same sitting."

Sir, my point is that the time of the House is being wasted for nothing. It should not be wasted. In my opinion, no question can be put without your permission. Sir, I want your ruling whether any question can be put without your permission.

प्रो० सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, जो लोग 40 यूनिट तक बिजली कंज्यूम करेंगे उसका रेट नहीं बढ़ाया लेकिन जो 41 यूनिट बिजली कंज्यूम करेंगे उसका रेट बढ़ा दिया। स्पीकर साहब, जो किसान 41 यूनिट बिजली कंज्यूम करेंगे वे भी बहुत छोटे किसान होते हैं। सरकार ने बिजली का रेट 99 पैसे प्रति यूनिट से बढ़ाकर

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

[प्रो० सम्पत सिंह]
दो रुपए प्रति यूनिट कर दिया । मैं यह जानना चाहता हूं कि 99 पैसे से 200 पैसे बिजली का रेट बढ़ाना क्या नाम मात्र बढ़ौतरी है ? दूसरा सवाल मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या वह लड़का गोली से नहीं मरा ?

श्री अध्यक्ष : यह कौल एंड शकधर की किताब है इसमें लिखा है—

"There shall be no debate on such statement at the time it is made. But the Speaker may permit the member, who has given the notice of Calling Attention to ask question to seek further clarification on the statement."

वक्तव्य— (पुनरारम्भ)

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल) : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने एक बात यह कह दी कि हमने यह कहा है कि बिजली के रेट नाम मात्र बढ़ाए हैं । एक तो जो छोटा गरीब आदमी है जो थोड़ी बिजली कंज्यूम करता है, उसके हमने 40 यूनिट तक कोई रेट नहीं बढ़ाए हैं । एक साधारण गरीब आदमी के लिए 40 यूनिट तक बिजली के रेट न बढ़ाना काफी है ।

प्रो० सम्पत सिंह : आपने कितने रेट बढ़ाए हैं ?

चौधरी भजन लाल : वह तो बाकायदा स्टेटमैंट में दिया हुआ है और वह स्टेटमैंट सबके पास है प्रैस को भी पता है। दूसरी बात इन्होंने यह पूछी है कि क्या वह आदमी गोली लगने से मरा ? मैं कहता हूं कि उसको गोली बिल्कुल नहीं लगी । डाक्टर की रिपोर्ट है और डाक्टरों के बोर्ड ने बाकायदा कहा है कि उसकी गोली से मौत नहीं हुई है। मकान से नीचे गिरने या ईंट लगने या पत्थर लगने से उसकी मौत हुई है। यह कहना कि गोली लगी और कह दिया कि उसकी चमड़ी का चिथड़ा और बाल दीवार पर लगे हुए थे और एक अखबार का भी हवाला दे दिया यह बिल्कुल बेबुनियाद बात है । वह अखबार मैंने भी देखा है, उसकी जांच करवाई है । यह सारी बनावटी कहानी बनाई हुई है। लेकिन फिर भी इस बारे में पूरी इन्कवायरी होगी और उस इन्कवायरी में जो भी कसूरवार साबित होगा, उसके खिलाफ सरकार कार्यवाही करेगी ।

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : स्पीकर साहब जो हमारी एडजर्नमैंट मोशन थी जिसे आपने काल अटैंशन मोशन में तबदील कर दिया । रूलिंग बैंचिज की तरफ से हाउस को पूरी तरह से गुमराह करने की बात कही गई है । इनकी तरफ से कोई भी सन्तोषजनक जवाब नहीं दिया गया । मुख्यमंत्री कहीं छत से गिरने की बात कहते हैं, कहीं बिजली मंत्री कहते हैं कि वे उस गांव में गए हैं। गोडा निवा के आया हूं। वहां पर छत के ऊपर उसके बाल लगे हुए हैं । क्या उसने छत के ऊपर से छलांग लगा करके, फिर मकान के अन्दर

जा करके, फिर छत से उल्टा भिड़ने की बात की थी। मुख्य मंत्री कहीं भी इसका स्पष्टीकरण नहीं दे पाए। इसी प्रकार से बिजली मंत्री ने कहा था कि बिजली के रेट्स में मामूली सी वृद्धि की है। उसके बाद फिर उससे मुनकर हो रहे हैं और रिकार्ड में जो चीज है, उससे हाउस को गुमराह किया जा रहा है। असल सवाल की तरफ न जा करके हाउस को बरगलाने की कोशिश की जा रही है। आप इनको आदेश दें कि ये संतोषजनक ढंग से जवाब दें। जो इन्होंने जवाब दिया है, उससे हाउस की तसल्ली नहीं हो पा रही है। कुछ मुद्दे ऐसे हैं जिनका स्पष्टीकरण करना होगा कि मरने वाला व्यक्ति क्यों मरा? उसको मारने वाले कौन थे? वह बन्दूक से मरा था, लाठी से मरा था, पत्थर से मरा था या छत से गिर कर मरा था? किन लोगों ने मारा और जिन लोगों ने मारा क्या उनके खिलाफ पर्चा दर्ज किया गया? जिनके खिलाफ पर्चा दर्ज किया गया, क्या उनके खिलाफ कोई एक्शन लिया या नहीं, उसको कैसे मुआवजा दिया गया? इस प्रकार की सब बातों का हम स्पष्टीकरण चाहते हैं। (शोर)

वाक आउट

श्री अध्यक्ष: चौटाला साहब आप बैठिए।

श्री जिले सिंह अखड़ : शमशेर सिंह के हत्यारों को पकड़ा जाए। (शोर)

(इस समय कई सदस्य एक साथ खड़े हो गए।)

श्री अध्यक्ष : कृपया आप सभी बैठिये।

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, यह सरकार नारनौंद में हुए कांड के बारे में कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे रही, इसलिए हम सदन से वाकआउट करते हैं।

चौधरी बंसी लाल: अध्यक्ष महोदय, हम भी वाक आउट करते हैं।

(इस समय विपक्ष के सभी सदस्य अन-अटैच्ड सदस्यों सहित सदन से वाक आउट कर गए।)

नियम 121 के अधीन प्रस्ताव

Mr. Speaker : Now the Parliamentary Affairs Minister (Irrigation Minister) may move the Motion under Rule 121, regarding nominations of various Committees.

Irrigation Minister (Chaudhri Jagdish Nehra) : Sir, I beg to move—

That the provisions of Rules 228, 230, 230-B and 260-A of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legilsative Assembly in-so-far as they relate to the constitution of the—

(i) Committee on Public Accounts ;

(ii) Committee on Estimates ;

(iii) Committee on Public Undertaking ; and

(iv) Committee on the Welfare of Scheduled Castes and Scheduled Tribes,

for the year 1995-96 be suspended.

Sir, I also move—

That this House authortises the Speaker, Haryana Vidhan Sabha, to nominate the Members of the aforesaid Committees for the year 1995-96, keeping in view the proportionate strength of various parties/groups in the House.

Mr. Speaker : Motion moved—

That the provision of Rules 228, 230, 230-B and 260-A of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly in-so-far as they relate to the constitution of the—

(i) Committee on Public Accounts

(ii) Committee on Estimates ;

(iii) Committee on Public Undertakings ; and

(iv) Committee on the Welfare of Scheduled Castes and Scheduled Tribes,

for the year 1995-96 be suspended.

and

That this House authortises the Speaker, Haryana Vidhan Sabha, to nominate the Members of the aforesaid Committees for the year 1995-96, keeping in view the proportionate strength of various parties/groups in the House.

Mr. Speaker : Question is—

That the provisions of Rules 228, 230, 230-B and 260-A of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly in-so-far as they relate to the Constitution of the—

(i) Committee on Public Accounts ;

(ii) Committee on Estimates ;

(iii) Committee on Public Undertakings ; and

(iv) Committee on the Welfare of Scheduled Castes and Scheduled Tribes,

for the year 1995-96 be suspended.

and

That this House authortises the Speaker, Haryana Vidhan Sabha, to nominate the Members of the aforesaid Committees for the year 1995-96, keeping in view the proportionate strength of various parties/groups in the House.

The motion was carried.

ध्यानाकर्षण सूचनायें

Mr. Speaker : Hon'ble Members, I have received a Calling Attention Notice given by Shri Om Parkash Chautala and 12 other M.L.As regarding the destruction of crops by hailstorms. I have admitted it for 10th March, 1995 and it has also been bracketted with the Calling Attention Notice given notice of by Smt. Chandrawati.

(Noise and interruptions)

श्रीमती चन्द्रावती : स्पीकर साहब, लिफ्ट इरीगेशन स्कीम के बारे में मेरा एक काल अटैंशन मोशन था । (शोर)

श्री अध्यक्ष : वह गवर्नमैंट के पास कमैंट्स के लिए भेजा हुआ है । (शोर)

चौधरी बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, मेरी सबमिशन यह है कि हमारी 2-3 कालिंग अटैंशन मोशन्ज थीं, उनके बारे में आपकी रूलिंग नहीं आई । (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : कालिंग अटैंशन मोशन्ज के बारे में तो मैंने पहले बता दिया था । (विघ्न)

चौधरी बंसी लाल : शोर-शराबे में आपने बता दिया होगा लेकिन हमें जो साधन सुनने के लिए मिले हुए हैं मुझे तो उनसे सुनाई नहीं दिया ।

श्री अध्यक्ष : मैंने तो बताया था लेकिन किसी ने कुछ पूछा ही नहीं । जो कालिंग अटैंशन मोशन्ज हैं उनके बारे में मैं दोबारा से बता देता हूं । पहली कालिंग अटैंशन मोशन श्री कर्ण सिंह दलाल की है regarding illegal digging of querries in Faridabad district. It has been sent to the Government for comments. The second Call Attention Motion is also from Shri Karan Singh Dalal, M.L.A. regarding money which is being collected forcibly from the people on the pretext of Red Cross and other institutions. It has also been sent to the Government for comments. The thirdcalling attention motion is also from Shri Karan Singh Dalal, M.L.A. regarding incidents of thefts taking place in the areas of Faridabad and Palwal in abundance. It has been disallowed. The fourth Calling Attention Motion is also from Shri Karan Singh Dalal, M.L.A. regarding shortage of D.A.P. fertilizer in district Fardiabad and Mewat areas. It has been admitted for 8th March. The fifth Calling Attention Motion is also from Shri Karan Singh Dalal, regarding pollution is at the extreme in whole of the district Faridabad. This has been sent for comments. The sixth Calling Attention Motion is from Prof. Chhattar Pal Singh M.L.A. regarding money being collected forcibly from the people on the pretext of Red Cross. It has also been sent for comments to the Government. The Seventh Calling Attention Motion is from Prof. Chhattar Pal Singh M.L.A. regarding Pollution problem in district Hissar particularly in Ghirai Constituency. It has also been sent for comments.

[श्री अध्यक्ष]

The Eigth Calling Attention Motion is from Shri Om Parkash Chautala and others regarding shortage of Urea & D.A.P. fertilizer in Haryana State. It has been admitted for 8th March. The Ninth Calling Attentien Motion is also from Shri Om Parkash Chautala and others, regarding strike of Junior Doctors and Nurses in Medical College, Rohtak. It has been disallowed. The Tenth Calling Attention motion is from Shri Om Parkash Chautala and others regarding destruction of crops by hailstorm in Haryana State. It has been admitted for 10th March, 1995. The 11th Calling Attention Motion is from Smt. Chandrawati, M.L.A. regarding repairing of Lift Irrigation water-courses in district Bhiwani. It is under consideration. The 12th Calling Attention Motion is also from Smt. Chandrawati M.L.A. regarding damage of crops due to hailstorm in district Bhiwani. This has also been admitted for 10th March, 1995. The 13th Calling Attention Motion is from Shri Om Parkash Chautala and others regarding Police Firing and Lathi Charge in Narnaund. It was admitted for today and has already been discussed. The 14th Calling Attention Motion is from Dr. Ram Parkash M.L.A. regarding shortage of Urea fertilizer in Haryana State. It has been admitted for 8th March, 1995. The 15th Calling Attention Motion is from Shri Bansi Lal and others regarding Lathi charge on people particularly on ladies in Kurukshetra on 3-3-1995. It is under consideration. The 16th Calling Attention Motion is from Shri Om Parkash Beri and others regarding Police Firing and Lathi Charge on the farmers in Narnaud. It has already been discussed. The 17th Calling Attention Motion is from Shri Om Parkash Beri, M.L.A. regarding the use of derrogatory and humiliating remarks made by a senior bureaucrat against a minister of Haryana. It is under consideration. The 18th Calling Attention Motion is from Prof. Chhattar Singh Chauhan and others regarding damage of cropes due to hailstorms in Bhiwani district. It has already been admitted for 10-3-1995.

वर्ष 1994–95 के अनुपूरक अनुमान प्रस्तुत करना

Mr. Speaker : Now, the Finance Minister will present the Supplementary Estimates for the year 1994-95.

वित्त मन्त्री (श्री मांगे राम गुप्ता) : माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं वर्ष 1994-95 के अनुपूरक अनुमान प्रस्तुत करता हूं ।

एस्टिमेट्स कमेटी की रिपोर्ट प्रस्तुत करना

Mr. Speaker : Now, Ch. Suraj Mal, Chairman, Committee on Estimates will present the Report of the Committee on Estimates on the Supplementary Estimates 1994-95.

Chairman Committee on Estimates (Chaudhri Suraj Mal) : Sir, I beg to present the Report of the Committee on Estimates on the Supplementary Estimates, 1994-95.

राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा

Mr. Speaker : Hon. Members, now the discussion on Governor's Address will take place. Shri Sher Singh, will move the motion.

Chaudhri Sher Singh (Sadhaura, S.C.Independent) : Sir, I beg to move

That an Address be presented to the Governor in the following terms :—

"That the Members of the Haryana Vidhan Sabha assembled in this Session are deeply grateful to the Governor for the Address which he has been pleased to deliver to the House on the 6th March, 1995".

अध्यक्ष महोदय, पार्लियामैंटरी डैमोक्रेसी में प्रथा के अनुसार हर वर्ष के पहले दिन या यूं कहा जाए कि बजट सैशन के पहले दिन राज्यपाल महोदय का अभिभाषण सदन में होता है । जैसे गवर्नर साहब के अभिभाषण पर किसी द्वारा वाक-आउट नहीं किया जाना चाहिए । अगर ऐसा किया जाए तो यह एक्स्ट्रीम स्टैप है । अध्यक्ष महोदय, अगर गवर्नर साहब ऐड्रैस कर रहे हों तो कोई मैम्बर खड़ा होकर बोलने लग जाए तो यह बहुत ही निन्दनीय बात है । जब भी सदन में गवर्नर ऐड्रैस पेश होता है या बजट पेश होता है तो हर मैम्बर को उसके बाद बोलने का समय दिया जाता है और उस पर डिसकशन का बाकायदा अलग समय होता है । अध्यक्ष महोदय, जिस प्रकार से दो विद्वान वकील एक ही कानूनी नुक्ते से अपने फायदे की बात ढूंढ लेते हैं, उसी प्रकार मैम्बर्ज को जब समय दिया जाता है तो वे अपने पक्ष की बात कर सकते हैं । राज्यपाल महोदय के अभिभाषण का बाईकाट करना और बीच में बोलना कोई शोभनीय बात नहीं है । अध्यक्ष महोदय, जिस प्रकार हाऊस का माहौल चल रहा है, उससे हमारी देश-प्रदेश में गरिमा नहीं बढ़ती । अध्यक्ष महोदय, हमसे पहले हमारे सीनियर मैम्बर्ज यहां पर बैठे होते थे जब अध्यक्ष महोदय अपनी सीट पर खड़े होते थे तो सभी मैम्बर्ज अपनी अपनी सीट्स पर बैठ जाते थे । आज बड़े दुर्भाग्य की बात है कि आज आपके खड़े होने पर भी यहां पर मैम्बर्ज आपस में बोलते रहते हैं । मैं आपके माध्यम से सभी मैम्बर्ज से कहना चाहता हूं कि जब किसी मैम्बर को आप बोलने के लिए टाईम दें तब वह मैम्बर बोले । जब कोई मैम्बर बोल रहा हो तो बीच में खड़े होकर टोका-टाकी न करें ।

अध्यक्ष महोदय, गवर्नर साहब ने कल जो सदन में अभिभाषण पढ़ा, मैं उसके लिए गवर्नर साहब का धन्यवाद करने तथा स्वागत करने के लिए खड़ा हुआ हूं । राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाषण में पूज्यनीय गांधी जी के नाम से शुरुआत की । महात्मागांधी जी का नाम जब कहीं पर आता है तो हमारा सिर श्रद्धा से झुक जाता है । कांग्रेस (आई) पार्टी ने उनके नेतृत्व में देश को आजाद करवाने में सफलता पाई । इस वर्ष हम राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की 125 वीं जयन्ती मना रहे हैं । उनके शिष्य आचार्य विनोबा भावे अपने किस्म के एक ही व्यक्ति थे । उनकी कोई भी मिसाल नहीं है ।

[Chaudhri Sher Singh]

अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही राज्यपाल महोदय, ने अपने ऐड्रैस में चौधरी छोटूराम जी का भी नाम लिया है । सर छोटू राम जिनको दीन बन्धू की उपाधि भी मिली है उन्होंने पाकिस्तान बनने से पहले पूरे पंजाब में किसानों और मजदूरों की सहायता करने में अपनी सारी जिंदगी लगा दी । स्पीकर साहब, गवर्नर ऐड्रस में सबसे पहले पंचायती राज का और लोकल सैल्फ गवर्नमैंट के चुनाव करवाने का जिक्र किया गया है । सर, सारा प्रदेश इस बात का गवाह है कि हरियाणा में इतने निष्पक्ष और बढ़िया तरीके से चुनाव और इतनी जल्दी चुनाव आज तक कभी नहीं हुए हैं । आपको भी याद होगा कि एक समय ऐसा आया था जब कि लोकल सैल्फ गवर्नमैंट, ब्लाक समितियां, पंचायतें एवं जिला परिषदें सभी को तोड़ दिया गया था और सारी ताकत को सैंट्रलाईज कर दिया गया था । भारत सरकार ने संविधान में जो अमैंडमैन्ट की उसी के तहत हरियाणा सरकार ने महिलाओं को, हरिजनों कोऔर बैकवर्ड क्लासिज के लोगों को रिजर्वेशन देकर पंचायतों के, ब्लाक समितियों के और जिला परिषदों के चुनाव एक साथ करवाए । सर, ऐसी मिसाल देश में और कहीं नहीं मिलती । पहली बार ऐसा हुआ है कि सरकार के पास जो अधिकार इन चुनावों को पोस्टपोन करने का होता है वह अधिकार भी उसने अपने पास नहीं रखा है । सरकार ने कानून में यह लिख दिया है कि इनके चुनाव इतने दिन के अंदर अंदर करवाने ही होंगे । सर, हमने ऐसा समय भी देखा है कि सरकार सारी ताकत अपने पास रखती थी और सरकार ने तीन तीन महीने तक चुनाव नहीं करवाए, इसलिए इस बात के लिए इस सरकार की जितनी भी तारीफ की जाए वह कम ही है । सर, मैं आपके माध्यम से सरकार से यह कहना चाहूंगा कि लोकल सैल्फ गवर्नमैंट को या पंचायतों को सरकार जो भी अधिकार दे, वे तुरन्त देने चाहिएं । पिछले दस पन्द्रह सालों से ऐसी परम्परा पड़ गयी है कि सभी कांस्टीच्युएंसी के काम का बोझ एम. एल. ए. के कंधों पर आ गया है । सभी एम. एल. ए. को अपने 2 हल्कों में ट्यूब्वैल, सड़क, अस्पताल बनवाने यानी डिवैल्पमैंट के सारे काम एम. एल. ए. को ही करवाने पड़ते हैं । इसलिए उन पर वर्क लोड बढ़ गया है । हर एम. एल. ए. की काम करने की इतनी हिम्मत नहीं होती कि वह इतना काम कर सके । अगर पंचायतों को या म्यूनिसिपल कमेटीज को यह अधिकार दे दिए जाएं तो एम. एल. ए. के ऊपर काम का बोझ कम हो जाएगा और उसका जो असली काम है उस पर उसे ज्यादा टाईम देने का मौका मिल सकेगा । मैं आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से प्रार्थना करना चाहूंगा कि जैसे पार्लियामैंट में स्टैंडिंग कमेटीज बनी हुई हैं वैसे ही हमारी असैम्बली में भी वह कमेटीज बननी चाहिए । हमारे पड़ौसी हिमाचल प्रदेश में भी वैसा ही है जिसको हमारे डिप्टी स्पीकर साहब वहां पर एवं कलकत्ता में भी देखने गए थे । वहां पर जब बजट पेश होता है तो उसको डिपार्टमैंटवाईज जो स्टैंडिंग कमेटीज बनी हुई, उनके मैम्बर्ज ऐग्जामिन करते

हैं कि क्या वास्तव में काम हो रहा है या जो पैसा मिला था खर्च हुआ है या नहीं हुआ है । अगर खर्च नहीं हुआ तो क्यों नहीं हुआ । इसलिए अगर ऐसी ही कमेटीज यहां भी सरकार बना दे या स्पीकर साहब आप सरकार को इस तरह के आदेश दें तो मैम्बर्ज साहेबान को बजट के बारे में, सरकार के कामकाज के बारे में पूरा पता चलेगा और फिर वह हाउस में भी बहुत ज्यादा बोलने की बात नहीं करेंगे । स्पीकर साहब, पहचान पत्रों के बारे में चुनाव आयोग ने हिदायत दी कि सारे देश में चुनाव के लिए पहचान पत्र बनाए जाएं । हरियाणा सरकार इस बात के लिए बधाई की पात्र है कि उसने पहचान पत्र बनाने के लिए सबसे पहले पहल की है। 1966 में जब हरियाणा का निर्माण हुआ तो लोगों को वहम था कि चूंकि हरियाणा के पास अपने नैचुरल सोर्स नहीं हैं इसलिए क्या वह वायबल हो भी पाएगा या नहीं। सर, आप जानते हैं कि सातवीं पंचवर्षीय योजना में जो हरियाणा का पर कैपिटा डिवैल्पमैंट ऐक्सपैंडीचर था वह 2888 था जबकि पूरे देश का पर-कैपिटा डिवैल्पमैंट ऐक्सपैंडीचर 1442 था । पिछले 28 सालों में जब से हरियाणा अस्तित्व में आया है तब से हरियाणा के मुख्यमंत्री चौधरी भजन लाल जी का 20-22 सालों से किसी न किसी रूप में हरियाणा के लिए योगदान रहा है । ये पहले हरियाणा के मंत्री रहे हैं । फिर मुख्यमंत्री रहे हैं और बाद में सैंटर में मंत्री रहे हैं तथा फिर हरियाणा के मुख्यमंत्री हैं । इनका हरियाणा के लिए बहुत बड़ा योगदान रहा है । सर, आप जानते हैं कि कोई भी प्रदेश या देश तब तक तरक्की नहीं कर सकता जब तक वहां अमन और शांति न हो । अमन व शांति के लिए पौलिटिकल स्टेबिलिटी की बड़ी भारी जरूरत है । हरियाणा प्रदेश में अगर किसी ने ऐसी पौलिटिकल स्टेबिलिटी दी है तो वह चौधरी भजन लाल ने दी है। चौधरी भजन लाल जी के मुख्य मंत्री बनने से पहले और बाद में अगर आप याद करें तो यहां ऐसे भी मुख्यमंत्री बने हैं जिनको लोगों ने 85 एम0 एल0 ए0 चुनकर दिए (विघ्न) उनमें से इनके पास 30-35 ही रहे बाकी एम0 एल0 ए0 भी उनसे भागकर चले गए । स्पीकर सर, यहां पर कुछ सदस्य बैठे-बैठे इस बात की शरारत कर देते हैं जिससे आम-आदमी को, सुनने वाले को भी वहम पैदा हो जाता है कि यह बात जो कह रहे हैं यह शायद सच हो । चौधरी भजन लाल जी एक लाख से भी ज्यादा लोगों की नुमाईंदगी करते हैं उनके बारे में कोई मजाक में भी ऐसी बात कर दे तो यह ठीक नहीं है। आज अगर अपना बेटा भी हो, उससे अगर ठीक व्यवहार न करो तो वह भी रूठ जाता है । मुख्यमंत्री के परिवार का कोई आदमी एम0 एल0 ए0 की बेइज्जती करे तो एम0 एल0 ए0 बर्दाश्त नहीं करेंगे । स्पीकर साहब, इन्होंने बड़े भद्दे गाने बनवाए कि ये बिक गया, फलां बिक गया और लोगों ने उनको सुना भी । फिर ऐसा वक्त आया कि 85 एम0 एल0 ए0 चुनकर आ गए । उस समय चौधरी भजन लाल जी भारत सरकार में थे और कांग्रेस पार्टी की ओर से जो मुख्यमंत्री चौधरी बंसी लाल थे वे खुद चुनाव हार चुके थे। उन 85 में श्रीमान चौटाला जी जब टूटे तो उस समय तो कोई खरीदारी नहीं थी।

[Chaudhri Sher Singh]

ये जो लोग आज इनके साथ हैं इनमें से कोई राजनीति में नहीं थे। आज जब आप एम0एल0ए0 की इज्जत नहीं करोगे, भेदभाव बरतोगे तो कोई भी एम0एल0ए0 मुख्यमंत्री के साथ नहीं रह सकता। ये खासियत भजन लाल जी में है वे एम0एल0ए0 को अपने भाई और बेटे से ज्यादा प्यार देते हैं तभी हर महीने एक मैम्बर बढ़ जाता है यह पौलिटिकल स्टैबलिटी के कारण है।

ला एण्ड आर्डर की पोजीशन इस प्रदेश में ठीक हुई है। ऐसे तो रामराज्य में भी अत्याचार होते थे। चोरी डकैती होती थी। जितनी भी आई0पी0सी0 में धाराएं हैं ये आजाद भारत वर्ष बनने के बाद नहीं बनी। आई0 पी0 सी0 भारत में उन्होंने बनाई थी जब जिनकी यहां पर हुकुमत थी। आज उन देशों में जहां छोटे-छोटे जुर्म के लिए हाथ तक काट देने का प्रावधान है जहां कोड़े मारकर आदमी को मार दिया जाता है फिर भी वहां अत्याचार होते हैं। सरकार का काम यही है कि अगर चोरी, डकैती होती है तो उस पर तुरंत कार्यवाही की जाए। हरियाणा प्रदेश में चौधरी भजन लाल जी की सरकार इस बात के लिये हमेशा ही बधाई की पात्र रहेगी कि उनके आने के बाद हरियाणा के अन्दर ला एण्ड आर्डर की स्थिति बिल्कुल ठीक हुई है जो कि उनके आने के पहले बिल्कुल बिगड़ी हुई थी। स्पीकर साहब, वर्ष 1994-95 की वार्षिक योजना में मूल प्रावधान 1025 करोड़ रुपए था जिसके मुकाबले में इस वर्ष कुल वास्तविक खर्च 1030.33 करोड़ रुपये होने की सम्भावना है जोकि हर दृष्टि से सराहनीय है। अगले वर्ष 1995-96 की जो वार्षिक योजना है उसके लिये 1250 करोड़ रुपये का परिव्यय अनुमोदित किया गया है और इसी वर्ष के खर्च के मुकाबले में लगभग 21.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

स्पीकर साहब, हरियाणा एक कृषि-प्रधान प्रदेश है। वैसे तो हरियाणा हर क्षेत्र में अग्रसर है। इसके साथ साथ मैं यह भी कहना चाहता हूं कि हमारे प्रदेश में कृषि के लिये सिंचाई के इतने साधन नहीं हैं जितने पंजाब में हैं। 1966-67 में हम अमेरिका से गेहूं मंगवा कर खाया करते थे लेकिन अब हमारे प्रदेश के किसान ने तरक्की की है। सरकार ने भी उसकी हर क्षेत्र में मदद की है चाहे बीज का मसला हो, खाद का मसला हो इन में सरकार ने सस्ते भाव किसानों को दिये हैं और आज उसी की मेहनत का फल है कि हरियाणा के अन्दर आज गेहूं का रिकार्ड उत्पादन हुआ है। यह हमारे लिये गर्व की बात है। वर्ष 1994-95 में खरीफ फसल में 30.85 लाख टन खाद्यान्न का रिकार्ड उत्पादन हुआ है। इसके साथ साथ हौर्टीकल्चर के भी हमारे राज्य में काफी स्कोप हैं इस पर भी सरकार काम कर रही है। ऐग्रीकल्चर मिनिस्ट्री इसके लिये बधाई की पात्र है। उनकी जितनी प्रशंसा की जाये थोड़ी है। इसके साथ साथ लेहरा साहब यहां पर बैठे नहीं हैं, मैं उनको बताना चाहता हूं कि उनके विभाग पर भी यह सब कुछ निर्भर करता है क्योंकि प्रदेश का 70 प्रतिशत पैसा बिजली, पानी, कृषि और सिंचाई के कामों पर खर्च हो जाता है। प्रदेश में अब तक 7066

किलोमीटर लम्बी नहरों और खालों को पक्का किया जा चुका है । इनको पक्का करने से 2440 क्यूसिक पानी की बचत हुई है और इससे 226 लाख हैक्टेयर भूमि को सिंचाई की सुविधाएं उपलब्ध हुई हैं ।

इसके साथ-साथ स्पीकर साहब, मैं हथनी कुण्ड बैराज का जिकर करना चाहूंगा कि हमारे माननीय मुख्यमंत्री महोदय की विशेष मेहनत से यह सब अंजाम हुआ है इसके लिये वे बधाई के पात्र हैं । हरियाणा के अन्दर कुछ लोगों की यह आदत है कि जिनको सरकार का अच्छा काम भी बुरा लगता है और वे सरकार की टीका टिप्पणी में ही लगे रहते हैं । पिछले कई सालों से यह मामला अटका पड़ा था । दिल्ली के मुख्यमन्त्री उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री, राजस्थान के इरीगेशन मन्त्री और भारत सरकार के मन्त्री जब हथनीकुण्ड में इसका शिलान्यास करने आये तो उस समय दिल्ली के मुख्य मंत्री ने यह कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री चौधरी भजनलाल जी को बधाई देनी चाहिये जिनकी वजह से यह समझौता सिरे चढ़ा है और ये एक ऐसे मुख्यमन्त्री हैं जो हर बात को मनवाने में माहिर हैं । यह बात श्री खुराना ने उस वक्त कही जब वे इसका उद्घाटन करने आये थे ।

प्रो० राम विलास शर्मा : स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है । हमारे माननीय सदस्य श्री शेर सिंह जी जो कह रहे हैं वह तो ठीक है कि यह फैसला हमारे मुख्य मन्त्री जी के कारण हुआ है लेकिन उस फैसले से हरियाणा के पानी का हिस्सा कम हुआ है या बढ़ा है ?

चौधरी शेर सिंह : स्पीकर साहब, मैं राम विलास जी की बात से सहमत हूं । यह बात क्लीयर होनी चाहिए । क्लीयर इसलिए होनी चाहिए क्योंकि यहां पर ऐसी ऐसी भ्रान्तियां फैलाई जा सकती हैं और फिर आप किस किस का जवाब देंगे । मैंने एक लीडर को कहते हुए यह बात सुनी है, वह कह रहा था कि ये लोग पानी में से बिजली निकाल लेते हैं और फीका पानी खेतों में आता है । इसलिए पैदावार कम होती है इस बात को सच मान कर कई सालों तक लोग इस बात को समझ नहीं पाए । उन्होंने सोचा कि हो सकता है यह बात सच हो । इसी तरह ओम प्रकाश चौटाला जी ने ऐसी बात कह दी । उन्होंने कहा कि आपको पांच पैसे यूनिट के हिसाब से बिजली मिलती है । पता नहीं मिलती है या नहीं लेकिन हां उस में यह बात क्लीयर होनी चाहिए वरना देहात के लोग उनकी बात को मान जाएंगे ।

बिजली मन्त्री (श्री बीरेन्द्र सिंह) : स्पीकर साहब, हमें भाखड़ा से जो बिजली मिलती है उसकी कास्ट आफ प्रोडक्शन 17 पैसे प्रति यूनिट है और उसके विलिंग चार्जिज 70 पैसे प्रति यूनिट है । तो 87 पैसे यूनिट से कम कोई बिजली नहीं मिलती । इसके अलावा किसान से हम 50 पैसे यूनिट लेते हैं । थर्मल की बिजली इससे भी मंहगी होती है ।

प्रो0 राम बिलास शर्मा : किसान को सबसे मंहगी बिजली हरियाणा में मिलती है ।

चौधरी शेर सिंह : स्पीकर साहब, हथनी कुंड बैराज बनने से किसको कष्ट हो सकता है कि यह समझौता चौधरी भजन लाल के समय में क्यों हो गया । मैं बताना चाहता हूं कि यह समझौता इसलिए फायदेमन्द है कि बेरी साहब कई बार कह देते हैं कि दक्षिणी हरियाणा के साथ पानी के बंटवारे के मामले में भेदभाव हो रहा है । मैं बताना चाहता हूं कि अगर सही मायनों में भेद भाव हुआ है तो वह अम्बाला, कुरुक्षेत्र और पुराने करनाल जिले के साथ हुआ है । (विघ्न) मैं यह इसलिए कह रहा हूं कि बेरी साहब चिन्तित रहते हैं कि उनके यहां पानी कम जा रहा है । मैं यह कहता हूं कि उनसे भी ज्यादा अगर कहीं भेद भाव हुआ है तो इन तीन जिलों के साथ हुआ है । क्योंकि यमुना नहर हमारे यहां से जाने के बावजूद भी हमें पानी नहीं मिलता । मैं अगर कोई बात गलत कहूं तो आप मुझे टोक सकते हैं । मैं दोबारा रिपीट कर देता हूं कि हरियाणा में पानी के मामले में अगर कहीं भेद भाव हुआ है तो वह अम्बाला, कुरुक्षेत्र और पुराने करनाल जिलों के साथ हुआ है । हम तो चौधरी बंसी लाल जी के भी आभारी हैं क्योंकि हमारे यहां वाटर लैवल ऊपर था और उन्होंने यहां पर एम0 आई0 टी0 सी0 के ट्यूबवैल्ज लगवा दिए और उनका पानी वे भिवानी में ले गए । (विघ्न)

प्रो0 छत्तर सिंह चौहान : आपको तो फोबिया हो गया है । आपको तो इस बारे में कुछ पता ही नहीं है । (शोर) उस नहर का पानी भिवानी भी जाता है, गुड़गांव भी जाता है, दादरी भी जाता है और रिवाड़ी भी जाता है ।

चौधरी शेर सिंह : स्पीकर साहब, आप इनको कहें कि ये मुझे बीच में इस तरह से न टोकें । यदि मुझे इस तरह से बीच में टोका टाकी करते रहे तो गड़बड़ हो जाएगी । श्री छतर सिंह चौहान को फोबिए की स्पैलिंग का पता नहीं है और न ही इसके मायने का पता है ।(शोर)

प्रो0 छत्तर सिंह चौहान : स्पीकर साहब, मैंने यह कहा है कि उस नहर का पानी भिवानी भी जाता है, गुड़गांव, रिवाड़ी और दादरी भी जाता है ।

Chaudhri Sher Singh : Mr. Speaker Sir, kindly direct him not to interfere. I am just explaining my position.

श्री अध्यक्ष : आप अपनी स्पीच जारी रखें ।

चौधरी शेर सिंह : स्पीकर साहब, मैं तो यही कह रहा हूं कि पानी सब जगह जाना चाहिए । मैं यह कह रहा हूं कि हमारे इलाकों के साथ पानी के बारे में सबसे ज्यादा भेदभाव हुआ है । जब यह हथनी कुण्ड बैराज बन जाएगा तो अम्बाला और यमुनानगर जिलों के लोगों को पानी की सहूलियत मिलेगी । स्पीकर साहब,

दादूपुर नलवी नहर के बारे में आपने बहुत कोशिश की । बरसात के दिनों में जो पानी इक्ट्ठा होगा उससे अम्बाला और यमुनानगर जिलों के लोगों को पानी की सहूलियत प्राप्त हो जाएगी । हथनी कुण्ड बैराज बनने से लोगों को बड़ा लाभ होगा । अब मैं एस. वाई. एल. नहर के बारे में थोड़ा सा जिक्र करना चाहूंगा । एस. वाई. एल. नहर का 1976 में एस्टिमेट पास हुआ था । पंजाब में यह नहर 121 किलोमीटर लम्बी बननी थी और हरियाणा प्रदेश में 91 किलोमीटर लम्बी बननी थी । हरियाणा प्रदेश में जून 1980 में एस. वाई. एल. नहर लगभग तैयार हो गई । यह बात मैं इसलिए कह रहा हूं चूंकि श्री बीरेन्द्र सिंह जी ने एक सवाल के जवाब में यह कहा था कि हरियाणा के हित सुरक्षित नहीं थे इसलिए हमने न्याय युद्ध शुरू किया था । स्पीकर साहब, श्री बीरेन्द्र सिंह पिछले 20 सालों से हरियाणा की राजनीति में हैं । जब जब ये मंत्री बने हैं तब तब लगभग इनको इरीगेशन एंड पावर का महकमा मिला है । आज भी सदन में 8-10 लोग ऐसे बैठे हैं वे भी जानते हैं कि 1978 के बजट सैशन में भी श्री बीरेन्द्र सिंह इसी कुर्सी पर बैठते थे जिस पर आज बैठे हैं । इन्होंने उस समय कहा था कि 3 अप्रैल को चौधरी देवी लाल जी पंजाब में एस. वाई. एल नहर की खुदाई शुरू करवाने के लिए कस्सी से टक लगाएंगे और प्रकाश सिंह बादल टोकरी उठा कर मिट्टी फैंकेंगे और एस. वाई. एल. नहर तुरन्त बन कर तैयार हो जाएगी । उसके बाद कैबिनेट की मीटिंग हुई । उस मीटिंग में मुख्य मंत्री ने कहा कि एस. वाई. एल. नहर का मामला अड़ गया । मैंने सोचा था कि बादल मेरा दोस्त है तो वह मेरी बात मान जाएगा लेकिन उसने मेरी बात नहीं मानी । यह मामला तो दिल्ली तक जाएगा । उस समय सभी साथियों ने जिस जिस के पास जा सकते थे उन सब की एप्रोच किया। चौधरी भजन लाल, श्री लहरी सिंह, देवेन्द्र शर्मा और मैं इस बारे में बाबू जगजीवन राम से एयर पोर्ट पर मिले । श्री बीरेन्द्र सिंह इरीगेशन एंड पावर मिनिस्टर के घंटों इन्तजार करने के बाद यह हुआ कि उसमें कुछ भी हाथ नहीं लगा । उसके बाद चौधरी भजन लाल मुख्य मंत्री बने । फिर इस नहर का मामला कभी दिल्ली सरकार की अदालत में और कभी सुप्रीम कोर्ट में चलता रहा । फिर चौधरी भजन लाल जी दिल्ली की सरकार में चले गए और महामहिम चौधरी बंसी लाल प्रदेश के मुख्य मंत्री बने और इन्होंने इस बात का बिगुल बजाया कि एस. वाई. एल. नहर का पानी मिले या न मिले .....। (शोर)

फिर इनकी सरकार बनी और चौधरी देवी लाल जी मुख्य मंत्री बने । उस समय कुछ काम किया या नहीं किया इस बात को छोड़ दें । मैं कहना चाहता हूं कि जब दिल्ली में राज बदला तो चौधरी देवी लाल डिप्टी प्राईम मिनिस्टर बने । चौटाला मुख्य मंत्री की गद्दी पर विराजमान हुए । शायद मार्च 1990 में चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी ने मेहम कांड पर इस्तीफा दे दिया । तब सम्पत सिंह जी को यह महकमा मिला । मार्च 1990 से लेकर दिसम्बर 1990 तक भारत वर्ष में और हरियाणा में भी इसी परिवार का यानि बाप बेटे का राज रहा । अगर ये चाहते तो उस समय यह एस.वाई.एल. नहर पूरी हो सकती थी । जब जब भी इस बारे में हाउस में डिस्कशन

[चौधरी शेर सिंह]

हुई तो सभी पार्टियों की ओर से एक ही बात कही गई कि जितना काम एस. वाई. एल. का हुआ है, वह उनके राज में हुआ है। बंसी लाल जी कहते रहे कि इस नहर का निर्माण कार्य 85 प्रतिशत मेरे समय में पूरा हुआ है और सम्पत सिंह की पार्टी कहती है कि 80 परसेंट इनके समय में काम पूरा हुआ है। यदि इस जोड़ को मिला दिया जाये तो यह 165 परसेंट हो जाता है। जब बीच में चौधरी बंसी लाल जी मुख्य मंत्री बने तो उस समय सुर्जेवाला बसों में लोगों को बैठा बैठा कर लाते थे और मौके पर ले जाकर दिखाते थे कि भजन लाल के शासन काल में नहर का अच्छा काम नहीं हो रहा था। इस परिपाटी से हटकर मैं एक बात कहना चाहता हूं जिसके लिए आप मुझे माफ करें, इस संबंध में जिस जिस पार्टी को मौका मिला, सभी ने अपनी राजनैतिक रोटियां सेकने की बात की। इसमें पंजाब के लोग और भारत के लोग शामिल हैं। जब तक सारी पार्टियां इसमें शामिल नहीं होती तब तक कोई अकेली पार्टी कामयाब नहीं हो सकती और न ही उस समय तक एस. वाई. एल. बन सकती है।

Prof. Chhattar Singh Chauhan : Speaker, Sir.....

Chaudhry Sher Singh : Speaker : Sir, will you please ask him not to disturb me as I am also a member of the House. (Noise)

Prof. Chhattar Singh Chauhan : On a point of order, Sir.

चौधरी शेर सिंह : स्पीकर साहब, यहां पर प्वायंट आफ आर्डर का मिसयूज हो रहा है। मुझे अपनी बात कहने दें। मैं हाउस का मैम्बर हूं। स्पीकर साहब, मैं यह कह रहा था कि एस. वाई. एल. के ऊपर अप्रैल 1976 से लेकर अब तक हरियाणा की सभी सरकारें इस बात का प्रयास करती रहीं कि एस. वाई. एल. के माध्यम से हमें पानी मिल जाये लेकिन भारत सरकार और पंजाब के बीच में यह मामला है, इसलिए इसमें हम कामयाब नहीं हुए। भारत सरकार का एक ऐसा रिवाज है कि जब भी यहां पर कोई ऐसी समस्या देश की आती है तो वह सारी पार्टियों को, यानि प्रधान मंत्री सभी पार्टियों को बुला सकता है और पार्टियां शामिल भी होती हैं और उस समस्या का कोई न कोई समाधान कर भी लेते हैं। प्रधान मंत्री के कहने पर देश के मामले में सभी पार्टियां एक हो सकती है लेकिन इस मामले में यह देखा गया है कि हमारे यहां की सभी पार्टियां इस मामले में एक नहीं हो पायी हैं, इसीलिए हमें इसमें कामयाबी नहीं मिली है।

प्रो० सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि ओम प्रकाश चौटाला जी तथा सारी पार्टियां इस मामले में मिलकर प्रधान मंत्री से मिलें और उन पर दबाव डालें कि काम को सेन्टर अपने हाथ में लेकर पूरा करे क्योंकि पंजाब का अपना इन्ट्रेस्ट इन्वालवड है, इसीलिए वे इसको बनाएंगे नहीं। मैं फिर कहता हूं कि हम इस मामले में सीरियस हैं और भारत सरकार से कहें कि वे खुद ही इस काम को अपनी किसी एजेंसी से पूरा करवाएं।

अध्यक्ष महोदय, हम इसके लिए बिल्कुल तैयार हैं। ये जो कह रहे है बिल्कुल सही बात है और इस मामले पर हम सभी को एक हो जाना चाहिए। इस काम को कोई सेंट्रल एजेंसी या भारत सरकार अपने हाथ में ले ले और तुरंत करवाए। हरियाणा का इन्ट्रस्ट इसके साथ जुड़ा हुआ है। यह किसी एक पार्टी का सवाल नहीं है। कांग्रेस पार्टी हो या कोई और पार्टी सब इसके लिए तैयार हैं।

प्रो० राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मेरा निवेदन यह है कि श्री शेर सिंह जी ने जो बात कही है, विपक्ष के नेता ने कैटेगोरिली उसके लिए आफर दी है। आज हरियाणा में एस. वाई. एल. से बढ़ कर कोई और मसला नहीं है और दूसरा अहम् मुद्दा नहीं हो सकता। मैं माननीय मुख्य मन्त्री जी से इस मामले में दरख्वास्त करता हूं और अपने सुझाव देता हूं। मुख्य मन्त्री जी खुद भी कहते रहे हैं कि इसके लिए प्रयास हो रहे हैं। मैं उनसे कहूंगा कि वे खुद एस. वाई. एल के बारे में पहल करें। इस मामले पर न कोई एस. जे. पी. है, ना बी. जे. पी. है, ना कोई और पार्टी की बात है, यह सारे हरियाणा के हित की बात है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से गुजारिश करता हूं कि यदि सभी लोग इस बात को ईमानदारी से करना चाहते हैं और अपनी पार्टी की तरफ से अधिकारपूर्वक बात कह रहे हैं तो एक रैजोल्यूशन हमें इस महान सदन से पास करना चाहिए और एक नई परम्परा शुरू करनी चाहिए। एस. वाई. एल. के मामले पर मुख्य मन्त्री जी पहल करें, हम सब उनके साथ हैं, पूरा सदन उनके साथ चलेगा, हरियाणा की पूरी जनता उनके साथ है। इसलिए मेरा नम्र निवेदन है कि इस बारे में आज एक रैजोल्यूशन पास होना चाहिए। सैंटर में राष्ट्रीय मुद्दों पर कई बार एकता हुई है। जैनेवा की कान्फ्रैंस का जब मामला आया तो पूरे सदन ने एकमत हो कर वाजपेयी जी को नेता बनाकर भेजा था। एस. वाई. एल. बनने से पंजाब को भी लाभ होगा। इसलिए मेरी विनम्र गुजारिश है कि आज ही एक रैजोल्यूशन इस बारे में पास किया जाना चाहिए (विघ्न)

प्रो० छत्तर सिंह चौहान : स्पीकर सर, विपक्ष के नेता प्रोफैसर सम्पत सिंह जी ने जो बात कही हैं, हरियाणा विकास पार्टी की तरफ से हम उनकी पहल का स्वागत करते हैं। माननीय मुख्य मंत्री जी की अगर नीयत साफ है तो इस मामले पर हम उनके साथ हैं। अगर ये एस. वाई. एल. नहर बनाना चाहते हैं तो इस मामले पर आज ही एक रैजोल्यूशन पास हो जाए। वे एस. वाई. एल. का नाम तो लेते रहे हैं लेकिन इस बारे में उनकी नीयत साफ नहीं है। अगर उनकी नीयत साफ होती तो यह स्थिति न होती। पिछले बजट में इस कार्य के लिए किसी भी पैसे का प्रावधान न करना उन की खराब नीयत का सबसे बड़ा सबूत है। यदि उनकी नीयत साफ है तो मैं अपनी पार्टी की तरफ से दावा करता हूं कि एस. वाई. एल. कैनाल बनाने के लिए सारा विपक्ष उनके साथ है। अध्यक्ष महोदय, अफसोस की बात तो यह है कि उनकी नीयत साफ नहीं है। (विघ्न)

(इस समय श्री कर्ण सिंह दलाल बोलने के लिए खड़े हो गये)

श्री अध्यक्ष : कर्ण सिंह जी, आपकी पार्टी के बिहाफ पर उन्होंने कह दिया है, आप बैठिए। (विघ्न)

चौधरी ओम प्रकाश बेरी : अध्यक्ष महोदय, जैसे कि माननीय सदस्य श्री शेर सिंह जी ने कहा है कि एस0वाई0एल0 का मामला बहुत ही अहम है, यह बिल्कुल सही बात है। इन्होंने कहा है कि सारे हाउस को इस मामले पर एक साथ चलना चाहिए। इस मामले पर हम बिल्कुल सरकार के साथ हैं। चौधरी भजन लाल जी इस बारे में पहल करें। पूरा विपक्ष इनके साथ होगा। अध्यक्ष महोदय, यमुना वाटर समझौते के बारे में मुख्य मंत्री जी ने कहा था कि विपक्ष को पूरे विश्वास में ले कर कोई समझौता करेंगे परन्तु विपक्ष को तो विश्वास में क्या लेना था, इन्होंने समझौते पर मन्त्री मण्डल की मोहर भी बाद में लगवाई। समझौता करते समय अपने मन्त्री मण्डल को भी विश्वास में नहीं लिया (विघ्न) यदि विपक्ष से ये लोग सहयोग लेने की कोशिश करेंगे तो विपक्ष इनका साथ देने के लिए तैयार है। (विघ्न)

Prof. Ram Bilas Sharma : Speaker Sir, They may move a resolution in this matter. (Noise & Interruptions).

Mr. Speaker : Sharma Ji, you have given your suggestion. Please take your seat now. (Interruptions).

Prof. Ram Bilas Sharma : Speaker Sir, you may lead on this very issue, and it will deliver a very good massage to the nation. अध्यक्ष महोदय, कर्नाटक में कावेरी के मुद्दे पर विपक्ष के मैम्बर्ज सदन के साथ हो गए थे जनेवा के मुद्दे पर भी सारा सदन एक हो गया था इसी तरह आज एस0वाई0 एल0 के मुद्दे पर सारा विपक्ष आपके साथ है। अध्यक्ष महोदय, गवर्नमैंट को एक रैजोल्यूशन लाना चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, जितने भी अपोजिशन के लीडर्ज बोले हैं। उन्होंने बहुत अच्छी-2 बातें कही हैं। मैं इनका स्वागत करता हूं। और यह बात मैं प्रधानमंत्री तक पहुंचा दूंगा। अगर कहीं पर किसी से मिलने की जरूरत पड़ेगी तो हम आपको साथ लेकर चलेंगे।

Prof. Ram Bilas Sharma : Let it be in the Shape of a resolution. अध्यक्ष महोदय, रैजोल्यूशन से इसकी अहमियत और बढ़ेगी। (शोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker : You have already said. Now Please take your seat. (शोर एवं व्यवधान) आप लोग बार-बार एक ही बात क्यों कह रहे हैं ? यह सारा मामला ही एक है।

प्रो0 राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता ने भी बात कह दी है। और हम भी वही बात कह रहे हैं।

श्री अध्यक्ष : आप रिपीट न करें।

सिंचाई मंत्री (चौधरी जगदीश नेहरा) अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। सर, जो बातें सदन के नेता ने और विपक्ष के लीडर्ज ने कही हैं, मैं इनकी जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि 1984 में इस बारे में एक रैजोल्यूशन पास हो गया था। बार-बार इस प्रकार के रजोल्यूशन पास करने से सदन की अहमियत कम होती है और हमारी भी प्रैस्टीज कम होती है। मेरी आपके द्वारा सभी मैम्बर्ज से रिक्वैस्ट है कि वे हाउस के लीडर की बात को मानें और राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा जारी रखें।

प्रो० सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, सारा हरियाणा प्रदेश यह मांगता है कि एस० वाई० एल० हरियाणा की लाईफ लाईन है। इसके न बनने में एक हजार करोड़ रुपए का नुक्सान प्रति वर्ष होता है। हमें लोगों ने चुनकर भेजा है। इसलिए पब्लिक इन्ट्रस्ट को पहले रखा जाय और पार्टी बाद में। आज इसको बनते हुए 11 साल हो गए हैं, तब से लेकर आज तक कई सरकारें आई हैं। अध्यक्ष महोदय, हम इस सरकार के साथ हैं और इस बात का क्रैडिट भी हम नहीं लेना चाहते हैं वह क्रैडिट भी यह गवर्नमैंट ले ले। मगर उस को कम्पलीट करवाए, अगर ऐसा हो जाता है तो यह एक हिस्टोरिकल बात हो जाएगी। जैसे कि जगदीश नेहरा जी ने कहा है कि 84 में जो रैजोल्यूशन पास कर दिया था, लेकिन उस वक्त हम नहीं थे। अध्यक्ष महोदय आज 11 साल हो गये हैं और आज यह सरकार एक फ्रैश रैजोल्यूशन पास करे। अध्यक्ष महोदय, आप भी यह कर सकते हैं। आप ही सरकार को इस बारे में कह सकते हैं हमारे टोटल 90 मैम्बर्ज हैं इन्क्लूडिंग अनअटैच्ड पार्टीज के मैम्बर्ज वे भी इसके लिए तैयार हैं, फिर सरकार को क्या तकलीफ है ? अगर इस बारे में रैजोल्यूशन पास हो जाएगा तो बाद में सब साथ चलकर प्रधान मंत्री जी से भी कहेंगे। (विघ्न)

(इस समय बिजली मन्त्री कुछ कहने के लिए खड़े हो गये)

श्री अध्यक्ष : आप लोग इंटरप्ट न करें। रामबिलास जी, आप बैठिए। वीरेन्द्र सिंह जी को बोलने दें।

बिजली मंत्री (श्री विरेन्द्र सिंह) : अध्यक्ष महोदय नेहरा साहब ने बताया कि एक रैजोल्यूशन पहले भी इस सदन में आ चुका है और मुख्यमन्त्री जी ने भी इस बारे में स्पष्ट तौर पर कहा है। आपकी असेम्बली में तो एक-एक शब्द लिखा जाता है। उन्होंने कहा है कि अगर समय आया तो वे सबको साथ लेकर आपकी भावनाओं को प्रधानमन्त्री जी को बताएंगे। उन्होंने यह भी कहा है कि रैजोल्यूशन के बारे में भी सोचेंगे तो स्पीकर सर फिर क्या रह गया है ?

चौधरी शेर सिंह : स्पीकर सर, प्रो० सम्पत सिंह जी ने शायद अनजाने में ही अपनी बात को इतनी तूल दे दी है। इनका काम तो बढ़िया तरीके से वहीं समाप्त हो जाता, जब इन्होंने यह आफर कर दी कि वे सब सरकार के साथ हैं। अब

[चौधरी बीर सिंह]

सरकार इस बारे में सोच लेगी । सर, मैं यह कह रहा था कि एस0 वाई0एल0 के अलावा हरियाणा के पास जो अपने पानी के सोर्सिज हैं जिनको हम इस्तेमाल कर सकते हैं या कर सकते थे, वह रह गये । कालका से लेकर छछरौली तक जितना भी शिवालिक का एरिया है, उसके साथ-साथ हम कंडी प्रोजेक्ट के तहत छोटे-छोटे डैम बना रहे हैं, जिससे भूमि का कटाव रुकता है और छोटी-मोटी खेती भी होती है व पानी भी दिया जाता है तो उसी तरह से एक बड़ा बांध बना लिया जाए एवं बरसात का पानी रोककर इक्कठा कर लिया जाय तो सारे हरियाणा में कम से कम चावल की फसल के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी उपलब्ध हो सकता है । पता नहीं हमारे इंजीनियरों का ध्यान अभी तक इस तरफ क्यों नहीं गया है । हमारे जिले के साथ तो इसलिए ज्यादा भेदभाव हो गया है क्योंकि हमारे पास एम0आई0टी0सी0 के अलावा और कोई साधन नहीं है जिससे पानी निकाल सकें । स्पीकर सर, बिजली के बारे में मंत्री जी ने और मुख्य मंत्री जी ने भी बड़े विस्तार से बताया है राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में यह बात बताई गई है कि इस साल बिजली के उत्पादन में 14 परसैंट की बढ़ोतरी हुई है जिसमें से 60 परसैंट बिजली हम सबसिडाईजड रेट पर किसानों को देते हैं । सर, राज्यपाल के अभिभाषण में यह बात भी कही गयी है कि 40 हजार ट्यूबवैल्ज के नये कनैक्शनज इस सरकार ने पिछले तीन सालों में दिए हैं । सर, बिजली एक ऐसी जरूरी चीज है जिसके बिना न तो दूध निकाला जाता है, न कपड़े धुलते हैं, न हीटर पर पानी गर्म होता है और न और कोई काम होता है । आज सबको इस बात का पता है कि बिजली की जरूरत है । (इस समय उपाध्यक्ष महोदय पधासीन हुए) उपाध्यक्ष महोदय, अभिभाषण में बताया गया है कि सरकार बिजली उत्पादन के लिए प्राईवेट अदायरों को भी आमंत्रित कर रही है कि वह बिजली के प्लांट लगाएं । सर, एक युग था जब पण्डित नेहरू के जमाने में मिक्सड इकोनौमी की स्थापना की गयी थी लेकिन आज ऐसा समय आ गया है कि जिस काम को सरकार नहीं कर सकती है और प्राईवेट लोग उसको कर सकते है तो सरकार वह काम उनको सौंप दें । बिजली भी ऐसा ही काम है इसलिए इस काम को प्राईवेट लोगों को दे दिया जाय । इससे जब बिजली की पैदावार बढ़ेगी तो प्रदेश में अनाज की पैदावार भी बढ़ेगी और देश में औद्योगीकरण को बढ़ावा मिलेगा । सर, उद्योग के बारे में भारत सरकार ने उदारीकरण की पौलिसी पिछले तीन साल से लागू की है । बाहर से आदमियों को उद्योग लगाने के लिए यहां बुलाया जा रहा है कि आप यहां पर आकर उद्योग लगाएं । सर, हरियाणा की कुछ भौगोलिक स्थिति दिल्ली के पास होने के नाते ला एण्ड आर्डर की पोजीशन ठीक होने की वजह से तथा हरियाणा के मुख्य मंत्री की व्यक्तिगत रुचि होने के कारण बाहर से बहुत से विदेशी हरियाणा में आकर उद्योग लगाना चाहते हैं । कृषि के साथ-साथ जब उद्योग लगेंगे तभी किसी प्रदेश या देश की तरक्की हो सकती है । पहले यहां लगभग 4 हजार यूनिट थे, आज एक लाख से भी ज्यादा यूनिट हरियाणा प्रदेश में चल रहे हैं । बिजली उनके लिए

भी बहुत जरूरी है।

उपाध्यक्ष महोदय, 2 अक्तूबर 1994 को हरियाणा के मुख्यमंत्री चौधरी भजन लाल जी ने 'अपनी बेटी अपना धन' नामक योजना शुरु की है। (विघ्न) जिसमें 500 रुपये मां को और 2500 रुपये परिवार में जो बच्ची पैदा होगी उसके नाम इंदिरा विकास पत्र के माध्यम से जमा कराये जायेंगे और वे लड़की को अपने आप को संभालने में, अपने स्टेट्स को बढ़ाने में मदद देंगे। उपाध्यक्ष महोदय, स्वच्छ जल सबसे जरूरी चीज है। हरियाणा में पानी हम नलके का पीते हैं। हरियाणा सरकार ने लगभग सभी गावों में पीने के पानी की व्यवस्था की है। और जो इसमें कमी है उसको सरकार पूरा करने जा रही है उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से यह प्रार्थना करूंगा कि गांवों में जहां-जहां भी ट्यूबवैल से पानी की सप्लाई के लिए टूटियां लगी हुई हैं उनमें जहां टैंक नहीं बने हैं पानी उसके साथ बहता रहता है और उससे रास्ते और नालियां काफी खराब हुई हैं। सरकार को ऐसी योजना बनानी चाहिए कि किसी भी जगह से धन निकालकर उन नालियों में जो पानी बह रहा है उनमें चैनल बनाकर गांवों में जोहड़ तक ले जाया जाये। जरूरत पड़े तो वह पानी खेतों के काम में भी लिया जा सकता है।

उपाध्यक्ष महोदय, जहां तक शिक्षा का ताल्लुक है। हरियाणा में लगभग प्रत्येक 6 साल का बच्चा स्कूल जा रहा है। आज स्कूलों की बहुत मांग है। एक इन्होंने नई योजना शुरु की है कि बच्चों पर बस्ते का भार ज्यादा न पड़े। बच्चा स्कूल में पढ़े और वहीं किताबें छोड़ आए और वहां से वापस आ जाए। यह प्रयोग बहुत अच्छा रहेगा क्योंकि बच्चों के खुद के बोझ से ज्यादा उनके बस्तों का वजन है उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से प्रार्थना करूंगा कि आने वाले वर्ष में प्रत्येक चुनाव क्षेत्र में पांच स्कूल प्राइमरी से मिडिल, मिडिल से हाई बनाने की सरकार व्यवस्था करे। प्रत्येक चुनाव क्षेत्र में 5-5 स्कूल अपग्रेड करने चाहिए।

उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा की ट्रांसपोर्ट का अपना नाम है। एक समय यह भी था जब प्राईवेट लोगों का सारा ट्रांसपोर्ट एकदम खत्म कर दिया गया था। आज यह वक्त है कि सभी लोग महसूस करते हैं कि ट्रांसपोर्ट का काम भी कुछ प्राईवेट लोगों के हाथ में दे दिया जाये और यह काफी कामयाब रहा है। इसमें कुछ छोटी-मोटी त्रुटियां हैं जैसे जहां एक बस चाहिए थी वहां दो लगी है और जहां दो चाहिए थी वहां एक लगी है। ऐसी थोड़ी बहुत कमियां हैं उनको दूर करने के लिए डिस्ट्रिक लेवल पर एक कमेटी बनानी चाहिए। जो कमेटी बनी हुई है उसमें कोई फैसला करने में बहुत टाइम लग जाता है। टाइम इतना लग रहा है, अभी तक उन्होंने शायद एक भी केस का फैसला न किया हो। डिप्टी स्पीकर साहब, पशु धन का भी अपना ही महत्व है और हरियाणा सरकार ने यह फैसला किया है कि प्रत्येक सरकार सर्कल में एक पशु धन केन्द्र खोला जाय। इस के लिये हमारी सरकार बधाई की पात्र है।

[चौधरी शेर सिंह]

इसी तरह से डिप्टी स्पीकर साहब, महात्मा गांधी के नाम से आवास योजना हमारी सरकार ने शुरू की है जिसके तहत गरीब आदमी को सस्ते और किश्तों पर मकान मिलेंगे।

इसी तरह से कर्मचारियों के बारे में चौधरी भजन लाल जी ने जो पे कमिशन का गठन किया है उसकी मैं भरसक प्रशंसा करता हूं। डिप्टी स्पीकर साहब, कोई भी सरकार कर्मचारियों के सहयोग के बिना नहीं चल सकती। उनको अगर समय पर उनका हक मिल जाए तब तो उसकी वेल्यू भी होती है क्योंकि अगर उनका हक एक साल या दो साल के बाद दिया जाए, तो उसका किसी भी कर्मचारी को कोई लाभ नहीं होता। खास तौर पर छोटे कर्मचारियों को काफी नुक्सान होता है।

इसके साथ साथ मैं अपनी सरकार को बधाई देता हूं कि सरकार ने 1 अप्रैल से सारी स्टेट के अन्दर लाटरी को बन्द करने का निश्चय किया है। इसके साथ-साथ मैं एक बात कहना चाहूंगा जो ये छोड़ गये हैं कि हमारे शिवालिक डिवैल्पमैन्ट बोर्ड ने कालका से छछरौली तक के इलाके के लिये बड़ा ही सराहनीय काम किया है। यह एक ऐसा एरिया था जहां पर आने जाने के बहुत कम साधन थे। लोग पैदल अगर जाते थे तो उनको एक जगह से दूसरी जगह जाने के लिये पूरा दिन लग जाता था। अब सरकार इस शिवालिक डिवैल्पमैंट बोर्ड के द्वारा गांव गांव तक सड़कें पहुंचाने जा रही है और जहां पर पुल नहीं थे वहां पर पुल बनाये जा रहे हैं। और दूसरे बड़े बड़े काम भी शिवालिक डिवैल्मैंट बोर्ड द्वारा करवाये जा रहे हैं जिस से लोगों को काफी सुविधाएं होंगी। इन शब्दों के साथ मैं इस के लिये आपका धन्यवाद करता हुआ अपना स्थान लेता हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया। जय हिन्द।

श्री भागीराम केहरवाला (एलनाबाद, एस0 सी0) : उपाध्यक्ष महोदय, आपका बहुत बहुत धन्यवाद जो आपने मुझे बोलने का समय दिया। श्री शेर सिंह जी की तरफ से राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर जो धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ है, मैं उसका अनुमोदन करने के लिये खड़ा हुआ हूं। पिछले चार सालों से राज्यपाल महोदय ने जब भी अभिभाषण दिया है, हमें एक चीज अखरती रही है कि ये अपोजीशन के भाई उसका बहिष्कार करते रहे हैं। यह बड़े ही दुःख की बात है। मैं इनको बताना चाहता हूं कि राज्यपाल महोदय, अकेले आदमी न होकर एक इंस्टीच्यूशन हैं, हैड आफ दा स्टेट हैं। हैड आफ दा स्टेट होने के नाते कोई मैम्बर उनके अभिभाषण का बहिष्कार करे तो यह बड़ी ही अजीब सी बात लगती है। यह शोभनीय नहीं है। आज जबकि उनके अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा चल रही है तब तो ये सारे लोग यहां पर बिराजमान हैं लेकिन अभिभाषण के वक्त इन लोगों ने उसका बहिष्कार किया। मैं इनसे पूछता हूं कि हैड आफ दा स्टेट का दोष क्या है।

श्री सतबीर सिंह कादियान : डिप्टी स्पीकर साहब, हम भी कह रहे हैं *** कि वे हैं।

श्री उपाध्यक्ष : ये शब्द कार्यवाही में से निकाल दिये जाएं।

श्री मनीराम केहरवाला : ठीक है ऐसे शब्द कार्यवाही में नहीं आने चाहियें। इनको ऐसा कहना शोभा नहीं देता। आज राज्यपाल 'ए' हैं कल को 'बी' भी हो सकते हैं लेकिन इनको तकलीफ इस लिये हुई, इसलिये इन्होंने अभिभाषण के समय बहिष्कार किया कि 1991 में जो चुनाव हुए थे, उन चुनावों में उन्होंने इनकी धींगा मस्ती नहीं चलने दी, इनको कुछ करने से रोक दिया। इनकी जो आदत थी यह उन्होंने रोक दी। (शोर)

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : जिला परिषद में तो धांधली थारे से रोकी नहीं गयी। (शोर)

श्री वीरेन्द्र सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वांयट आफ आर्डर है। जिला परिषद के चुनाव में गवर्नर साहब की देखभाल नहीं थी। ये जो फेयर इलैक्शन हुए है और मुख्य मन्त्री जी ने करवाए हैं। इनमें गवर्नर साहब का कोई रोल नहीं हैं। गवर्नर साहब ने तो इनके जाने के बाद देख भाल की थी।

प्रो० राम बिलास शर्मा : उपाध्यक्ष महोदय, यह जिला परिषद का मामला गवर्नर एड्रेस में कहां से आ गया ? हमने सुना है कि इन चुनावों में किसी की पत्नी हारी है और किसी की पुत्रवधु हारी है। तो यह मसला जब यहां पर आ ही गया है तो सदन में इस बारे में खुल कर बता दें। वैसे यह गवर्नर एड्रेस का मुद्दा नहीं था।

श्री मनी राम केहरवाला : उपाध्यक्ष महोदय, जिला परिषद की इलैक्शन के बारे में बात करने वालों को खुद पूछो कि इनकी कितनी बार जमानत जब्त हुई है ? ये जो आज यहां पर बैठे हैं, यह किसी खास वजह से बैठे हैं वरना इनके बारे में सभी को पता है। तो मैं अर्ज कर रहा था कि इस एड्रेस में गांधी जी की 125 वीं जयन्ती का जिक्र आया है, यानी इस देश के बापू का इसमें जिक्र आया है। इस एड्रेस में विकास के कार्यो के बारे में भी जिक्र है। (विघ्न) अभी हमारे यहां जो पचायतों के चुनाव हुये, यह उस एक्ट के तहत हुए जो राजीव गांधी जी ने बनाया था। उन्होंने अपने समय में पंचायती राज एक्ट और नगरपालिका एक्ट बनाया था। तो सारे हिन्दुस्तान के अन्दर हरियाणा पहली स्टेट है जहां पंचायती राज एक्ट लागू हुआ। इसके तहत चाहे पंच या सरपंच या जिला परिषद के लिए चुनाव है, उसमें हरिजनों के लिए और बैकवर्ड क्लासिज के लिए पूरी तरह से प्रावधान किया गया है। लाटरी द्वारा उनके नाम निकाले जाते हैं। यह सारा सिस्टम आज की सरकार ने चौधरी भजन लाल की लीडरशिप में लागू किया है। यह सामने जो महम के हीरो बैठे हैं, इन्होंने इन चुनावों में धींगामस्ती की। सिरसा जिले के रानियां में नगरपालिका के चेयरमैन का चुनाव हो रहा था। राजसभा के

**चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

[श्री मनी राम केहरवाला]

युवा दल के वाइस प्रैजीडैंट * * * * ने वहां पर दो हजार लोगों के सामने जो हरिजन चेयरमैन बन रहा था, उसको कहा कि मैं तेरे को गोली मारूंगा या * * * * गोली मारेगा। डिप्टी स्पीकर साहब, उसके बाद तीन मार्च को दिन दहाड़े सुबह 6 बजे श्री ओम प्रकाश चौटाला सन आफ श्री देवी लाल की जीप जो एच0 आर0 – 24 सी 4927 नम्बर की है, उसकी रजिस्ट्रेशन श्री ओम प्रकाश चौटाला पुत्र चौधरी देवी लाल की है। (शोर)

प्रो0 सम्पत सिंह : डिप्टी स्पीकर साहब, माननीय सदस्य तथ्यों से परे की बात कर रहे हैं इन्होंने जिस आदमी का नाम लिया है वह हाउस का मैम्बर नहीं है इसलिए यहां पर उसका नाम नहीं लिया जाना चाहिए। उसकी पत्नी फादर या चाचा मैम्बर हो सकता है लेकिन वे सदन के मैम्बर नहीं हैं, इसलिए उसका नाम एक्सपंज किया जाना चाहिए।

Mr. Deputy Speaker : That reference may not go on record.

श्री मनी राम केहरवाला : डिप्टी स्पीकर साहब, इसी महीने की 3 तारीख को, वही आदमी उसी नम्बर की जीप में, पांच और आदमी लेकर वहां का जो हरिजन चेयरमैन बना, उसको उठाने के लिए उसके घर में गया। वहां पर उसने गोलियां चलाईं। फिर ये किस मुंह से लोकतंत्र की बात करते हैं? किस मुंह से प्रजातंत्र की बात करते हैं और किस मुंह से गरीबों की बात करते हैं। ऐसी बातें इनकी जुबान से जंचती नहीं। केवल कांग्रेस (आई) पार्टी ऐसी है जिसके संस्कार में लोकतंत्र हैं, जिसके संस्कार में प्रजातंत्र है, जिसके संस्कार में गरीबों की गुरबत खत्म करने की बात है, इसलिए यह पार्टी तो इस तरह की बात कर सकती है लेकिन मेरे सामने बैठे भाई इस तरह की बात नहीं कर सकते। उपाध्यक्ष महोदय, इन लोगों ने पंचायतों और नगरपालिकाओं के चुनावों में पूरी तरह से धींगामस्ती की है लेकिन आज की सरकार ने पंचायतों और नगर पालिकाओं के फेयर चुनाव करवाए, फिर भी ये लोग कहीं कहीं पर धींगामस्ती कर गए जहां तक आईडैंटिटी कार्ड की बात है, हरियाणा प्रदेश सारे देश में पहला प्रदेश है जिसने अपने यहां पर वोटर्ज के आइडैंटी कार्ड बनवाए। सारे देश में आईडैंटी कार्ड बनाए जा रहे हैं अब जो चुनाव होंगे वे आइडैंटी कार्ड के थ्रू होंगे। मेरे सामने बैठे भाईयों को आइडैंटी कार्ड बनने से ज्यादा तकलीफ हुई है क्योंकि इनके रिश्तेदारों और दोस्तों के तीन तीन जगहों पर वोट बने हुए हैं लेकिन आइडैंटी कार्ड बनने से अब उनका एक ही जगह पर वोट रहेगा। इनको सबसे ज्यादा तकलीफ इसलिए भी हुई क्योंकि आइडैंटी कार्ड बनाने का काम हरियाणा में क्यों चालू किया गया। उपाध्यक्ष महोदय, गवर्नर साहब के ऐड्रैस में ग्रामीण विकास की बात कही गई है। जब चौधरी देवी लाल सत्ता में होते थे तो इलैक्शन के दिनों में गांवों के लोगों को कहते थे कि "थम मनें राज दो, थम मनें राज दे दोगे तो मैं थारे गांव में सोट छापण की

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

मशीन ला कर लगा दूंगा । जो बड़े बड़े गांव हैं उनमें 2-2 और 3-3 मशीन लगा दूंगा और जो छोटे गांव हैं उनमें एक एक मशीन लगा दूंगा । उपाध्यक्ष महोदय, आप इनके राज के समय की गांवों के विकास के लिए जो राशि दी गई उसको फिर देख लें । उस समय किसी गांव को दो हजार रुपये और किसी गांव को अढ़ाई हजार रुपये और किसी गांव को चार हजार रुपये दिए गए । इससे ज्यादा पैसा नहीं दिया गया । आज की सरकार लाखों और करोड़ों रुपये ग्रामीण विकास के लिए दे रही है आज की सरकार गावों की गलियां पक्की करवाने के लिए, चौपालों के लिए और पंचायत घरों के लिए काफी पैसा दे रही है । प्रदेश के अन्दर दूसरे विकास के कामों के लिये नया इन्कलाब जरूरी है जो चौधरी भजन लाल के नेतृत्व में चार साल के अन्दर हरियाणा में आया है । आज विकास के कामों के लिये पैसे की तादाद लाखों और करोड़ों रुपये में है न कि दो हजार या चार हजार रुपये के हिसाब से । उपाध्यक्ष महोदय, ये लोग किस मूंह से यह बात कहते हैं कि ये गांवों का विकास करेंगे ।

बैठक का समय बढ़ाना

Mr. Deputy Speaker : Is it the sense of the House that the time be extended by half an hour ?

आवाजें : ठीक है जो हाउस का टाईम आधा घंटा बढ़ा दिया जाए ।

श्री उपाध्यक्ष : ठीक है, हाउस का टाईम आधा घंटा बढ़ाया जाता है ।

राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री मनोराम केहरवाला : उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी भजन लाल ने हथनीकुंड बैराज बनाने की लाईन साफ की है । उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा का जो यमुना जल समझौता हुआ, समझौता कौन कर सकता है, समझौता वही कर सकता जो समझौतावादी हो । इन्होंने तो जिन्दगी में कभी समझौता किया ही नहीं । ये लोग किसी से भी समझौता नहीं कर सकते । मेरे कहने का मतलब यह है कि समझौता ये लोग समाज से नहीं कर सकते थे आज चौधरी भजन लाल जी बधाई के पात्र हैं । जिन्होंने पांच स्टेट के मुख्यमंत्रियों को (हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली और हरियाणा) एक स्टेज पर इकट्ठा किया । इसका सारा श्रेय चौधरी भजन लाल जी को जाता है ।

उपाध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार, ने 'अपनी बेटी अपना धन' की योजना शुरू की है । पहले समय में लोग चाहे कोई गरीब व्यक्ति था या बड़े खानदान का था लड़की को एक बोझ समझते थे और पैदा होते ही लड़की को मार देते थे । हमारी पहली स्टेट है जहां पर बेटी को पूरा मान सम्मान दिया गया है । बेटी होने पर

[श्री मनीराम केहरवाला]

मां को 500 रुपये और उस लड़की के खाते में पैसा होते ही 2500 रुपये उसके नाम से जमा हो जाएंगे और 18 साल की आयु के बाद इन 2500 रुपये के 25000 रुपये उसको मिलेंगे ताकि वह अपनी शादी ठीक प्रकार से कर सके । मेरे कहने का मतलब यह है कि अपनी बेटी अपना धन की जो स्कीम है, यह बहुत बढ़िया है । इससे चाहे कोई गरीब हरिजन है या दूसरे जो गरीबी की रेखा के नीचे आने वाले लोग हैं सभी को लाभ पहुंचेगा । आज की सरकार साक्षरता की तरफ भी पूरा ध्यान दे रही है । इन लोगों को तो साक्षरता के बारे में कुछ ज्ञान नहीं है । साक्षरता का मतलब है कि अनपढ़ लोगों को पढ़े- लिखे बनाना । इनके पास चौधरी सम्पत सिंह जी पढ़े लिखे हैं लेकिन ये भी कई दफा इनकी तरह अनपढ़ जैसी बातें करने लग जाते हैं ।

श्री० सम्पत सिंह : आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर, उपाध्यक्ष महोदय, अभी इन्होंने साक्षरता पर टिपणी की । मैं इनको साक्षरता के बारे में बताना चाहता हूं । कल की कांग्रेस पार्टी की लेजिस्लेटीव पार्टी की मीटिंग में यह मामला आया जिसमें आप भी विधायक के तौर पर शामिल हुए कि कैसे ब्यूरोक्रेट्स में इन अनपढ़ मिनिस्टरों के बारे में रोष पाया गया था । कहां ये अनपढ़ मंत्री इन पढ़े लिखे अफसरों के पल्ले बांध दिए गए । यह बात आज के अखबार में आई है। न तो ये किसी बात को सुनते हैं और न कानून की बात समझते हैं । यह एजुकेशन का मामला है आप इसको न छेड़ें तो ठीक ही रहेगा । उपाध्यक्ष महोदय, ये बार-बार यह कह रहे हैं कि "ये लोग"..... यह गवर्नर एड्रस हमने तैयार नहीं किया है यह हमारा गवर्नर एड्रस नहीं है । यह तो इनकी सरकार द्वारा तैयार किया गया गवर्नर एड्रस है । जब हम लोग गवर्नर एड्रस तैयार करेंगे तो उस वक्त ये यहां पर नहीं होंगे । यानि ये मैम्बर नहीं होंगे जो एड्रस हमने तैयार किया था, वह ठीक था । (विघ्न)

श्री मनीराम केहरवाला : उपाध्यक्ष महोदय, आज की सरकार ने को-आपरेटिव सोसाइटियां बनाई हैं परन्तु इन लोगों ने हरियाणा की सरकार में होते हुए हरियाणा की जायदाद को खड़े होकर खुद आग लगवाई थी । सरकारी दफ्तरों और लोगों के काम में आने वाली बसों को इनकी सरकार के टाईम में आग लगाई गई जिसकी भरपाई करना काफी मुश्किल था । आम आदमी को आने-जाने में काफी दिक्कत थी और सरकार ने ट्रांसपोर्ट सोसाईटियों की स्कीम बना कर जहां एक ओर हरियाणा के नौजवानों को रोजगार उपलब्ध करवाया वहीं हरियाणा की जनता को इधर-उधर आने जाने में जो दिक्कत पेश आ रही थी उसको भी काफी हद तक दूर किया है । मैं सदन में बताना चाहता हूं कि को-आपरेटिव बैंकों की तरफ से इन सोसाईटियों को लगभग 37 करोड़ रुपये दिए गए हैं जिससे जहां एक तरफ आम नौजवान को रोजगार मिला है, वहां दूसरी तरफ आम जनता को ट्रांसपोर्टेशन की जो तकलीफ थी वह भी काफी हद तक हल हुई है । उपाध्यक्ष महोदय, नकल विरोधी अभियान

के बहुत ही शानदार रिजल्ट्स आ रहे हैं । यह बात मानने वाली है कि शिक्षा के क्षेत्र में रिजल्टस कुछ कम आए हैं लेकिन जो गलत आदत डल गई थी जिसकी वजह से हरियाणा की बदनामी हो रही थी वह काफी हद तक कम हुई है । आज सारे हरियाणा में नकल विरोधी अभियान बड़ी कामयाबी से चल रहा है जो कि इस सरकार की बहुत बड़ी कामयाबी है ।

उपाध्यक्ष महोदय, इसी तरह से कोआप्रेटिव मूवमैंट के जितने भी अदारे हैं उनकी पहले 5 साल की टर्म थी लेकिन जब चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी मुख्य मन्त्री थे तब इन्होंने उसको घटा कर 3 साल कर दिया इस 5 साल की टर्म में काम बिल्कुल ठीक प्रकार से चल रहा था । सारे हरियाणा के कोआप्रेटर्ज सरकार से मिले और इस वर्तमान सरकार ने उसको फिर 3 साल से 5 साल कर दिया है । इसके लिए इस सदन में बिल भी आ रहा है । मैं समझता हूं कि हरियाणा कोआपरेटर्ज के लिए यह एक बहुत बड़ा कदम है । सारे हरियाणा के अन्दर को-आपरेटिव सोसाईटीज हैं उनके बैकवर्ड क्लासिज के लोग भी मैम्बर हैं, शिड्यूल कास्टस के लोग भी मैम्बर हैं, और मोस्टली किसान कोआपरेटिवज सोसाईटीज के मैम्बर हैं और भी अनेकों कोआपरेटिवज सोसाईटीज हैं उन सब को इससे फायदा होगा । कोआपरेटिवज मूवमैंट के जितने भी अदायरे हैं उनको फायदा होगा । इस बात के लिए हरियाणा के सभी लोग सरकार का धन्यवाद करते हैं ।

उपाध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से किसानों के भले की बात भी है । नर्मे कपास के भाव देने की बात है चाहे जीरी के भाव देने की बात है और चाहे गन्ने का भाव किसान को देने की बात है इस सरकार ने किसान को बहुत अच्छे भाव दिये है । आज की सरकार ने नर्मे कपास का बहुत ही शानदार भाव किसान को दिया है। 2300 रूपये क्विंटल नर्मे का भाव है । किसान जब कपास लेकर मण्डी में जाता है तो बोरी में भर कर नोट लाता है । ये नोट बटुए या थैले में नहीं आते यह भाव चौधरी भजन लाल की सरकार ने किसान को दिया है । हम लोग तो नर्मा कपास के ऐरिया के रहने वाले हैं । उपाध्यक्ष महोदय, नारनौंद, सिसिंग और गोहाना के नाम पर राजनैतिक रोटियां सेंकने वालों ने किसानों को क्या दिया है । इन्होंने किसानों को कुछ नहीं नदिया बल्कि उनका नाश किया है । किसानों का भला तो आज की सरकार ने किया है ।(विघ्न) इस तरह से बिजली की जहां तक बात है, बिजली की थोड़ी-बहुत दिक्कत रही है । एक बार मैं और मेरे साथ मिल्क प्लांट सिरसा के प्रेजीडैंट चौधरी वीरेन्द्र सिंह के पास चले गए कि हमारे यहां पर बिजली की प्रोब्लम है । तो इन्होंने एकदम से कहा कि आप बताएं कि आपके कहां पर यह प्रोब्लम है हम उसको अभी ठीक करवा देते हैं । यह सब तो चौधरी भजन लाल के नेतृत्व में ही दूर हो सकती है । अगर कोई प्रोब्लम चौधरी भजन लाल नहीं दूर कर सकते हैं तो उसको कोई भी दूर नहीं कर सकता है । आज हरियाणा इनके नेतृत्व में अच्छी तरह फल-फूल रहा है । ये लोग तो हरियाणा की जनता का नाश

[श्री मनीराम केहरवाला]

ही करेंगे। आज की सरकार चौधरी भजन लाल के नेतृत्व में जो काम कर रही है वह आने वाला वक्त में हरियाणा के लोग इस पार्टी को वापिस लाएंगे और वही सरकार दोबारा से आएगी, आज ईजराईल से समझौता हुआ, मलेशिया से समझौता हुआ और इसके अलावा और भी कई समझौते हुए हैं तो यह जलते है कि यह समझौते यह सरकार क्यों कर रही है। ये आप तो कुछ कर नहीं सकते और दूसरों को भी कुछ नहीं करने देते हैं। जो बिजली की समस्या है वह चौधरी भजन लाल ही हल करेंगे। उपाध्यक्ष महोदय, शेर सिंह जी ने राज्यपाल जी का जो प्रस्ताव रखा है मैं उसका स्वागत तथा समर्थन करता हूं। धन्यवाद

Mr. Deputy Speaker. Motion moved—

"That an address be presented to the Governor in the following terms :—

"That the Member of the Haryana Vidhan Sabha assembled in this Session are deeply grateful to the Governor for the address which he has been pleased to deliver to the House on the 6th March, 1995,,.

Further discussion will be resumed tomorrow.

Now the House stands adjourned till 9.30 A.M., tomorrow, the 8th March, 1995.

1.43 P.M |

(The Sabha then adjourned till 9.30 A.M., tomorrow, the 8th March, 1995.)

ANNEXURE 'A'

SHASHTRIS QUALIFIED FORM U. P. AND BIHAR

*1006. **Shrimati Chandrawati:** Will the Minister for Education be pleased to state the number of shashtaris who qualified from Ayodya (U. P.) and Bihar appointed in Haryana State during the period from 1980 todate togetherwith the names and addresses of the intitutions from where they have studied in the Stat before getting admission in the said course ?

Education Minister, (Shri Phool Chand Mullana) : Statement is laid on the Table of the House.

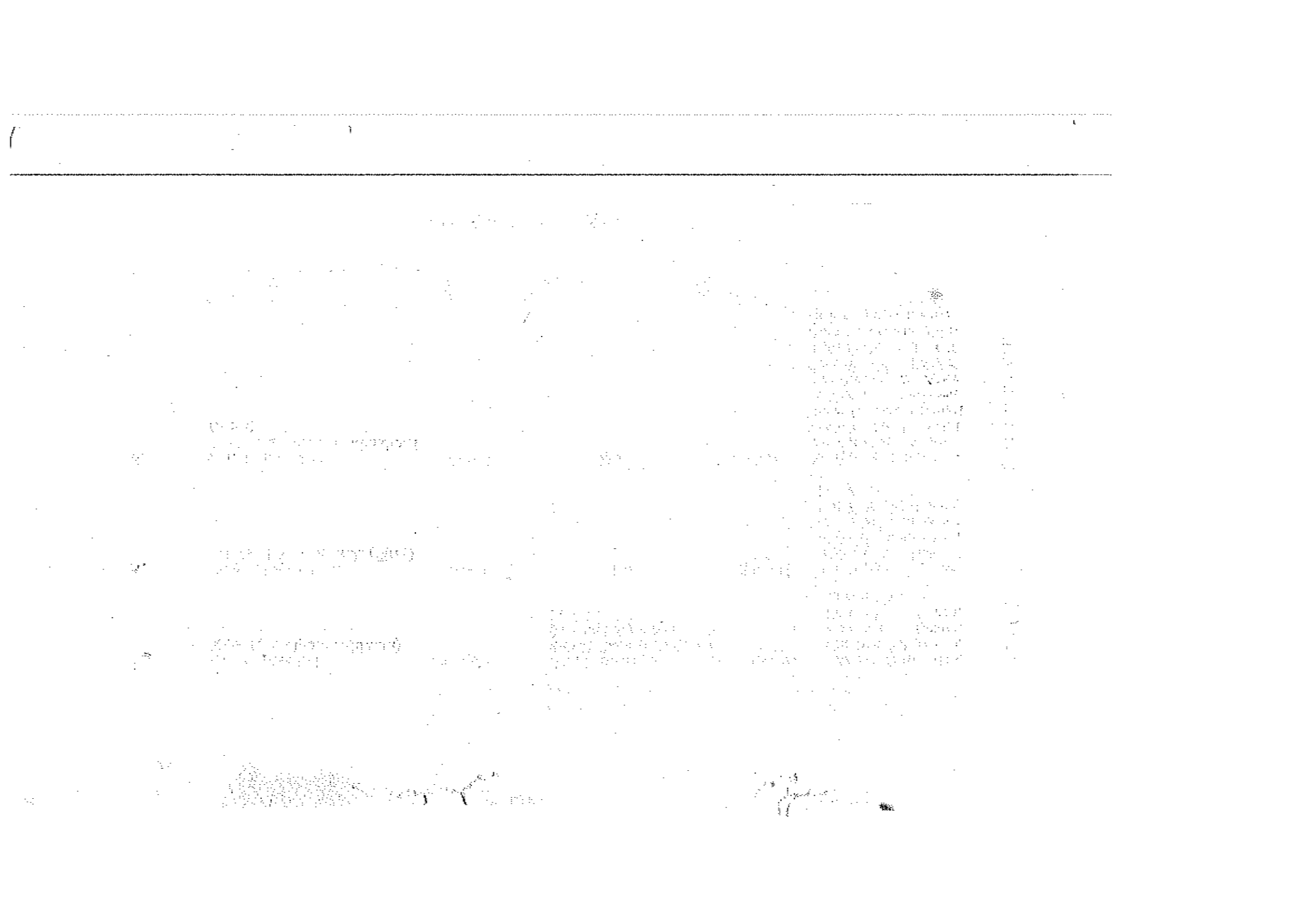

Statement showing the number of Sanskrit Teachers appointed in Haryana State from 1980 todate who obtained their Shastri degree from ayodhya (U.P.) and Bihar State.

Sr. No.	Name of the Sanskrit teacher and his preeent place of posting	Date of appoint-ment	Degree of Sanskrit obtained from	Date of passing Shastri	Qualification prior to gettipg admission in Shastri course and name of Instituti n/ Universty where stu-died.
1	2	3	4	5	6
1.	Smt. Dharm Kaur G.G.H.S. Baliali (Bhiwani)	31-1-84	Akhil Bhartiya Vidvat Samiti Pariksha Pari-shad Ayodhya (U. P.)	15-4-78	Madhyama from Gaya-tri Brahm Ashram Vashist Kund/Akhil Bhartiya Vidvat Samiti Pariksha Parishad Ayo-dhya (U. P.), After obtaining Shaslri deg-ree, she did OT from Haryana Education Department,
2.	Sh. Surinder Pal Kaushik, GHS, Ludas (Hisar)	7-7-86	Do	30-4-78	10+2/ Rashtriya Open School.
3.	Sh. Gautam Parshad, G.G.H.S., Dheeng (Sirsa)	8-11-86	Akhil Bhartiya Vidvat Samiti Pariksha Parishad Ayodhya (U. P.)	24-4-78	Prajna from Shri Sana-tan Dharam School, Sirsa, Punjab Univer-sity Chandigarh.

4.	Sh. Madan Lal, G.H.S., Golpura (Bhiwani)	26-12-86	Akhil Bhartiya Vidvat (Samiti Pariksha Parishad Ayodhya (U.P.)).	15-4-78	Matric from GHS, Chaapar (Bhiwani), Haryana School Education Board, Chandigarh.
5.	Smt. Nirmla Devi, G.G.H.S., Charwala (Sirsa)	1-1-91	Do	23-4-84	Madhyam from Kanya Gurukul Narela, Delhi, Shri Midayan and Arya Vidya Peeth, Jhajjar, Haryana.
6.	Smt. Kanta Devi, G.G.M.S. Shakkar Mandauri (Sirsa)	11-2-93	Do	15-4-78	Madhyama from Gayatri Brahm Ashram Vashist Kund Akhil Bhartiya Vidvat Samiti Pariksha Parishad Ayodhya (U.P.) After Obtaining Shastri degree she did OT from Haryana Education Department.

26656—H.V.S.—H.G.P., Chd.